हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 नवम्बर, 2001

खण्ड 3, अंक 2

अधिकृत विवरण

विषय सूची

शुक्रवार, 9 नवम्बर, 2001

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	1
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	17
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	23
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव-	
हरियाणा प्रदेश में कपास की फसल नष्ट होने सम्बन्धी	
अध्यक्ष को हटाने के लिए संकल्प की सूचना	25
अभिकथित विशेषाधिकार भंग की सूचना	36
मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा	36
वैयक्तिक स्पष्टीकरण	64
स्वास्थ्य राज्य मंत्री द्वारा	
मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	65
वैयदितक स्पष्टीकरण	65
नगर विकास राज्य मंत्री द्वारा	
मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	65
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	66
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	66

मुल्य :

मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	67
वाक आउट	71
मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	72
वैयक्तिक स्पष्टीकरण	
श्री ओम प्रकाश जिंदल, एम०एल०ए०, द्वारा	73
मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	74
वैयक्तिक स्पष्टीकरण	76
श्री बंसी लाल, एम०एल०ए० द्वारा	
मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	76
वैयक्तिक स्पष्टीकरण	81
श्री बंसी लाल, एम०एल०ए० द्वारा	
मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	82
वैयक्तिक स्पष्टीकरण	
श्री बंसी लाल, एम०एल०ए० द्वारा	82
मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	82
वैयक्तिक स्पष्टीकरण	
श्री बंसी लाल, एम०एल०ए० द्वारा	84
मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	84
वैयक्तिक स्पष्टीकरण	
श्री बंसी लाल, एम०एल०ए० द्वारा	84
मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	85
वैयक्तिक स्पष्टीकरण	86
श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, एम०एल०ए० द्वारा	
मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	86
वैयक्तिक स्पष्टीकरण	92
श्री अनिल विज, एम०एल०ए० द्वारा	
श्री देवराज दीवान, एम०एल०ए० द्वारा	92
मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	92
ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं-	94
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सं० 4, 11 (ब्रैक्टिड विद नोटिस नं0 4) सम्बन्धी	
सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र	94
संविधान (इक्यानेवेवां संशोधन) विधेयक, 2000 के अनुसमर्थन करने	
सम्बन्धी संकल्प	94
विधान कार्य	95
दि हरियाणा पंचायती राज (अमैंडमैंट), बिल, 2001	95
दि पंजाब टाउन इम्प्रूवमैंट (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 2001	97
दि पंजाब लेबर वैल्फेयर फण्ड (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 2001	98

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार, 9 नवम्बर, 2001

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रात: 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

तारांकित प्रश्न संख्या 762

(इस समय माननीय सदस्य श्री लीला राम सदन में उपस्थित नहीं थे इसलिए यह प्रश्न नहीं पूछा गया।)

Sub-stations in Rohtak Circle

***748. Shri Padam Singh Dahiya:** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up new Power sub-stations in Rohtak Circle during the current financial year 2001-2002 together with the estimated cost thereof ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा) : एक विवरण सदन पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

रोहतक परिमण्डल में बिजली की आपूर्ति सुधारने के लिए निम्नलिखित नये बिजली उपकेन्द्र सहायक प्रसार लाइनों के साथ 31.83 करोड़ रुपये की लागत से नियोजित किए गए हैं/आरम्भ किए जा रहे हैं—

क्रम सं०	उपकेन्द्र का नाम	ट्रान्सफार्मर की क्षमता	अनुमानित लागत रुपए करोड़ों में	पूर्ण होने की संभावित अनुसूची
1	2	3	4	5
	नये उपकेन्द्र			
1.	132 के०वी० उपकेन्द्र महम एसोशियेटिड प्रसार लाइनों सहित	1x10/16 एमवीए 132/11के०वी०		जून, 2003
2.	132 के०वी०उपकेन्द्र सांपला एसोशियेटिड प्रसार लाइनों सहित	2x10/16 एमवीए 132/11के०वी०		जून, 2003
3.	132 के०वी० उपकेन्द्र एम.डी.यू. रोहतक एसोशियेटिड प्रसार लाइनों सहित	2X 20/25 एमवीए 132/33के०वी०	31.83	जून, 2003

1	2	3	4	5
4.	220 के०वी० पी०टी०पी०पी० रोहतक लाइन का दूसरा सर्कट 62.5 कि०मी०	जून, 2003		
	योग/1/		31.83	

उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त 5.05 करोड़ रुपए की लागत से प्रसार तथा उप-प्रसार की वृद्धि के लिए निम्नलिखित कार्य शुरु करने की योजना है :-

क्रम संख्या	उपकेन्द्र का नाम	ट्रान्सफार्मर की क्षमता	अनुमानित लागत रुपए करोड़ों में	पूर्ण होने की संभावित अनुसूची
1	2	3	4	5
1.	220 के०वी० उपकेन्द्र रोहतक	अतिरिक्त 100 एमवीए 220/132 के०वी०	31.83 करोड़ रुपए लागत में शामिल	जून, 2003
2.	132 के०वी० उपकेन्द्र बहादुरगढ़	10/16 एमवीए 132/33 के०वी०के स्थान पर अतिरिक्त 10/16 एमवीए	1.54	मार्च, 2002
3.	132 के०वी० उपकेन्द्र कलानौर	16/8/8 एमवीए 132/33/11 के०वी० के स्थान पर 10/16 एमवीए, 132/11 के०वी०	0.71	मार्च,2002
4.	33 के०वी०उपकेन्द्र जसिया	2x4 एमवीए 33/11 के०वी० के स्थान पर 6.3+4 एमवीए	0.40	मार्च, 2002
5.	33 के०वी० उपकेन्द्र एच०एन०जी० बहादुरगढ़	2x5+4 एमवीए 33/11 के०वी० के स्थान पर 2x5+6.3 एमवीए	0.40	दिसम्बर, 2002
6.	33 के०वी० उपकेन्द्र हुड्डा वाणिज्यक कम्पलैक्स रोहतक	2x5एमवीए 33/11 के०वी० के स्थान पर 2x6.3 एमवीए	0.40	जून, 2003

1	2	3	4	5
7.	33 के०वी० उपकेन्द्र एम०आई०ई०बहादुरगढ़	4+6.3 एमवीए 33/11के०वी० के स्थान पर 2x6.3 एमवीए	0.40	जून, 2003
8.	33 के०वी० उपकेन्द्र आई०डी०सी० हिसार रोड, रोहतक	6.3+5 एमवीए 33/11के०वी० के स्थान पर 2x6.3+5 एमवीए	0.40	जून, 2003
9.	33 के०वी० उपकेन्द्र झज्जर रोड़, रोहतक	2x5एमवीए 33/11 के०वी० के स्थान पर 2x5+6.3 एमवीए	0.40	जून, 2003
10.	33 के०वी० उपकेन्द्र माडल टाऊन, रोहतक कम्पलैक्स रोहतक	2x5एमवीए 33/11 33/11के०वी० के स्थान पर 2x6.3 एमवीए	0.40	जून, 2003
	योग		5.05	

श्री पदम सिंह दहिया : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि राज्य में बिजली वितरण प्रणाली में सुधार के लिए क्या-क्या पग उठाये जा रहे हैं ?

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश में बिजली सुधार के लिए 700 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव है और इसमें सब-स्टेशनों और ट्रांसमिशन की नई लाईनें बिछाकर, सब-स्टेशनों को बनाकर सुधार करके 101 सब-स्टेशनों की आगुमैंटेशन करके एक प्रकार से क्रान्तिकारी सुधार किया गया है जो पहले कभी नहीं किया गया था । इसी प्रकार से छः हजार से भी ज्यादा नये ट्रांसफार्मर्ज लगाकर बिजली की स्थिति में सुधार किया गया है जिससे वोल्टेज में काफी बढ़ौत्तरी हुई है। इसी प्रकार से फीडरों में लीड को बढ़ा दिया गया हैं जिससे वोल्टेज की कमी नहीं रह गई है। 143 नये फीडर परिवर्तन कर दिये गये हैं। इसी प्रकार से हरियाणा प्रदेश में ट्रांसफार्मर्ज बैंक बनाये गये हैं और मीटर बैंक बनाये गये हैं। इसी प्रकार से अगर कहीं पर ट्रांसफार्मर जल जायें तो उसको जल्दी बदलने के प्रबन्ध किये गये हैं। इसी बात को मध्य रखते हुए बिजली की सप्लाई के लिए पूरी वोल्टेज देने के प्रबन्ध किये गये हैं । आज उपभोक्ता को पूरी बिजली मिल रही है जिसके कारण कहीं से कोई शिकायत नहीं आ रही है। माननीय सदस्य ने रोहतक सर्कल के बारे में पूछा है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि नये सब-स्टेशन बनाये जा रहे हैं और पुरानों में आगुमैंटेशन किये जा रहे हैं और नई लाइनें बिछाई जा रही है और बिजली में और अनेक सुधार किये जा रहे हैं।

श्री सूरज मल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जिस प्रकार चौधरी बंसीलाल जी की सरकार के समय ट्यूबवैल्ज के रेट स्लैब प्रणाली के आधार पर बढ़ाये गये थे कि एक ट्यूबवैल जो 500 फीट की गहराई पर है उसका रेट कुछ था और उसके साथ का ट्यूबवैल जो कम फीट की गहराई पर है उसका रेट अलग था क्या आप उस प्रणाली में सुधार कर रहे हैं और उसमें जो अनियमिततायें पाई गई थी उनको ठीक कर रहे हैं ।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, ये स्लैब प्रणाली की बात कर रहे हैं और इस बात को लेकर वास्तव में बात यह है कि वहां पर एक पटवार सर्कल को यूनिट मान लिया गया है जिसकी वजह से दूसरी पटवार सर्कल दूसरे गांव की सरहद पर होती है। एक जगह स्लैब प्रणाली है और दूसरी जगह नहीं है। इस समस्या को लेकर कई लोग मुख्य मंत्री महोदय के पास आए तथा विधायकों ने भी इस समस्या को मुख्य मंत्री महोदय के समक्ष रखा। इसके लिए प्रो० सम्पत सिंह की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई है वह पूरे प्रदेश में इस समस्या को तथा दूसरी समस्याओं को निपटाने के लिए लोगों को बुलाएंगे और लोगों के जो नए सुझाव आएंगे उनको इकट्ठा करके क्रियान्वित किया जाएगा ।

श्री भगवान सहाय रावत : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि राज्य में बिजली आपूर्ति सुधार के लिए जो हाईडल प्रोजैक्टस, थर्मल पावर प्रोजैक्ट हैं उन पर क्या कार्यवाही की जा रही है तथा पूरे प्रदेश में बिजली सुधार के लिए जो स्टेशनज और सब-स्टेशनज लगाए जा रहे हैं और जो नई लाइनें बिछाई जा रही हैं उनकी जिला वार संख्या क्या है।

श्री राम पाल माजरा: अध्यक्ष महोदय, बिजली के सुधार के लिए 700 करोड़ रु० की योजना बनाई गई है । पूरे हरियाणा प्रदेश में 129 सब-स्टेशनज पर काम चल रहा है जिसमें से 220 के०वी०ए० के 7 नए सब-स्टेशनज हैं और 8 पर आगुमैंटेशन हो रहा है। 132 के०वी०ए० के 27 नए सब-स्टेशन बनने जा रहे हैं तथा 6 पर आगुमैंटेशन हो रहा है । 66 के०वी०ए० के 23 नए सब-स्टेशनज बनने जा रहे हैं तथा 6 पर आगुमैंटेशन का काम चल रहा है। 33 के०वी०ए० के 8 नए सब-स्टेशनज बनने जा रहे है तथा 34 का आगुमैंटेशन का काम हो रहा है। इसी प्रकार से मेरे योग्य साथी ने इसकी जिलावार रिपोर्ट मांगी है तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि जितना सुधार बिजली के मामले में इस सरकार के समय में हुआ है वह पहले कभी नहीं हुआ। अम्बाला जिले में टेपला गांव में 220के०वी०ए० का नया सब-स्टेशन बनने जा रहा है और यह 2002 तक पूरा हो जाएगा। अम्बाला में 66 के०वी०ए० का सब-स्टेशन चुखेड़ी में नया बनने जा रहा है और यह 2002 तक पूरा कर लिया जाएगा। अम्बाला में ही 66 के०वी०ए० का सब-स्टेशन मुलाना में नया बनने जा रहा है और इसके 30-9-2002 तक पूरा होने की सम्भावना है। इसी प्रकार अम्बाला में ही 66के०वी०ए० का सब-स्टेशन लायलपुर बस्ती में बनने जा रहा है यह 2002-2003 तक पूरा होने की सम्भावना है। अम्बाला में ही 66 के०वी०ए० का सब-स्टेशन चौड़ मस्तपुर में आगुमैंटेशन होने जा रहा है और यह 2002-2003 तक पूरा हो जाएगा । अम्बाला में ही बरनाला में 66 के०वी०ए० का सब-स्टेशन आगुमैंटेशन होने जा रहा है और यह 2001-2002 तक पूरा हो जाएगा। इसी प्रकार बहुत ही नजदीक जिला पंचकूला में 220 के०वी०ए० सब-स्टेशन का आगुमैंटेशन होने जा रहा है और यह काम 2002 तक पूरा हो जाएगा। कालका में 66 के०वी०ए० का सब-स्टेशन नया बनने जा रहा है और यह काम 2002-2003 तक पूरा कर लिया जाएगा। इसी प्रकार पंचकूला में मनसा देवी में 66 के०वी०ए० का नया सब-स्टेशन बनने जा रहा है और यह 30-6-2002 तक पूरा हो जाने की सम्भावना है। यमुनानगर में 220 के०वी०ए० का नया सब-स्टेशन बनेगा और यह काम 2002-2003 तक पूरा कर लिया जाएगा। यमुनानगर में ही 66 के०वी०ए० का सब-स्टेशन रायपुर रानी में नया बनेगा और यह काम 30-11-2002 तक पूरा होने की सम्भावना है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार यमुनानगर में ठाणा में 66 के०वी०ए० का सब-स्टेशन

बनने जा रहा है और यह काम 2002-2003 तक पूरा हो जाएगा । इसी प्रकार यमुनानगर में ही गुलाबनगर में 66 के०वी०ए० का सब-स्टेशन नया बनने जा रहा है और यह काम 2002-2003 तक पूरा हो जाएगा ।

इसी तरह यमुनानगर जिले के बसंतपुर गांव में 66 के०वी०ए० का सब-स्टेशन आगुमैंट किया जायेगा जो वर्ष 2002-2003 तक काम करना शुरु कर देगा । इसके अतिरिक्त यमुनानगर के छछरौली गांव में भी 66 के०वी०ए० का सब-स्टेशन आगुमैंट किया जायेगा जो वर्ष 2001-2002 में काम करना शुरु कर देगा। इसके अतिरिक्त कुरुक्षेत्र के चीका गांव में भी 220 के०वी०ए० का न्यू सब-स्टेशन बनाने जा रहे हैं जो 29-1-2003 से काम करना शुरू कर देगा । इसके अतिरिक्त कैथल के पडला गांव में भी 132 के०वी०का न्यू सब-स्टेशन बनाने जा रहे हैं जो 29-1-2003 से काम करना शुरु कर देगा। इसके अतिरिक्त कैथल के कंगथाली गांव में भी 132 के०वी० का न्यू सब-स्टेशन बनाने जा रहे हैं जो 29-1-2003 से काम करना शुरु कर देगा। इसके अतिरिक्त कैथल के थाक्कू लडाना गांव में भी 132 के०वी० का न्यू सब-स्टेशन बनाने जा रहे हैं जो 29-1-2003 से काम करना शुरु कर देगा। इसके अतिरिक्त कैथल के भागल गांव में भी 132 के०वी० का न्यू सब-स्टेशन बनाने जा रहे हैं जो 29-1-2003 से काम करना शुरु कर देगा। इसके अतिरिक्त कुरुक्षेत्र के लाडवा और रादौर गांव में 66-66 के०वी० के सब-स्टेशन आगुमैंट किये जायेंगें जो वर्ष 2002 -2003 तक काम करना शुरु कर देगें। इसके अतिरिक्त कुरुक्षेत्र के धंगाली और कल्साणी गांवों में भी 66-66 के०वी० के दो न्यू सब-स्टेशन बनाने जा रहे हैं जो वर्ष 2002-2003 तक काम करना शुरु कर देगें। अध्यक्ष महोदय, इनके अतिरिक्त करनाल जिले के अंदर 132 के०वी० के न्यू सब-स्टेशन नेवल, इसराना, जलमाना और मटलोडा गांवों में लगाये जायेंगे जो वर्ष 2002-2003 तक काम करना शुरु कर देगें। इनके अतिरिक्त करनाल के निसिंग गांव में 220 के०वी० का सब-स्टेशन आगमैंट किया जायेगा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री धर्मवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, पूरी लिस्ट पढ़ने का क्या फायदा है यह लिस्ट हमने देख ली है।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, हम विपक्ष के भाईयों की पूरी तसल्ली करवायेंगे कि हमारी सरकार बिजली में सुधार लाने के लिए क्या-क्या विकास कर रही है या करने जा रही है। इनके अतिरिक्त 220 के०वी० का सब-स्टेशन सोनीपत में आगुमैंट किया जायेगा जो 31-12-2001 को काम करना शुरु कर देगा। इनके अतिरिक्त सोनीपत के अंदर ही हरसाना कलां और खरखौदा में 132-132 के०वी० के न्यू सब-स्टेशन लगाये जा रहे हैं जो अप्रैल, 2003 तक काम करना शुरु कर देगें। इनके अतिरिक्त सोनीपत जिले में मुरथल के अंदर 132 के०वी० का न्यू सब-स्टेशन लगाया जा रहा है जो 31-12-2001 तक काम करना शुरु कर देगा। इनके अतिरिक्त सोनीपत जिले के अंदर कुण्डली में 132 के०वी० के सब-स्टेशन को आगुमैंट किया जायेगा जो वर्ष 2002-2003 तक काम करना शुरु कर देगा । जींद में 220 के० वी० सब-स्टेशन नया बनाया जाएगा । जींद जिले के गांव गढ़ी के 132 के० वी० सब-स्टेशन को आगुमैंट किया जाएगा । जींद जिले के गांव खेड़ी तलोडा में नया 132 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । जींद जिले के धमताल साहिब गांव में नया 132 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । जींद जिले में ही नरवाना के 132 के०वी० सब-स्टेशन को आगुमैंट किया जाएगा। इसी तरह से रोहतक के 220 के०वी० सब-स्टेशन को आगुमैंट किया जाएगा। रोहतक जिले में महम के अन्दर नया 132 के० वी०

[श्री राम पाल माजरा]

सब-स्टेशन बनाया जाएगा । रोहतक जिले में ही सांपला में नया 132 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । रोहतक में एम०डी०यू० में नया 132 के०वी० सब स्टेशन बनाया जाएगा । गुड़गांव जिले में धकरपुर में 220 के०वी० सब स्टेशन नया बनाया जाएगा । गुड़गांव में आई०एम०टी मानेसर में 220 के० वी० सब-स्टेशन नया बनाया जाएगा । गुड़गांव जिले में भोड़ा कलां में नया 66 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । गुड़गांव में ही 55/56 सैक्टर्ज में नया 66 के०वी०सब-स्टेशन बनाया जाएगा । गुड़गांव में ही 33/34 सैक्टर्ज में एक नया 66 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । गुड़गांव में ही 40/45 सैक्टर्ज में एक नया 66 के०वी० सब स्टेशन बनाया जाएगा । गुड़गांव में ही सैक्टर 29 में एक नया 66के०वी० सब स्टेशन बनाया जाएगा । एच०एल०एफ० गुड़गांव में एक नया 66 के०वी० सब स्टेशन बनाया जाएगा । उद्योग विहार, गुड़गांव में एक नया 66 के०वी० सब स्टेशन बनाया जाएगा । डी०एल०एफ० फेस-V गुड़गांव में एक नया 66 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । इसी तरह से फरीदाबाद के गांव पाली में 220 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । फरीदाबाद जिले के गांव छांयसा में 66 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । फरीदाबाद के सैक्टर 31 में एक नया 66 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । फरीदाबाद जिले के गांव हसनपुर में एक नया 66 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । फरीदाबाद जिले के गांव अलावलपुर में नया 66 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । महेन्द्रगढ़ में 220 के०वी० सब-स्टेशन नया बनाया जाएगा । महेन्द्रगढ़ जिले के गांव मुण्डिया खेड़ा में 132 के०वी० सब-स्टेशन नया बनाया जाएगा । महेन्द्रगढ़ जिले के गांव सतनाली में 132 के०वी० सब-स्टेशन नया बनाया जाएगा । महेन्द्रगढ़ जिले के गांव नागलचौधरी में 132 के०वी० सब-स्टेशन आगुमैंट किया जाएगा । फतेहाबाद में 220 के०वी० सब-स्टेशन नया बनाया जाएगा । फतेहाबाद जिले के गांव अहरवान में नया 132 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । भिवानी के 220 के०वी० सब-स्टेशन को आगुमैंट किया जाएगा । भिवानी जिले में लोहारू में 132 के०वी० सब-स्टेशन नया बनाया जाएगा । भिवानी में ही इंडस्ट्रियल एरिया में नया 132 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । भिवानी जिले में तोशाम में नया 132 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । भिवानी जिले मे अटेला कलां के 132 के०वी० सब-स्टेशन को आगुमैंट किया जाएगा । सिरसा जिले में रानियां में नया 132 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा। सिरसा जिले में ऐलनाबाद में नया 132 के०वी० सब-स्टेशन बनाया जाएगा । सिरसा जिले में माधोसिंघाना में नया 132 के० वी० सब स्टेशन बनाया जाएगा। सिरसा जिले में कोहरवाला में नया 132 के० वी० सब स्टेशन बनाया जाएगा । सिरसा जिले में आढ़ा में नया 132 के०वी० सब स्टेशन बनाया जाएगा । इसी तरह से जहां जहां पर 33 के०वी० सब-स्टेशंज अक्तूबर, 2002 तक कम्पलीट हो जाएंगे वह भी मैं बता देता हूं। करनाल जिले में पाडा और मंजूरा। पानीपत जिले में जी० टी० रोड पानीपत, कुतानी रोड पानीपत और दिवाना । कुरुक्षेत्र जिले में झांसा, नैसी और भुरथल। कैथल जिले में जाखोली और क्योड़क । सोनीपत जिले में खेवड़ा । ये 33 के०वी० सब-स्टेशंज11 है जो अक्तूबर 2002 तक कम्पलीट हो जाएंगे ।

श्री धर्मवीर सिंह : स्पीकर साहब, हम पिछले दो साल से सुन रहे हैं कि यह सरकार किसानों के लिए काम कर रही है। * * * *

श्री अध्यक्ष : धर्मवीर सिंह जी, आप बैठ जाएं। आप बगैर परमिशन के बोल रहे हैं इसलिए इनकी बात रिकार्ड न की जायें।

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने सब स्टेशन लगाये जाने बारे सदन को बहुत महत्वपूर्ण सूचना दी है। साथ ही इन्होंने यह बताया है कि जब से हरियाणा बना है तब से लेकर अब तक उतना काम नहीं हुआ जितना इन पिछले दो वर्षों में सब स्टेशन आदि बनाने का काम हुआ है। इस अरसे में सरकार ने बिजली जैसे महत्वपूर्ण विभाग को विशेष प्राथमिकता दी है जिस कारण सारे हरियाणा प्रदेश में बड़े भारी विकास के काम होते हुए बहुत सारे नए सब स्टेशन्ज लगे हैं और इनके अलावा और भी लगने जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इन विकास के कार्यों के बारे में निश्चित रूप से सरकार को और विशेष कर मुख्यमंत्री जी को सारे विपक्ष ने मिलकर बधाई देनी चाहिए थी। मौजूदा सरकार ने बिजली के मामले में प्राथमिकता देते हुए आगुमैन्टेशन और ट्रांसमिशन सिस्टम के मामले में बहुत ही अच्छा कार्य किया है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ मैं सरकार के और विशेषकर रामपाल माजरा जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि ग्रामीण क्षेत्रों में जो सब स्टेशंज बने हुए हैं वहां पर पूरा स्टाफ नहीं है । उदाहरण के तौर पर मैं अपने हल्के के बारे में आपको बताना चाहूंगा कि मेरे हल्के में बछरोला सब स्टेशन बनाने पर सरकार ने लाखों रुपये खर्च किए हैं लेकिन वहां पर पूरा स्टाफ न होने के कारण बिजली के बिलों की डिस्ट्रीब्यूशन का काम या बिलों की पेमेन्ट लेने का काम ठीक प्रकार से नहीं हो पा रहा। मान लो वहां पर यदि 5 पोस्टें मीटर रीडर की या बिल डिस्ट्रीब्यूटर करने वालों की सैंकशन्ड हैं तो केवल 1 आदमी ही इन पदों पर काम कर रहा है जिस कारण लोगों को समय पर बिजली के बिल नहीं मिल पा रहे और दूसरे जो लोग बिल देने के लिए जाते हैं तो उनको भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है क्योंकि वहां पर भी बिलों की पेमैंट लेने वाले कई बार नहीं होते। सरकार ने किसानों के बकाया बिलों पर जो ब्याज की राशि थी, उसको माफ कर दिया है जिस कारण अब लोग स्वेच्छा से अपने बकाया बिलों का भुगतान करने लगे हैं। मेरे कहने का मतलब यह है कि जहां पर ऐसा पूरा स्टाफ न हो वहां पर पूरा स्टाफ लगाने की तरफ सरकार ध्यान दे ताकि लोगों को बिल आदि जमा कराने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, यह सरकार लोगों की ही है और लोगों के काम करने के लिए ही बनी हुई है। जैसा कि इन्होंने खुद माना है कि सरकार ने लोगों की भलाई के लिए अनेक कदम उठाए हैं लेकिन इन्होंने साथ ही एक बात कही कि कुछ स्थानों पर पूरा स्टाफ नहीं है जिस कारण बिलों की डिस्ट्रीब्यूशन या उनकी पेमैंट में दिक्कत आ रही है । मैं इनकी जानकारी और सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि सरकार ने बिलों की डिस्ट्रिब्यूशन गांवों के चौकीदारों के माध्यम से और कोरियर के माध्यम से भी करने का इन्तजाम किया हुआ है । सरकार ने लोगों से बिलों का भुगतान लेने के लिए मोबायल वैन का भी प्रबंध किया हुआ है। यह मोबायल वैन गांव गांव में जा कर लोगों से मौके पर ही बिल लेती है। जहां तक स्टाफ की बात है उस बारे में मैं इनको बताना चाहूंगा कि पिछले दिनों एजूकेशन विभाग में भी स्टाफ की रैशनेलाइजेशन हुई थी। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हम स्टाफ में समन्वय स्थापित करने की कोशिश करेंगे कि जहां पर ज्यादा स्टाफ है उसको वहां से बदल कर जहां पर स्टाफ की आवश्यकता है वहां पर भेज दिया जाये। इनकी यह बात भी सही है कि जब से सरकार ने बिजली के बिलों से किसानों का या लोगों के बिलों का सरचार्ज समाप्त किया है तब से लोग अपने आप अपने बकाया बिलों का भुगतान करने लगे हुए हैं। यहां पर मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि पिछली सरकारों के समय में बिजली के बिल लेने के लिए कई स्थानों पर गोलियां चलाई गई थीं। जिस कारण टोहाना, निसिंग, मण्डियाली व एक दो और गांवों के किसानों की मृत्यु हो गई थी लेकिन तब भी लोग बिजली के बिल

[श्री राम पाल माजरा]

देने के लिए तैयार नहीं हुए थे। जबकि आज की सरकार की नीति के अनुसार लोग अपने आप खुद बिजली के बकाया बिलों का भुगतान करने लग रहे हैं। अत: अध्यक्ष महोदय, बिसला जी की सप्लीमैन्टरी के बारे में मेरा यही कहना है कि जहां पर भी स्टाफ की कमी होगी वहां पर स्टाफ के मामले में समन्वय स्थापित करने की कोशिश की जाएगी।

श्री अनिल विज : स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने लोगों को बिजली उपलब्ध कराये जाने के बारे में पूरी डिटेल सदन को दी है कि हम बिजली कहां कहां पर और कैसे कैसे देने जा रहे हैं या दे रहे हैं। मैं मानता हूं कि सरकार ने इस दिशा में अनेक कदम बड़ी उदारता के साथ उठाए हैं। अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने आगुमैन्टेशन और ट्रांसमिशन सिस्टम के बारे में भी पूरी डिटेल सदन को बताई है और साथ ही साथ यह भी बताया है कि कहां कहां पर कितने सब स्टेशनों पर काम किया जा रहा है और कितने नए सब स्टेशन चालू हो चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि सरकार इन कामों को पूरा करने के लिए वर्ल्ड बैंक के प्रोजैक्ट से पैसा ले रही है या अपने संसाधन जुटा कर इन कामों को पूरा करेगी।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, अलग अलग जगहों से जैसे कहीं आर०ई०सी० से, कहीं पी०एफ०सी० से और कहीं नाबार्ड से लोन लेकर सरकार अपने साधनों से इन कार्यों को पूरा करेगी। इस प्रकार से जितना भी हो सकता था उतना सरकार ने अपने खर्चों को करटेल किया है, मुख्यमंत्री जी ने अपना छोटा सा मंत्रिमंडल बनाकर भी खर्चों को कम किया है। इसी तरह से अधिकारियों के खर्चों को भी कम किया गया है। कांग्रेस के वक्त में जो वजीरों का पूरा लंगारा होता था यानी 37-37 वजीर होते थे। लेकिन हमने हरियाणा प्रदेश के किसानों को, मजदूरों को, व्यापारियों को और कर्मचारियों को सुविधाएं देने के लिए 129 सब स्टेशंज और आगुमेंटेशन का काम सफलतापूर्वक शुरू किया है।

श्री धर्मवीर सिंह : स्पीकर सर, माजरा जी ने बड़ी लम्बी चौड़ी फाईल पढ़ी है। बड़ी खुशी की बात है कि सरकार 700 करोड़ रूपये की लागत से सब स्टेशंज में सुधार करने जा रही है। लेकिन मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि दक्षिणी हरियाणा खासकर भिवानी, महेन्द्रगढ़ और रेवाड़ी में एक भी सब स्टेशन ऐसा नहीं है जहां पर 6 घंटे से ज्यादा बिजली आती हो तथा एक घंटे में कई बार ट्रिपिंग न करती हो हमारी कांग्रेस सरकार के वक्त में तोशाम के अंदर एक 132 के०वी० का सब स्टेशन मंजूर हुआ था लेकिन उस पर काम नहीं हुआ। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माजरा जी से एक ही बात कहना चाहता हूं कि पिछले कई साल से जो यह एक ही बात आती है कि दो साल में बिजली हरियाणा में फालतू हो जाएगी और दूसरे राज्यों को बेचनी पड़ेगी तो वह यह बताएं कि ये दो साल कब आएंगे ?

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, इन्होंने एक बात यह पूछी कि भिवानी जिले में सब स्टेशन पर काम शुरू नहीं किया गया। मैंने पहले भी इनको बताया था और अब दोबारा से बता देता हूं कि लोहारू में एक सब स्टेशन 132 के०वी० का बनने जा रहा है।

चौ० भजन लाल : यह भी बता दें कि यह किसके वक्त में मंजूर हुआ था ?

श्री राम पाल माजरा : ये सारे काम इस सरकार ने ही मंजूर किए हैं। आप तो पता नहीं अपने वक्त में कहां कहां पर पत्थर रखकर चले गये थे। न तो उनके लिए मंजूरी दी गयी थी और

न ही पैसे का इंतजाम किया गया था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से प्रतिपक्ष के नेता को साफ तौर पर बता देता हूं कि हरियाणा प्रदेश की सरकार के इन कार्यों की सराहना सैंट्रल गवर्नमैंट के बिजली मंत्री श्री सुरेश पी. प्रभु ने अपने एक लैटर के द्वारा की है। मैं इस लैटर को यहां पर पढ़कर सुना देता हूं। In this letter it is mentioned—

> " I have learnt with great pleasure the recent achievements of Haryana in the Power Sector where collection, efficiency, revenues and power supply have all improved significantly.
>
> Please convey our appreciation to all concerned for the good work done. I am confident that under your dynamic leadership, Haryana would fully achieve the objectives of the Power Sector Reforms leading to commercial viability of the State Power Sector and supply of uninterrupted, reliable and quality power to all consumers."

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, इनकी सरकार को बने हुए लगभग दो साल हो गये हैं और शायद ये साल 6 महीने और भी रह सकते हैं। मुख्यमंत्री जी या मंत्री जी हमें यह बता दे कि इस दो सालों के अर्से में इन्होंने अगर कहीं पर भी किसी थर्मल पावर प्लांट की आधारशिला रखकर उस पर कोई काम चालू किया है और अगर किया है तो कब किया है ? हमारी सरकार के वक्त में जो काम हमने किया था उसको यहां गिनाते रहते है।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, पानीपत थर्मल पावर प्लांट की छठी यूनिट को ये तो बंद करके चले गये थे लेकिन चौधरी देवीलाल जी ने ही पहले उसको मंजूर किया था और अब चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने 29 तारीख को उसका उद्घाटन किया है। इसी तरह से वे काफी सामान ऐसे ही सील पड़ा छोड़कर चले गये थे लेकिन चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने अब आकर उसको खोला है।

10.00 बजे **श्री कृष्ण लाल :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सी०पी०एस० महोदय से पूछना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार ने बिजली की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए क्या उपाय किए ? मेरा विशेषकर सवाल यह है कि प्रदेश के अंदर 11 के०वी०ए० और 33 के०वी०ए० के जो सब स्टेशन हैं उनके ऊपर 5 और 6 एम०वी०ए० के ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं क्या प्रदेश में सर्वे कराएंगे कि जो ओवरलोडिड ट्रांसफार्मर हैं उनको ऑगुमैंट किया जाए। इस बारे में ब्यौरा दें।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, कल तो विशेषकर जितने भी कार्य सरकार द्वारा किए गए उनके बारे में बताया गया था । आज मैं यह बताना चाहूंगा कि सरकार द्वारा किस प्रकार से क्वालिटी में सुधार किया गया। छह हजार नये ट्रांसफार्मर लगाए गए और 700 करोड़ रूपये के नये ट्रांसमिशन सुधार केन्द्र स्थापित किए गए और उनको बनाने की योजना है और उन पर ऑगुमैंट किया गया और जो ओवरलोडिड हैं उनको बायफरकेट और ट्रायफरकेट करके उनमें सुधार लाया गया। नई लाइनें खड़ी की गईं। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूँगा कि इन प्रयासों से पूरी बिजली आई और पूरे वोल्टेज के साथ आई और उससे उत्पादन बढ़ा। हरियाणा प्रदेश में जो रिकार्डतोड़ बिजली रही उसकी वजह से इस वक्त की सरकार ने भरपूर बिजली दी, भरपूर पानी दिया ।

Strengthening of Power System

*724. **Shri Moola Ram :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to strengthen the transmission and sub-transmission system in Narnaul Circle ;

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up new sub-stations in Narnaul Circle, if so, the name and estimated cost thereof;

(c) the time by which these are likely to be completed ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : सदन के पटल पर एक विवरण प्रस्तुत है ।

विवरण

(क) 35.87 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से नारनौल क्षेत्र में प्रसार प्रणाली को सुदृढ़ करने तथा क्षमता वृद्धि करने के लिए प्रस्ताव बनाया गया है।

(ख एवं ग) नारनौल परिमण्डल में प्रसार तथा उप प्रसार प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए निम्नलिखित कार्य किए गए है-

क्रम संख्या	उपकेन्द्र का नाम	ट्रान्सफार्मर की क्षमता	अनुमानित लागत रुपए करोड़ों में	पूर्ण होने की संभावित अनुसूची
1	2	3	4	5
1.	नए उप-केन्द्र			
1.	सहायक प्रसार लाइन सहित 220 के०वी० उपकेन्द्र महेन्द्रगढ़	2x100 एम०वी०ए० 220x132 के०वी०		2002-03
2.	सहायक प्रसार लाइन सहित 132 के०वी० उपकेन्द्र सतनाली	1x10/16 एम०वी०ए० 132x11 के०वी०	28.68	2002-03
3.	सहायक प्रसार लाइन सहित 132 के०वी० उपकेन्द्र मुंडियाखेड़ा	1X10/16 एम०वी०ए० 132 x11 के.वी.		2002-03
4.	33 के०वी० उपकेन्द्र डबलाना तथा सहायक लाइन	1x6.3 एम०वी०ए० 33/11 के०वी०	0.95	मार्च, 2003
5.	33 के०वी० उपकेन्द्र बावनिया तथा सहायक लाइन	1x6.3 एम०वी०ए० 33/11 के०वी०	0.92	मार्च, 2003

उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त क्षमता वृद्धि करने के लिए निम्नलिखित कार्य शुरु किए गए है :-

क्रम संख्या	उपकेन्द्र का नाम	ट्रान्सफार्मर की क्षमता	अनुमानित लागत (रुपए करोड़ों में)	पूरा होने की संभावित अनुसूची
1	2	3	4	5
2.	क्षमता वृद्धि			
1.	220 के०वी० उपकेन्द्र नारनौल	1x8/4/4 एम०वी०ए०, 132/33/11 के०वी०ए० के स्थान पर अतिरिक्त	1.54	दिसम्बर, 2002
		1x10/16 एमवीए, 132/11 के०वी०	0.7	दिसम्बर, 2002
2.	132 के०वी० उपकेन्द्र नांगल चौधरी	अतिरिक्त 1x10/16 एम०वी०ए० 132/11 के०वी०	1.30	मार्च, 2002
3.	132 के०वी० उपकेन्द्र बडौली	अतिरिक्त 1x10/16 एम०वी०ए० 132/11 के०वी०	1.77	दिसम्बर, 2002
	योग/2/		5.32	

Supply of Drinking Water by Private Contractors

***741. Dr. Raghuvir Singh Kadian :** Will the Chief Minister be plesed to state :-

(a) whether it is a fact that the drinking water in some villages of Beri consitituency is being supplied by the private contractors;

(b) if so, whether the approval of the Govt. Public Health Department has been obtained by the said contractors; and

(c) whether the water supplied by them is fit for human consumption ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा): (क) श्रीमान जी, चार गावों के कुछ घरों में प्राईवेट ठेकेदारों द्वारा जलापूर्ति की जा रही है। परन्तु विभाग द्वारा इन गांवों में पर्याप्त स्वच्छ पेयजल आपूर्ति की जा रही है।

(ख) नहीं श्रीमान।

(ग) यद्यपि प्राईवेट जलापूर्ति की गुणवत्ता टैस्ट की जा रही, फिर भी इन गांवों की सारी आबादी के लिए आवश्यकता से ज्यादा पर्याप्त स्वच्छ पेयजल आपूर्ति विभाग द्वारा की जा रही है।

डा० रघुवीर सिंह कादयान : स्पीकर सर, मेरे सवाल का जो जवाब आया है इसमें इन्होंने कहा कि चार गांवों में प्राइवेट कांट्रैक्टर्ज के थ्रू जलापूर्ति की जा रही है। स्पीकर साहब, आजादी के 53 साल बाद जहां सरकारें वर्ल्ड बैंक से पैसा ले रही हैं और दूसरा इतना जबरदस्त पैसा पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट के लिए आ रहा है और सरकार भी कहती है कि विकास की झड़ियां लगी हुई हैं। 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से पानी का प्रबन्ध किया जा रहा है। लेकिन इसके साथ-साथ एक बड़ी अलारमिंग सिचुएशन पैदा हो गई। प्राइवेट कंट्रैक्टर्स ने जहां उनको प्रौफिट है, उस प्रौफिट के उद्देश्य को लेकर प्राइवेट कंट्रैक्टर्स यह काम शुरू कर रहे हैं जो ठेकेदार प्रति घर के हिसाब से तीन हजार रूपये महीने का वसूल कर रहे हैं क्या सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि इन प्राइवेट ठेकेदारों से इन पानी के ट्यूबवैल्ज का टेक ओवर करके लोगों को पानी की सप्लाई खुद करें क्या ऐसी कोई स्कीम सरकार के विचारधीन है?

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, वैसे तो यह ठीक है कि इन गांवों में पानी की सप्लाई प्राईवेट ठेकेदार कर रहे हैं। इस सप्लाई को उन गांवों के लोग इसलिए भी इन प्राईवेट ठेकेदारों से ले रहे हैं क्योंकि सरकार तो गांवों के घरों में सप्लाई वहीं पर दे रही है जहां पर 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी की सप्लाई की जा रही है। जहां तक इन गांवों का प्रश्न है, मैं कादयान साहब को बताना चाहूंगा कि महरा गांव को 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन सप्लाई देने की योजना मंजूर कर दी गई है जिस पर 110 लाख रूपये की लागत आयेगी । इसी प्रकार बहरामा गांव के लिए भी नई योजना बनाई गई है जिससे इस गांव को भी पानी की सप्लाई की जायेगी। इस गांव को शैलो ट्यूबवैल्ज द्वारा सप्लाई करने के लिए 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से पानी की सप्लाई के लिए एक योजना बनाई गई है। इसी प्रकार से चौंची के तीन गांवों की एक समूह योजना बनाई गई है जिस पर 82 लाख 27 हजार रूपये की लागत आयेगी उस योजना को अनुमोदित कर दिया गया है। इसी प्रकार से गांव गूढ़ा को जल आपूर्ति करने के लिए भी एक योजना बनाई गई है। वहां पर प्राईवेट ठेकेदारों से सप्लाई इसी कारण ली जा रही है क्योंकि सरकार तो उन घरों को सप्लाई नहीं दे रही है। इसलिए सरकार किसी के द्वारा इस प्रकार के ट्यूबवैल्ज लगे हुए हैं उनको फोरफिट तो नहीं कर सकती परन्तु सरकारी तौर पर एक प्रपोजल जरूर बनायी जा रही है ताकि इन गांवों को जल आपूर्ति सुचारू रूप से की जा सके। ऐसी योजना सरकार के विचाराधीन ही नहीं बल्कि मंजूर कर दी गई है।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जब पहली बार प्रदेश में वाटर वर्क्स हर गांव में लगाये गये तो उस समय सरकार की एक स्कीम थी कि गांव की फिरनी पर 5-5, 7-7 और 10-10 पानी के कनैक्शनज दे दिये जायें और वहां से गांव के लोग अपने घरों को पानी ले जायें। क्योंकि अब सरकार ने 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से पानी देने की योजना बनाई है इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या सरकार के विचाराधीन ऐसी कोई स्कीम है जो पहले 4 इंच के पाईप गांव की फिरनी पर लगाये गये थे उन पाइपों को चौड़ा करें और उनकी जगह 6-6 या 8-8 इंच के पाइप लगाये क्योंकि आजकल जनसंख्या बढ़ गई है। दूसरा अध्यक्ष महोदय, हर गांव में नाजायज कनैक्शन लगाये हुए हैं उनके बारे में भी क्या सरकार कोई विचार कर रही है ?

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि हर गांव में पानी की सप्लाई लेने के लिये पहले फिरनी पर कनैक्शन दिये गये थे और क्योंकि अब गांवों की जनसंख्या बढ़ गई है इसलिए पानी की डिमांड भी पहले की अपेक्षा ज्यादा बढ़ गई है। इस दिक्कत को दूर करने के लिए

अब अगुमैंटेशन द्वारा इस समस्या का हल निकाला जा रहा हैं। जहां पर बूस्टिंग स्टेशन लगाने की जरूरत है वहां बूस्टिंग स्टेशन लगाये जा रहे हैं और जहां अगुमैंटेशन की जरूरत है वहां अगुमैंटेशन की जा रही है। वहां पर चौड़ी पाइप लाइनें बिछाई जाएंगी। जहां तक इन्होंने कहा है कि कोई अन-अथोराइज्ड कनैक्शन चल रहे हैं तो मैं कहना चाहूंगा कि ये कनैक्शन हम खुद दे रहे हैं। जहा पर 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन से ज्यादा पानी है वहां इस प्रकार के कनैक्शन दिये जा रहे हैं। जहां ज्यादा पानी उपलब्ध होगा तथा जहां वाटर सप्लाई में ज्यादा पानी होगा वहां इस प्रकार के कनैक्शन मिल जाएंगें। इसलिए इन कनैक्शन्ज को रैगुलर करने में सरकार को कोई ऐतराज नहीं है ।

श्री रामफल कुण्डू : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जीन्द जिले में इन दो सालों के अर्से में वाटर सप्लाई की कितनी नई स्कीमें आईं तथा कितनी पर ऑगुमैंटेशन का काम चल रहा है ?

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, यह बड़ी मिरकल डिवैल्पमैंट है। मुख्य मंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला के नेतृत्व में जहां हर महकमें में विकास के कार्य हुए हैं तो यह पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट भी इससे अछूता नहीं रहा। मेरे साथी ने जानना चाहा कि जीन्द जिले में वाटर सप्लाई की कितनी स्कीमें आई हैं तो मैं सारे जिले की वाटर सप्लाई की स्कीमों के बारे में बताना चाहूंगा। जीन्द जिले में वाटर सप्लाई की 69 स्कीमें चल रही हैं और नई स्कीमों पर काम चल रहा है। जिन पर 20 करोड़ 60 लाख 93 हजार रू० खर्च होने जा रहे हैं। अम्बाला जिले में 54 स्कीमें हैं जिन पर 5 करोड़ 84 लाख 75 हजार रूपये खर्च होने जा रहे हैं। भिवानी में 54 स्कीमें हैं जिन पर 24 करोड़ 94 लाख 31हजार रू० खर्च होने जा रहे हैं। फरीदाबाद में 42 स्कीमें हैं जिन पर 7 करोड़ 39 लाख रू० खर्च होने जा रहे हैं। फतेहाबाद में 19 स्कीमें हैं जिन पर 9 करोड़ 30 लाख 35 हजार रू० खर्च होने जा रहे हैं। गुडगांव में 96 स्कीमें हैं जिन पर 22 करोड़ 7 लाख 43 हजार रू० खर्च होने जा रहे हैं। हिसार में 35 नई वाटर सप्लाई की स्कीमें हैं जिन पर 20 करोड़ 41 लाख 31 हजार रू० खर्च होने जा रहे हैं। झज्जर में 31 स्कीमें हैं जिन पर 20 करोड़ 44 लाख 21 हजार रू० खर्च होने जा रहे हैं। कैथल में 44 स्कीमें ऑगुमैंटेशन की भी हैं और नई स्कीमें भी हैं जिन पर 8 करोड़ 49 लाख 25 हजार रू० खर्च होने जा रहे हैं। करनाल में 38 स्कीमें हैं जिन पर 4 करोड़ 38 लाख 32 हजार रू० खर्च होने जा रहे हैं। कुरुक्षेत्र में 62 स्कीमें है जिन पर 13 करोड़ 59 लाख 37 हजार रू० खर्च होने जा रहे हैं। महेन्द्रगढ़ में 51 स्कीमें हैं जिन पर 11 करोड़ 86 लाख रू० खर्च होने जा रहे हैं। इसी प्रकार वाटर सप्लाई की पानीपत में 22, पंचकूला में 19, रेवाड़ीमें 31, रोहतक में 32, सिरसा में 88, सोनीपत में 62 और यमुनानगर में 22 स्कीमें हैं। कुल मिलाकर पूरे हरियाणा प्रदेश में 901 स्कीमें हैं जिनमें बहुत सी नई स्कीमें हैं और बहुत सी ऑगुमैंट होने जा रही हैं।

श्री रमेश कुमार खटक : अध्यक्ष महोदय, जैसा माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में दर्शाया है कि कुछ गांवों में पीने का पानी प्राइवेट ठेकेदारों द्वारा सप्लाई किया जाता है। तो क्या सप्लाई किया गया पानी पहले टैस्ट किया जाता है कि यह पानी पीने के लायक है या नहीं।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि शैलो ट्यूबवैल्ज से जो पानी दिया जाता है उसमें बैक्टीरिया होने की सम्भावना नहीं होती फिर भी हैल्थ डिपार्टमैंट इस पानी को चैक कर रहा है कि यह पानी पीने के योग्य है या नहीं और इस पानी को

[श्री राम पाल माजरा]

चैक करने का कानून जारी है। पूरे हरियाणा प्रदेश में पानी की वजह से किसी का स्वास्थ्य खराब होने की सम्भावना नहीं है।

डा० रघुवीर सिंह कादयान : स्पीकर सर, जैसा कि चीफ पार्लियामैन्टरी सैक्रेटरी साहब ने कहा कि उनकी गुणवत्ता टैस्ट की जा रही है। मुझे अपना प्रश्न दिए एक महीने का समय हो गया है और गुणवत्ता टैस्ट करने में महीनों या साल का समय नहीं लगता। मेरा प्रश्न यह है कि कितनी जगहों पर पानी की गुणवता टैस्ट की गई और कितने ऐसे केसिज सामने आये जहां पर पानी की गुणवता ठीक नहीं थी। प्राईवेट ठेकेदारों को पानी का ठेका देने के लिए क्या सरकार की तरफ से परमीशन दी जाती है और जहां पर पानी की गुणवता ठीक नहीं पाई गई वहां ठेकेदारों के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई, क्या उनकी परमीशन विदहैल्ड की गई ? अभी थोड़े दिन पहले कुछ प्राइवेट ठेकेदारों की पानी की सप्लाई बंद की गई है। वह किस आधार पर बंद की गई है और जो चल रहे हैं वह किस आधार पर चल रहें हैं।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, प्राईवेट ठेकेदारों को न तो किसी तरह का लाईसैंस दिया जाता है और न ही इनके पास कोई परमीशन होती है। भारत सरकार की गाईडलाईंज हैं कि पानी कहीं पर भी नल्कों, कुओं या ट्यूबवैलों द्वारा सप्लाई किया जा सकता है और जहां ऐसा हो सकता है उन गावों को प्रोब्लम विलेज क्राउंट नहीं किया जा सकता । स्पीकर सर, जहां तक पानी की गुणवता चैक करने वाली बात है इस बारे में मै बताना चाहूंगा कि कादयान साहब को यह मालूम है कि पानी की गुणवता को लेकर अब कोई शिकायत नहीं है यदि ऐसी शिकायत किसी ने दर्ज करवाई है तो उसके बारे में हमें बताये कि यह पानी पीने के लायक नहीं है हम उसे टैस्ट करवायेंगे। अध्यक्ष महोदय, आज के दिन हमारी सरकारी अपनी वाटर सप्लाई स्कीम्ज के तहत पूरा पानी दे रही है। अभी चौधरी मागी राम जी ने कहा कि हर गांव के बाहर 5-7 स्टैंड पोस्ट लगाये जायें लेकिन आजकल लोग वहां से पानी लाने के बजाय अपने घर में ही पानी का कनैक्शन लेना चाहते हैं। और वे प्राइवेट कनैक्शन ले लेते हैं। (शोर एव व्यवधान)

Repair of Roads

***722. Rao Dan Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state the time by which the repair work of Mahendergarh to Bawania road is likely to be started/ completed?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : इस सड़क की 2.50 कि०मी० लम्बाई प्रिमिक्स कारपेट डालकर हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा मुरम्मत की गई है। शेष 4.38 कि०मी० लम्बी सड़क की मुरम्मत लोक निर्माण विभाग द्वारा पैच कार्य तथा गढ्ढे भरकर कर दी गई है। इस पहुंच की प्रिमिक्स कारपेट सर्दियों के बाद फरवरी, 2002 में शुरू की जायेगी और मार्च, 2002 में पूर्ण कर ली जायेगी ।

राव दान सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि महेन्द्रगढ़ से मालड़ा चौक को जाने वाली एक सड़क है जिस पर महेन्द्रगढ़ शहर का गंदा पानी एकत्रित हो जाता है और उस सड़क पर एक-डेढ़ फिट पानी इक्कट्ठा हो जाता है। जिसके कारण वहां से लोग पैदल या टू-व्हीलर पर नहीं आ जा सकते सिर्फ चोपहीया वाहनों पर ही आ जा सकते

हैं। इस बारे में उपायुक्त महोदय से भी बात की थी लेकिन इस समस्या का समाधान नहीं हुआ। 26 जनवरी को माननीय मुख्यमंत्री महोदय नारनौल में थे उस समय इस समस्या के समाधान के लिए एक प्रतिनिधि मण्डल मुख्य मंत्री जी से मिला था लेकिन अफसोस की बात यह है कि माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने उस समय इस सड़क को ठीक करवाने का आश्वासन दिया था लेकिन 10 महीने बाद अब तक भी यह सड़क ठीक नहीं हुई है। वह सड़क वैसे की वैसे ही है। मैं जानना चाहता हूं कि महेन्द्रगढ़ की जनता की इस समस्या का समाधान कब तक किया जायेगा ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार का एक निर्णय है कि जहां कहीं भी प्रदेश में पानी खड़ा रहेगा, चाहे वह गांव का एरिया हो या शहर का एरिया हो वहां पर सीमेंटिड सड़क बनाई जायेगी, यदि इस सड़क पर भी पानी खड़ा होता होगा तो इसे बनवा दिया जायेगा। जहां तक श्री दान सिंह जी के प्रश्न का संबंध है ये स्वयं ही देख लें कि इनके यहां सबसे ज्यादा सड़कों पर पैसा खर्च किया गया है और 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत भी सबसे ज्यादा पैसा इनके यहीं खर्च किया गया है।

राव दान सिंह : स्पीकर साहब, 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत मेरे हल्के में विकास के कार्य नहीं हुए हैं। जिस रोड़ का मैंने जिक्र किया है उसके बारे में म्यूनिसिपल कमेटी वाले कहते है कि यह रोड म्यूनिसिपल कमेटी के अंडर नहीं आता है, एग्रीकल्चरल मार्किटिंग बोर्ड के अंडर आता है और एग्रीकल्चरल मार्किटिंग बोर्ड वाले कहते हैं यह रोड उनके अंडर नहीं आता है म्यूनिसिपल कमेटी के अंडर आता है। यह समस्या बनी हुई है।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य को यह पता करके बताना चाहिए कि यह रोड़ कौन से दायरे के अंडर आता है। मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि कि इनकी कांस्टीच्युएंसी में कितनी सड़कें बनी हैं। महेन्द्रगढ़ से अटेली तक की सड़क पर प्रिमिक्स कारपेटिंग कर दी गई है।

राव दान सिंह : स्पीकर साहब, मैंने जिस रोड़ के बारे में पूछा है मंत्री जी उस रोड़ के बारे में बताएं।

श्री राम पाल माजरा: स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने माननीय सदस्य की कांस्टीच्यूएंसी में जितनी सड़कें बनाई हैं उनकी सूची मैं पढ़ कर सुना देता हूं। (शोर)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने मंत्री जी से जो सवाल पूछा है मंत्री जी को उसका जवाब देना चाहिए। लेकिन इन्होंने उस सवाल का जवाब देने की बजाय फाईल पढ़नी शुरू कर दी । (शोर)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, कृपा करके आप बैठ जाएं। मंत्री जी इनके हल्के की सड़कों के बारे में इनको इन्फर्मेशन दे रहे हैं।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य जिस सड़क के बारे में पूछ रहे हैं उसके बारे में वह यह बताएं कि वह सड़क म्यूनिसिपल कमेटी के अंडर आती है या एग्रीकल्चरल मार्किटिंग बोर्ड के अंडर आती है। इसके लिए माननीय सदस्य अलग से नोटिस दे दें इनको बता देंगे। (शोर)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जिस सड़क के बारे में पूछा है मंत्री जी उसका जवाब नहीं दे रहे हैं । (शोर)

श्री बलवंत सिंह मायना : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि 1991 से ले कर 1999 तक हरियाणा प्रदेश में कितनी सड़कों की मुरम्मत की गई और कितनी नई सड़कें बनाई गई तथा उन पर कितनी लागत आई ? इसके अलावा मैं यह भी जानना चाहता हूं कि 1999 से ले कर 2000 तक हरियाणा प्रदेश में कितनी नई सड़कें बनाई गई, कितनी सड़कों की मरम्मत की गई तथा उन पर कितनी लागत आई ?

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, यह बहुत लम्बी चौड़ी लिस्ट है अगर मैं यह पढ़ कर बताऊंगा तो उसमें बहुत समय लग जाएगा। लेकिन फिर भी मैं माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि वर्ष 1996-97 से ले कर जुलाई 1999 तक यानि 40 महीने में सड़कों की रिपेयर पर 364 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं और जुलाई 1999 से अब तक यानि 26 महीने में सड़कों की रिपेयर पर 696 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। यह काम एच०एस०ए०एम०बी० और पी०डब्ल्यू०डी० ने मिलकर किया है। इसी तरह से सड़कों की रिपेयर के लिए इस समय 541 करोड़ रुपए के कामों के ठेके दिये जा चुके हैं जिन पर काम हो रहा है। यह 541 करोड़ जिन जिन अदायरों से लिया गया है उसका विवरण इस प्रकार है। एच०एच०यू०पी० से 200 करोड़ रुपए, सी०आर०एफ० से 43 करोड़ रुपए, हुडको से 110 करोड़ रुपए, एम०ओ०आर०डी० से 21 करोड़ रुपए, स्टेट वर्क्स से 20 करोड़ रूपए, नाबार्ड से 10 करोड़ रूपए, भवन से 60 करोड़ रुपए और नैशनल हाईवे से 77 करोड़ रूपए यानि यह टोटल 541 करोड़ रूपए हैं ।

श्री रमेश कुमार खटक : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि सरकार ने पिछले दो साल के अरसे में मार्किटिंग बोर्ड के माध्यम से कितनी सड़कें बनाई हैं और पी०डब्ल्यू०डी० के माध्यम से कितनी सड़कें बनाई हैं? कृपया मंत्री महोदय इस बारे में इन दोनों सालों का ब्यौरा देने की कृपया करें।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, इस बारे में मेरे पास बहुत लम्बी चौड़ी डिटेल है। अगर इस डिटेल को मैं हाऊस में पढ़कर सुनाऊंगा तो मुझे कम से कम एक घण्टा इसी काम के लिए लग जाएगा और फिर मेरे ये विपक्ष के साथी यहां से भाग जाएंगे। (शोर एवं विघ्न) जो काम इस दिशा में हमारी सरकार ने किया है उसके लिए इनको ओम प्रकाश चौटाला जी को बधाई देनी चाहिए थी । मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि ऐसा पहली दफा ही हुआ है जब मार्किटिंग बोर्ड से पैसा लेकर वह पैसा सड़कें बनाने पर खर्च किया गया हो। (शोर एवं विघ्न) स्पीकर साहब, ये अपने समय में तो लोगों का कोई काम करते नहीं थे बल्कि अपनी कोठियां बनाने पर ही पैसा खर्च किया करते थे । (शोर एवं विघ्न)

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनिये। * * * *

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, आप बैठ जाएं। आप बगैर परिमीशन के बोल रहे हैं इसलिए इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये। (शोर एवं विघ्न)

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर साहब, जैसा कि मैं कह रहा था कि मेरे पास यह एक लम्बी चौड़ी डिटेल रिप्लाई है कि कितनी सड़कें इसने पी०डब्ल्यू०डी० के माध्यम से और कितनी सड़कें मार्किटिंग बोर्ड के पैसे से बनाई हैं। यदि ये चाहेंगे तो मैं यह डिटेल्ड रिप्लाई इनको दे दूंगा, ये इसको पढ़ लें। (शोर एवं विघ्न)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने इस सम्मानित सदस्य से जानना चाहता हूं कि मेरे ये साथी जय प्रकाश जी जो आज विपक्ष में बैठे हैं इनको इतना पता नहीं है कि हल्का सड़क बनाने के लिए मार्किटिंग बोर्ड के तहत आता है या पी०डब्ल्यू०डी० के तहत आता है या नगरपालिका के तहत आता है। अध्यक्ष महोदय, साथ ही साथ मैं यह कहना चाहता हूं कि चाहे सड़क बनाये जाने की बात है, चाहे कोई पुल या गली बनाये जाने की बात है तो ये कांग्रेस के भाई हर बात में कहते हैं कि इनको बनाये जाने की नींव रखने को काम इनके विपक्ष में बैठे हुए नेता भजन लाल जी ने किया था। मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि क्या इनके नेता ने लाल किले की नींव भी रखी थी। (हंसी)

श्री अध्यक्ष : प्रश्न काल समाप्त होता है ।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Guarantee for Obtaining Loan

*758. **Shri Mange Ram Gupta** : Will the Minister for Finance be pleased to state —

(a) the specific amount for which the Government has given guarantee for the loan obtained by various Boards/Corporations of the State Government till 31-10-2001 ; and

(b) whether repayment of the loan mentioned above has been made regularly by the said Corporations ?

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : (ए) 31-10-2001 तक राज्य सरकार द्वारा दी गई कुल गारन्टी में से 6288.55 करोड़ रुपये की राशि बकाया है।

(बी) संस्थाओं द्वारा प्राय: नियमित रूप से अदायगी की जा रही है।

Construction of Bridge on Agra Canal

* 794. **Shri Krishan Pal** : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the ' Palla Bridge' on Agra Canal in district Faridabad is in dilapidated condition for the last many years ; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the said Bridge ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) हां, श्री मान् जी ।

(ख) नहीं, श्री मान् जी ।

Upgradation of Schools

* 783. **Sh. Rambir Singh :** Will the Minister of State for Education be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Government High Schools of Pataudi and Bhode Kalan in Pataudi constituency into 10+2 schools; and

(b) if, so the time by which the aforesaid Schools are likely to be upgraded ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ० बहादुर सिंह) :

(क) जी हां, श्रीमान जी, विधान सभा क्षेत्र पटौदी में राजकीय उच्च विद्यालय पटौदी एवं राजकीय उच्च विद्यालय भोड कलां को 10 + 2 विद्यालय में स्तरोन्नत करने का मामला सक्रिय रूप से सरकार के विचाराधीन है।

(ख) विधिवत औपचारिकताएं पूर्ण करने तथा वित्तीय स्वीकृति प्राप्त होते ही इन विद्यालयों को स्तरोन्नत कर दिया जाएगा ।

Providing of passage to Basti Kailaspur

***790. Shri Dev Raj Dewan :** Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) whether it is a fact that there is no proper passage to the residents of 'Kailaspur Basti' situated beyond Sector 15, Sonipat ; and

(b) if the reply to part 'a' above be in affirmative, whether there is any proposal under consideration of the Government to provide proper passage to the residents of the said Basti ?

राजस्व मंत्री (श्री बीर पाल सिंह) : एक अनाधिकृत बस्ती कैलाशपुर ग्राम के नाम से सैक्टर-15 सोनीपत के बाहर स्थित है। इस बस्ती के अधीन जमीन पर कुछ आदमियों ने अनाधिकृत तौर पर लगभग 40 छोटे मकान बनाकर कब्जा किया हुआ है। सरकार के पास इस बस्ती के निवासियों को रास्ता देने बारे कोई प्रस्ताव विचारधीन नहीं है।

Construction of Bye-Pass in Narnaul

***788. Rao Narender Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state -

(a) whether there is any proposal under consideration of Government to construct a Bye-Pass in Narnaul ; and

(b) if so, the time by which the construction work of the aforesaid Bye-Pass is likely to be started ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) नहीं, श्रीमान जी।

(ख) उपरोक्त (क) के दृष्टिगत प्रश्न ही नहीं उठता है ।

Draining out of Rainy Water

*800. **Smt. Veena Chhibbar :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is fact that there is no outlet for draining out the rainy water of Ambala City; and

(b) if so, whether the Govt. has formulated any plan for draining out the rainy water, togetherwith details thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) नहीं, श्रीमान जी।

(ख) ऐसा नहीं है ।

Opening of I.T.I.

* 803. **Smt. Sarita Narain :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to open an I.T.I. at Kalanaur; if so, the time by which it is likely to be opened ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : कलानौर में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

Replacement of Electric Meter

*706. **Cap. Ajay Singh Yadav :** Will the Chief Minister be pleased to State—

whether it is a fact that HVPN is carrying out replacement of old electric meters by new electromagnetic meters in domestic and industrial sectors; if so, the names of the firms from which these were purchased together with the amount involved ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : नहीं, श्रीमान जी।

Prime Minister Rozgar Yojna

*734 **Shri Jai Parakash :** Will the Chief Minister be pleased to State :—

(a) the details of the basic objectives of the Prime Minister Rozgar Yojna;

(b) the actual number of beneficiaries under the said scheme together with amount sanctioned, till February 2000, and

(c) whether any practical difficulties are being faced by the people; if so, the steps taken or proposed to be taken to remove such difficulties?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) श्रीमान जी, प्रधानमंत्री रोज़गार योजना का मुख्य उद्देश्य शिक्षित बेरोज़गार युवकों को स्वरोज़गार के अवसर प्रदान करना है। प्रधानमंत्री रोज़गार योजना के अन्तर्गत 7 लाख लघु इकाइयां शिक्षित बेरोज़गार युवकों के द्वारा स्थापित की जायेंगी। यह योजना 10 लाख से ज्यादा लोगों को रोज़गार प्रदान करने के लिए बनाई गई है। इसके अन्तर्गत उद्योग, सेवा व व्यापार के माध्यम से स्वयं रोजगार के अवसर प्रदान किये जायेंगे। इस योजना को लागू करने के लिए मान्य गैर-सरकारी संगठनों को उद्यमियों का चुनाव, प्रशिक्षण, प्रोजैक्ट प्रोफाईल्स बनाने में उनकी सहायता के लिए भागीदार बनाया है।

(ख) 43408 लाभार्थियों को फरवरी, 2000 तक 24824.13 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की जा चुकी है।

(ग) इस स्कीम में मुख्य व्यावहारिक कठिनाई बैंकों द्वारा एक लाख रूपये तक के ऋण बिना कोलेटरल सिक्योरिटी के स्वीकृत करने में हिचकिचाहट करना है। जिन केसों में ऋण राशि एक लाख रूपये से ऊपर होती है, उनमें बेरोज़गार युवकों द्वारा कोलेटरल सिक्योरिटी देना आवश्यक है लेकिन कई बार बेरोजगारों द्वारा सिक्योरिटी जुटाना सम्भव नहीं होता। इन समस्याओं को सुलझाने के लिए राज्य, जिला व खण्ड स्तर पर अलग-अलग समितियां बनी हुई हैं जिनमें इस योजना की नियमित समीक्षा की जाती है।

Income of Market Committee, Charkhi Dadri.

*719. **Shri jagjit Singh :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state the total income accrued to the Market Committee, Charakhi Dadri during the last two years together with the details of the amount spent by the Market Committee on various development works during the said period.

कृषि मंत्री (श्री जसविन्द्र सिंह सन्धू) : वांछित सूचना विधान सभा के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

मार्किट कमेटी बरखी दादरी की आय

वर्ष	मार्किट फीस से आय (रुपये लाखों में)	कुल आय (रुपये लाखों में)
1999-2000	42.58	71.79
2000-2001	39.88	61.18
2001-2002 (30-9-2001 तक)	31.80	42.44
कुल		**175.41**

विकास कार्यों पर दिनांक 1-4-1999 से 30-9-2001 तक किया गया व्यय

		(रुपये लाखों में)
1.	भूमि का मुआवजा	154.95
2.	ग्रामीण पहुंच सड़कों का निर्माण	32.26
3.	सड़कों की मुरम्मत	48.79
4.	अन्य विकास कार्य	04.85
	कुल :	**240.85**

Repair of Roads

*740. **Shri Krishan Lal :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideation of the Govt. to widen and repair the following roads :—

(a) Panipat, Jatal, Sutana, Lauhari, Bhalsi;

(b) From Khukhrana to Shera *via* Asan Kalan;

(c) From Rer Kalan to Munak (Karnal);

(d) From Matlauda to Adina (Panipat) ;

(e) From Munak (Karnal) to Salwan via Balla (Karnal); and

(f) From Gagsina (Karnal) to Padha via Aichala, Balpabana; and

(b) if so, the time by which the said roads are likely to be widened and repaired ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) हां, श्रीमान जी, भाग (क) तथा (ड) से संबंधित सड़कों को चौड़ा करने तथा सभी सड़कों की मरम्मत करने का प्रस्ताव है।

(ख) प्रस्तावित कार्य जून, 2002 तक पूर्ण हो जाने की संभावना है।

Bahadurgarh Baby Killer Kand

***804. Shri Nafe Singh Rathi :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that Rambabu and Shankar were arrested in connection with the Baby Killer Kand, Bahadurgarh City occurred during the period from 1995 to 1997;

(b) whether it is also a fact that aforesaid persons were arrested by the Delhi police and a reward of Rs. 50,000/- announced by the Haryana Police was taken for their arrest;

(c) whether the persons referred to in part (a) above namely Rambabu and Shankar were implicated falsely in the said kand; and

(d) if so, the actions, if any, taken against the police official, who were responsible for falsely implicating the said persons.

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) हां जी।

(ख) दिल्ली पुलिस के समक्ष बहादुरगढ़ में बेबी किलिंग के पांच मुकदमों में अपनी संलिप्तता स्वीकार करने के बाद केवल रामबाबू को दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। हरियाणा पुलिस द्वारा घोषित 50,000/- रुपये का इनाम पश्चिम दिल्ली जिला के पुलिस अधिकारियों को रामबाबू को गिरफ्तार करने के लिए वितरित किया गया था।

(ग) मामला न्यायालय में विचाराधीन है, ऐसी स्थिति में इस सम्बन्ध में कोई ब्यान देना उचित नहीं होगा।

(घ) -यथोपरि-

Casualties Due to Snags in Power Line

***764. Prof Ram Bhagat :** Will the Chief Minister be pleased to state the steps taken or proposed to be taken to minimize the casualties occurred on account of eletrocution due to snags in main line passing over houses?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :राज्य में ढीली पड़ी बिजली की तारों को कसने के लिए एक विशेष अनुरक्षण अभियान शुरू किया गया है। चालू वर्ष के दौरान 2480 किलोमीटर उच्च तथा निम्न टैंशन वाले तारों को कसा गया है। इन लाईनों को यदि अनाधिकृत निर्माण वाले जोकि वर्तमान उच्च तथा लो टैंशन तारों के नीचे आते हैं और शिफ्टिंग खर्च देने के लिए सहमत हैं तो उनकी लाईनें शिफ्ट की जा रही हैं ।

Opening of Engineering College at Dabwali

*** 729. Sh. Sita Ram :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open an Engineering College or Polytechnic at Dabwali ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : जी हाँ। डबवाली में एक बहुतकनीकी खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है जिस पर पर्याप्त धन राशि उपलब्ध होने पर कार्यवाही की जायेगी ।

Report of the Commission

*** 716. Shri Amar Singh Dhandey :** Will the Chief Minister be pleased state—

(a) whether the Government has constituted any Inquiry Commission regarding the irregularities committed during prohibition period from July, 1996 to March, 1998; and

(b) if so, the time by which the report of the above said Commission is likely to be received ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) जांच आयोग की रिपोर्ट दिनांक 4-12-2001 तक प्राप्त होने की सम्भावना है।

अतारांकित प्रश्न एवम् उत्तर

Construction of Link Road

49. Shri Jagjit Singh : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to connect Charkhi Dadri with Rewari by direct link road; and

(b) if so, the steps taken so far in this regard?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) नहीं, श्रीमान जी, चरखी दादरी पहले ही सीधा योजक सड़क द्वारा बाया चिड़िया, बागोत, कनीना और रिवाड़ी से जुड़ा हुआ है।

(ख) उक्त "क" के दृष्टिगत किसी कार्यवाही की आवश्यकता नहीं है।

Shortage of Teachers

50. **Shri Jagjit Singh** : Will the Minister of State for Education be pleased to state—

(a) whether it is a fact that there is acute shortage of teachers in primary schools in the State; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to overcome the said shortage of teachers ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ० बहादुर सिंह):

(क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न ही पैदा नहीं होता।

Self Finance for New Subjects in private Colleges

51. **Shri Jagjit Singh** : Will the Minister of State for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to start self finance scheme for new subjects in private colleges in the State; if so, the objects thereof ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ० बहादुर सिंह):

(क) हाँ, श्रीमान जी।

(ख) प्राईवेट महविद्यालयों को स्वयं वित्त-पोषण आधार पर 200 से अधिक पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति प्रदान की गई है। स्वयं वित्त-पोषित पाठ्यक्रम आरम्भ करने का मूल उद्देश्य शिक्षा को रोजगारोन्मुखी बनाना तथा राज्य शिक्षा नीति में निर्धारित अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित कम्प्यूटर पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देना है। इससे सरकार पर वित्तीय भार भी कम होता है क्योंकि ऐसे पाठ्यक्रम चलाने के इच्छुक संस्थान सरकार से कोई निधियां नहीं लेते हैं।

Providing of Grant to Dadri Education Society

52. **Shri Jagjit Singh** : Will the Minister of State for Education be pleased to state—

(a) whether any request has been received from Dadri Education Society for providing Ex-gratia grant to the society; and

(b) if so, the action taken thereon ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ० बहादुर सिंह):

(क) जी, नहीं।

(ख) उक्त (क) के दृष्टिगत प्रश्न उत्पन्न नहीं होता ।

Jhattipur Minor

62. Shri Krishan Lal : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct New Jhattipur Minor in District Panipat: if so, the time by which it is likely to be constructed?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : जी हां, पानीपत जिले में झाटीपुर माईनर के निर्माण की योजना 427 लाख रूपये की अनुमानित लागत से भू:जल पुनरावृत्ति के लिए बसौर खरीफ चैनल बनाई गई। वित्तीय उपलब्धता हेतु इसे केन्द्रीय भू:जल बोर्ड को प्रस्तुत किया गया। यह योजना केन्द्रीय भू:जल बोर्ड द्वारा वित्त उपलब्धता हेतु स्वीकृत नहीं की गई। इसलिए निकट भविष्य में इस योजना को नाबार्ड की आर०आई०डी०एफ० परियोजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता हेतु भेजा जाएगा ।

अध्यक्ष को हटाने के लिए संकल्प की सूचना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a Calling Attention Notice from Sarvshri Bhagi Ram and Nishan Singh M.L.A.s, regarding the damage of cotton crops in the State of Haryana. I admit it. Adjournment Motion Notice No.2 given by Shri Bhajan Lal, M.L.A., and four other M.L.A.s, has been converted into Calling Attention Motion and has been bracketted with Calling Attention Motion No. 4 being on the same subject. Shri Bhagi Ram may read his notice.

चौ० भजनलाल : स्पीकर साहब, आपने इनको एक साथ तो जोड़ दिया लेकिन अब आप हमारी बात भी सुन लें। (शोर एंव व्यवधान) स्पीकर साहब, यह बड़ा अहम मुद्दा है। हमने आपके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की सूचना दे रखी है। यह बड़ा सीरियस मैटर है। आप पहले विश्वास का मत हासिल करें और बाद में इस कुर्सी पर बैठें। मैं आपसे हाथ जोड़कर निवेदन करता हूं कि मर्यादा यही कहती है, सिद्धांत यही कहते हैं, इतिहास यही कहता है और सभ्यता यही कहती है कि अगर स्पीकर और सरकार के खिलाफ अविश्वास का प्रस्ताव आ जाए तो उस सरकार को या स्पीकर को पहले विश्वास का मत हासिल करना चाहिये इसलिए आपको पहले विश्वास का मत हासिल करना चाहिए और उसके बाद ही इस कुर्सी पर बैठने का आपका राईट बनता है। इसलिए कृपा करके आप इस कुर्सी पर डिप्टी स्पीकर साहब को या जिस किसी और को आप ठीक समझते हैं, उनको आप इस पर बिठाइये। अगर आप विश्वास का मत लिए बगैर काम करते हैं तो यह ठीक बात नहीं है।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : स्पीकर सर, मैं विपक्ष के नेता से एक बात जानना चाहता हूं कि अभी जो उन्होंने यह कहा है कि स्पीकर के खिलाफ यदि अविश्वास का प्रस्ताव आ जाता है तो उसे पहले विश्वास हासिल करना पड़ता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, आप हमारी बात भी सुनिये।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आपका कोई प्रस्ताव नहीं आया है इसलिए आपका बोलने का कोई हक नहीं है आप अपनी सीट पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान) दलाल साहब जो भी बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय * * *

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आपका यह कहना कि उनको बोलने का कोई अधिकार नहीं है ठीक नहीं है वे एक पार्टी के लीडर हैं वे अपनी बात को यहां पर कह सकते हैं।

श्री अध्यक्ष : उनकी कौन सी पार्टी है कैसी उनकी पार्टी है उनकी कोई रिकोगनाइजड पार्टी नहीं है वे इंडीपैडैन्ट मैम्बर के बराबर हैं।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय आप उनको बोलने दीजिए। आप उनकी बात माने या न माने वह अलग बात है लेकिन उनको अपनी बात कहने तो दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगजीत सिंह : स्पीकर साहब, जब आपके खिलाफ अविश्वास का प्रस्ताव है तो आप उस कुर्सी पर नहीं बैठ सकते हैं।

श्री अध्यक्ष : संगवान साहब, आप बैठें।

चौ० जय प्रकाश: स्पीकर साहब, हमारी बात तो सुने। आप उस कुर्सी पर कैसे बैठ सकते हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठें। अब पहले पार्लियामैंट्री अफेयरर्ज मिनिस्टर अपनी बात कहेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): अध्यय महोदय, यह पूरा सदन अब तक इस बात से अनभिज्ञ है कि कोई प्रस्ताव आया है या नहीं और अगर आया है तो वह कैसा प्रस्ताव है। कौन उसको लेकर आए हैं। सबसे पहले कुर्सी यह बताएगी कि सदन में ये-ये प्रस्ताव आए हैं और इस पर विचार होना है। जब इनें पता ही नहीं कि कोई प्रस्ताव आया भी है या नहीं तो कैसे हम कह सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, जो कानून को जानते ही नहीं हैं वह भी खड़े होकर कह देते हैं कि आप इस कुर्सी पर बैठ नहीं सकते । इनें क्या पता कि कोई प्रस्ताव आया है या नहीं। जब तक चेयर नहीं बताएगी तब तक सदन को कैसे पता चलेगा। (शोर एवं व्यवधान) भजन लाल जी, आप तो विपक्ष के नेता हैं आप ही इनको समझाओ। हमें इस प्रस्ताव के बारे में कुछ पता नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजनलाल : हमने आपको कापी भेजी हुई है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हमारे पास कोई कापी नहीं आई है। यह स्पीकर साहब बताएंगे, आप नहीं बता सकते। यह केवल चेयर बताएगी कि सदन के समक्ष यह प्रस्ताव आया है

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

(शोर एवं विघ्न) भजन लाल जी आप तो जिम्मेदार पद पर बैठे हैं। आप भी स्पीकर साहब को कहते हैं कि कुर्सी छोड़ जाओ।

चौ० भजन लाल : जब स्पीकर साहब नहीं बताएगें तो हम क्या करेंगें ?

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आप बैठ जायें। (शोर एवं विघ्न) मेरी बात सुनें। मेरे पास दो प्रस्ताव आए हैं एक तो प्रस्ताव हरियाणा विधान सभा के स्पीकर के रिमूवल का नोटिस आया है यह 25 तारीख को आया है। जय प्रकाश जी, आप बैठ जाएं (शोर एवं विघ्न) यह गोपनीय पेपर्स हैं, बताए नहीं जाते हैं डिस्कलोज नहीं किए जाते हैं। यह प्रस्ताव 25 तारीख को 3 बजकर 55 मिनट पर आया है और इस पर कैप्टन अजय सिंह और चौधरी भजन लाल जी के साइन हैं । रिमूवल का प्रस्ताव स्पीकर के अगेंस्ट आया है और दूसरा सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आज ही मिला है वह ऐडमिट कर लिया गया है ।(शोर एवं व्यवधान)

प्रो0 संपत सिंह : अभी पहले विपक्ष के नेता ने प्रश्न उठाया कि हमने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है और स्पीकर साहब ने उसकी पुष्टि की है । (शोर एवं विघ्न) स्पीकर सर, एक तो मैं यह बात क्लीयर करना चाहता हूं कि जैसे अभी आपसे स्पष्ट हुआ कि 25 तारीख को नोटिस आया है और 3 बजकर 55 मिनट पर आया है और यह कैप्टन अजय सिंह ने दिया है और इस पर भजन लाल जी ने भी साइन किए हैं। अभी विपक्ष के नेता भी कह रहे थे कि स्पीकर साहब को अपनी चेयर पर नहीं रहना चाहिए। अगर यह ऐडमिट हो जाता है तो यह क्वैश्चन है कि he should not sit on the Chair. स्पीकर सर अपनी चेयर पर नहीं रहेंगे, यह परम्परा रही है लेकिन यह ऐडमीशन की स्टेज है । (शोर एवं व्यवधान) आपने यह सवाल उठाया है और इस तरह का प्रस्ताव दिया है इनके खिलाफ नो कांफीडैंस मोशन आप लाए हैं तो हमारा भी फर्ज बनता है कि हम भी जवाब दें उसके बाद आप अपनी बात कहें, अगर यह नोटिस ऐडमिट हो जाता है तो स्पीकर साहब चेयर छोड़ देंगे और तब ही डिप्टी स्पीकर को आना चाहिए। परन्तु यदि ऐडमिट नहीं होता है तो स्पीकर साहब ही कुर्सी पर बैठेगें। स्पीकर सर, इसके ऊपर विपक्ष के साथियों को कुछ कहना है तो कहने का टाइम दीजिए। (शोर एवं विघ्न) जो भी मोशन होते हैं चाहे नो कांफीडैंस मोशन हो, चाहे कालिंग अटैंशन मोशन हो चाहे स्वागत प्रस्ताव हो। हर प्रस्ताव के लिए संविधान में भी और आपकी हरियाणा लेजिस्लेटिव असैम्बली की रूल्स ऑफ प्रौसीजर एंड कंडक्ट ऑफ बिजनेस की बुक है और पार्लियामैंट्री प्रैक्टिस की बुक है उनके द्वारा यह सारे के सारे गवर्न होते हैं जहां तक स्पीकर के खिलाफ नो कॉफीडैंस मोशन का सवाल है (विघ्न) Practice and Procedure of Parliament by Kaul & Shakdher की बुक के हिसाब से यह बनता है या नहीं बनता है यह अभी देखने वाली बात है। स्पीकर सर, मैं सबसे पहले भारत के संविधान के सैक्शन 179 को पढ़ कर सुनाता हूं जिसमें लिखा है —

179. Vacation and resignation of, and removal from , the offices of Speaker and Deputy Speaker– A member holding office as Speaker or Deputy Speaker of the Assembly—

(a) shall vacate his office if he ceases to be member of the Assembly;

(b) may at any time by writing under his hand addressed, if such member is the Speaker, to the Deputy Speaker, and if such member is the Deputy Speaker, to the Speaker, resign his office; and

[प्रो0 संपत सिंह]

(c) may be removed from his office by a resolution of the Assembly passed by a majority of all the then members of the Assembly :

Provided that no resolution for the purpose of clause (c) shall be moved unless at least fourteen days, notice has been given of the intention to move the resolution :

स्पीकर सर, उसके बाद जो 'कौल और शकधर' की बुक है "प्रैक्टिस एण्ड प्रोसीजर ऑफ पार्लियामैंट" उसमें लिखा है--

"At least fourteen days' notice has to be given of the intention to move such a resolution. In computing the period of fourteen days, both the terminal days are excluded.

जिस दिन दिया जाता है, जिस दिन टेक अप किया जाता है इन दिनों को एक्सक्लूड किया जाता है। स्पीकर सर, इसी प्रकार हरियाणा विधान सभा के लेटैस्ट रूलज अप्रैल,1998 में छपे रूलज ऑफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट ऑफ बिजनैस में स्पष्ट तौर पर लिखा हुआ है-

"Every notice required by the rules shall be given in writing addressed to the Secretary and shall be delivered at the Assembly office. If it is delivered between 10 a.m. and 3 p.m. on a day when the office is open it shall be treated as delivered on that day. If it is delivered at any later time or on any holiday, it shall be treated as delivered on the day on which the office next opens. A notice or communication which is not legible written may, and if it is not signed by the member sending it, shall be rejected.

(विघ्न) यह सुनने लायक है स्पीकर सर, 25 तारीख को 3.55 बजे यह अविश्वास प्रस्ताव दिया गया और जबकि रूल में क्लीयर कट 10 बजे से 3 बजे का समय निर्धारित किया गया है और उसके बाद अगर दिया गया है तो यह उस दिन नहीं माना जाता बल्कि उसके बाद जो अगला वर्किंग डे होता है उसको माना जाता है। इसलिए यह प्रस्ताव 25 तारीख को 3 बजकर 55 मिनट पर दिया गया इसलिए 25 तारीख को नहीं माना जायेगा उसके बाद 26,27 और 28 तारीख की छुट्टी थी इसलिए 29 तारीख को दिया माना जायेगा।

डा0 रघुवीर सिंह कादयान : स्पीकर सर, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है, सरकार इसको टैक्नीकली एडमिट नहीं कर रही है।

श्री अध्यक्ष : कोई प्वांयट ऑफ आर्डर नहीं है। आप बैठ जाइये।

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर सर, ये विपक्ष के सदस्य अपना होम वर्क तो करके आते नहीं हैं और भाषणबाजी और प्रोपेगैंडा में विश्वास रखते हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर सर, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : आपका कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है। आप बैठ जाइये।

प्रो0 सम्पत सिंह : स्पीकर सर, 25 तारीख को 3.55 बजे यह अविश्वास प्रस्ताव दिया गया और जबकि रूल में क्लीयर कट 10 बजे से 3 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है और उसके बाद अगर दिया गया है तो वह उस दिन नहीं माना जाता बल्कि उसके बाद जो अगला वर्किंग डे होता है उसको माना जाता है। इसलिए यह प्रस्ताव 25 तारीख को 3 बजकर 55 मिनट पर दिया गया इसलिए 25 तारीख को नहीं माना जायेगा उसके बाद 26,27 और 28 तारीख की छुट्टी थी इसलिए 29 तारीख को दिया माना जायेगा। इस प्रकार 29, 30, 31 तीन दिन तो अक्टूबर के हो गये और आठ दिन नवम्बर के हो गये तो कुल 11 दिन बनते हैं। इसलिए स्पीकर सर, यह प्रस्ताव कानूनी तौर पर एडमिट नहीं हो सकता है। यही मैं कहना चाहता था । अगर विपक्ष के सदस्य इस प्रस्ताव के प्रति इतने सीरियस होते तो ये 25 तारीख को 3 बजकर 55 मिनट की बजाये उससे पहले 2 बजकर 55 मिनट पर भी दे सकते थे लेकिन इनको टाइम की परवाह नहीं है इन्हें कानून की परवाह नहीं है ये प्रोसीजर की परवाह नहीं करते, अपना होम वर्क नहीं करते, इनमें अपने आप में यूनिटी नहीं है, ये केवल मात्र भाषणबाजी में विश्वास करते हैं और विपक्ष की जिम्मेवारी नहीं समझते। अपनी विपक्ष की भूमिका नहीं निभाते। अपनी कमियों को भाषणबाजी और कानून बाजी में छिपाते हैं। अध्यक्ष महोदय, लैजिसलैटिव बिजनैस ऐसे नहीं चला करता। (शोर)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, पहले पार्लियामैंटरी अफेयरर्ज मिनिस्टर को अपनी बात कहने दें उसके बाद आप बोल लेना आपको समय दिया जाएगा । (शोर)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, यह इनकी साजिश है।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं, इनको बताना चाहता हूं कि 3.55 के टाइम पर नोटिस देना क्या हमारी साजिश है ? यह तो इनकी खुद की साजिश है। ये उंगली कटाकर शहीद होना चाहते हैं और लोगों को दिखाना चाहते हैं कि हम स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं । ये सरकार के खिलाफ भी पहले 2 बार अविश्वास का प्रस्ताव लेकर आए थे। एक बार तो ये भाग कर चले गए थे और दूसरी बार इनकी संख्या पूरी नहीं हुई। ये केवल मात्र दिखावा करने के लिए पब्लिक के इन्ट्रस्ट के खिलाफ षड्यंत्र रचते हैं। इनको असैम्बली के मैम्बर होने का कोई हक नहीं है। यह इनकी विपक्ष की भूमिका ठीक नहीं है। इसलिए अगर इनका थोड़ा सा भी आत्म-सम्मान है तो इनको रिजाइन करके चले जाना चाहिए ।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात सुनें। * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाए ।

डा० रघुबीर सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात तो सुने, आप हमें बोलने का मौका ही नहीं दे रहे।

श्री अध्यक्ष : आप सब अपनी-अपनी सीटों पर बैठें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात को एक बार अच्छी तरह सुन लें। आपका इस तरह से करना ठीक नहीं है।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

चौ० जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, आप तो हमारी बात ही नहीं सुनना चाहते । यह कोई अच्छी बात नहीं है । (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय कांग्रेस पार्टी के कई सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर बोलने लगे । कैप्टन अजय सिंह यादव और श्री जय प्रकाश हाउस की वैल में आ गए ।)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब और जय प्रकाश जी, आप सबसे पहले अपनी-अपनी सीटों पर जाएं और यहां पर आकर कोई डिसकशन न करें। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये आपोजीशन की भूमिका निभाने में असफल हैं और इस तरह से इनको वैल में आकर शोर मचाना शोभा नहीं देता ।

श्री अध्यक्ष : भजनलाल जी, आप अपने मैम्बर्ज को समझाएं और इनको कहें कि ये अपनी सीटों पर जाकर बैठें तथा हाउस की कार्यवाही ठीक ढंग से चलने दें।

(इस समय कैप्टन अजय सिंह यादव और श्री जय प्रकाश अपनी सीटों पर वापिस आकर बैठे।)

Capt. Ajay Singh Yadav : It is mentioned at page No. 83 of Practice and Procedure of Parliament by Kaul and Shakdher that-

> " while any resolution for the removal of the Speaker or the Deputy Speaker from his office is under consideration, the Speaker or the Deputy Speaker, as the case may be cannot preside even though he is present in the House."

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप जवाब सुनिए ।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी सबमिशन कम्पलीट करने दें।

Mr. Speaker : I am reading 'Foot Note' given at page No. 83 of the Practice and Procedure of Parliament by Kaul & Shakdher—

> "It would not be unconstitutional if the Speaker or the Deputy Speaker, as the case may be, does not vacate the Chair while a motion for leave to move the resolution for his removal is under consideration in the House."

Capt. Ajay Singh Yadav : It is not that 14 clear days should be there as per this book. It is only 14 days. अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर हैं, इन्होंने कहा है कि 14 डेज। तो इस बुक में 'क्लीयर' नहीं लिखा हुआ। इसमें तो केवल 14 डेज लिखा हुआ है अगर 14 डेज दे रखा है तो 25 तारीख को निकाल दें, 8 तारीख को भी निकाल दें तो भी आज का दिन चौदहवां दिन है।

चौ० भजन लाल : स्पीकर साहब, मैं कुछ कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिए, लीडर और डिप्टी लीडर दोनों पहले फैसला कर लें कि किसने बोलना है।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे और मुख्यमंत्री महोदय से यह कहना है कि 25 तारीख को इनने नोटिस दे दिया।

श्री अध्यक्ष : 3.55 पर आपने नोटिस दिया है।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आप 3.55 तो क्या 3.56 मानकर चलें। चाहे तो 4.00 बजे समझ लें। इसने आपके खिलाफ नोटिस दे दिया। आप 25 तारीख को मत गिनो, 26 तारीख को गिनकर चलें तो क्या आज 14 दिन हो गए या नहीं हो गए ? (शोर)

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, अगर आपको यकीन न हो तो आप बंसी लाल जी से पढ़वा लें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : भजन लाल जी, आपसे तो चूक हो गई है, उस मोहम्मद तुगलक ने आपके दस्तखत करा लिए, मैं आपका कसूर नहीं मानता । (हंसी)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जीरो आवर में कोई प्वांयट आफ आर्डर नहीं होता। (शोर) कल आप सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव देकर खुश हो रहे थे । (शोर)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब जो कुछ भी कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये। (शोर एवं व्यवधान) जय प्रकाश जी, प्लीज आप बैठें आपको इस बारे में कुछ मालूम नहीं है, आप नये मैंबर हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, बाकायदगी से रूल बने हुए हैं और उसी के हिसाब से चलना पड़ेगा। यह हमारे और चौधरी भजन लाल जी के बस की बात नहीं है कि हम अपने हिसाब से चलें और रूल्ज की पालना न करें। चौधरी भजन लाल जी पढ़े लिखे हैं ये स्वयं ही रूल 74 पढ़ लें। इनको मालूम हो जायेगा कि 26, 27 और 28 तारीख को छुट्टी थी और वे दिन काउंट नहीं होंगे। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इस बारे में चौधरी बंसी लाल जी को भी मालूम है मैं चाहता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी ही रूल पढ़कर विपक्ष के नेता को बतायें। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लाल : स्पीकर सर, मैं यह कहना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री महोदय ने हमारे एक मैंबर को मोहम्मद तुगलक कहा है जो कि अनपार्लियामैंटरी शब्द है। किसी सम्मानित मैंबर को मोहम्मद तुगलक कहना अच्छी बात नहीं है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि इस शब्द को हाउस की कार्यवाही से निकाल दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, मोहम्मद तुगलक तो एक राजा था और जिस मैंबर को रंक से राजा बनाया गया है वह तो खुश हो रहा है फिर आप क्यों आपत्ति उठा रहे हैं ? (हंसी)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे इस सरकार पर बड़ा ही रहम आता है कि कुछ लोग इसमें समझदार भी हैं फिर भी उनके समझ में नहीं आता। 24 तारीख को मुख्यमंत्री महोदय

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

[चौ० भजन लाल]
ने शाम को कैबिनेट की मीटिंग बुलाई और उसमें 8 तारीख को सैशन बुलाने का फैसला लिया गया तथा 25 तारीख को हमने अखबार में पढ़ा कि 8 तारीख से सैशन आ रहा है और उसी दिन हमने स्पीकर के अगेंस्ट अविश्वास प्रस्ताव दे दिया।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप अविश्वास प्रस्ताव सैशन की डेट तय होने से पहले भी दे सकते थे। ऐसा नहीं है कि सैशन की डेट फिक्स होने पर ही स्पीकर के अगेंस्ट अविश्वास प्रस्ताव दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, सैशन की डेट तय होने पर ही अविश्वास का नोटिस देते हैं, 6 महीने पहले थोड़ी ही देंगे। 24 तारीख को कैबिनट ने सैशन बुलाने का फैसला लिया और 25 तारीख को अखबार में आया कि 8 तारीख को सैशन होगा और उसी दिन हमने स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दे दिया था। सरकार इससे भाग क्यों रही है ? इस पर चर्चा होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, सरकार के भागने वाली क्या बात है ? यहां सिद्धांत की बात चलेगी। जो हमारा कानून है, हमारा लैजिसलेशन है उसके तहत ही हमने चलना है। हम उससे बाहर नहीं जा सकते। कानून किसी की खैरात नहीं है हम कानून के हिसाब से ही हाउस चलायेंगे।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता रो रही है कि उनको ऐसी सरकार मिली।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप इतने पुराने पार्लियामैंटेरियन हैं और 12 साल तक आप मुख्यमंत्री रहे हैं फिर भी आपको यह नहीं मालूम कि नोटिस कब दिया जाता है ? (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आप 25 तारीख का दिन काउंट न करें फिर भी अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिए 14 दिन हो गये हैं। हमने तो वर्किंग डे को नोटिस दिया था इसलिए जो बाद में छुट्टियां थीं वे दिन तो काउंट होने चाहिएं।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी रूल पढ़ लें इनको मालूम हो जायेगा कि अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस समय पर आया है या नहीं।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप हरियाणा विधान सभा के रूल्ज़ ऑफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट ऑफ बिजनैस के रूल 74 को पढ़ कर देखें। (शोर)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने सारे रूल पढ़ पढ़ कर छोड़ रखे हैं और जो मेरे सामने बैठे हैं इनको पढ़ा रखे हैं। मेरा एक सुझाव है कि हमने आपके खिलाफ यानि स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दिया है उसके बारे में आप कहते हैं कि उस पर आज बहस नहीं हो सकती। मैं भी आपसे एक बात कहना चाहूंगा कि हम भी यह कहते हैं कि उस पर आज हम भी बहस नहीं करेंगे। (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, इन्होंने स्पीकर के खिलाफ जो अविश्वास का प्रस्ताव दिया है वह एडमिट ही नहीं हुआ है फिर उस पर बहस कैसे कर सकते हैं ? (शोर)

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हम यह भी नहीं कहते कि आप उसको एडमिट करें लेकिन हमने सरकार के खिलाफ जो अविश्वास प्रस्ताव दिया है उस पर आप तीन दिन तक बहस कराएं। (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, इन्होंने सरकार के खिलाफ जो अविश्वास प्रस्ताव दिया है उसको रिजैक्ट किया जाए। (शोर)

चौ० जय प्रकाश : स्पीकर साहब, सरकार अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है। हमने सरकार के खिलाफ जो नो कांफिडैंस मोशन दिया है उस पर सरकार बहस नहीं करवाना चाहती है। (शोर)

नगर तथा गांव आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) : स्पीकर साहब, विरोधी पक्ष की तरफ से जो बातें कही जा रही हैं वे गैर जिम्मेदाराना हैं। ये कानून की किताब नहीं पढ़ते हैं क्योंकि इनको सत्ता पक्ष में रहने के बाद पढ़ी पढ़ाई बात कहने की आदत पड़ी हुई है। इनसे एक भूल हो गई। ये कह रहे हैं कि 24 तारीख की शाम को कैबिनेट मीटिंग हुई और इन्होंने उसके बारे में 25 तारीख को अखबार में पढ़ा और उसके बाद ये आपके कार्यालय में 25 तारीख को 3.55 बजे स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दे कर गए। ये उस अविश्वास प्रस्ताव को देने के लिए 2.50 बजे आ सकते थे या 2.55 बजे आ सकते थे लेकिन ये 4.00 बजने का इन्तजार करते रहे। अगर इन्होंने रूल्ज की किताब पढ़ी होती तो आज यह मौका नहीं आता। इनसे यह भूल हो गई कि इन्होंने रूल्ज की किताब नहीं पढ़ी। स्पीकर साहब, हाउस में चौधरी बंसी लाल जी बैठे हैं इनको भी पता है और मैं भी कहता हूं कि भारत के संविधान के आर्टीकल 179 (C) के मुताबिक माननीय अध्यक्ष महोदय के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को एडमिट करने का कोई औचित्य नहीं बनता है। (शोर)

श्री भगवान सहाय रावत : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के रूल 74 को मैं पढ़ कर सुना देता हूं जिसमें लिखा है :-

> "नियमों द्वारा अपेक्षित प्रत्येक नोटिस लिखित रूप में सचिव को सम्बोधित करके सभा के कार्यालय में सौंपा जाएगा। यदि वह ऐसे दिन जब कार्यालय खुला हो, 10.00 बजे पूर्वाह्न तथा 3.00 बजे अपराह्न के बीच दिया जाए तो उसके बारे में यह समझा जाएगा कि वह उसी दिन दे दिया गया है। यदि वह बाद के किसी समय में या किसी छुट्टी के दिन दिया जाए तो वह उस दिन दिया गया समझा जाएगा जिस अगले दिन कार्यालय खुलता है। कोई नोटिस या पत्र-व्यवहार जो सुपाठ्य रूप से न लिखा गया हो, अस्वीकृत किया जा सकता है और यदि वह भेजने वाले सदस्य द्वारा हस्ताक्षरित न हो तो उसे अस्वीकृत कर दिया जाएगा।"

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, हाउस कानून कायदे से चलता है। ये कहते हैं कि 14 डेज कहां लिखा है मैं इनको रूल पढ़ कर सुना देता हूं। In proviso to Article 179(c) of the Constitution, it is mentioned—

> "Provided that no resolution for the purpose of clause (c) shall be moved unless atleast fourteen days, notice has been given of the intention to move the resolution".

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, इसमें क्लीयर वर्ड नहीं लिखा हुआ है। (विघ्न) 11.00 बजे स्पीकर साहब, आप हमारी बात तो सुनिये। हमारे पास जो किताब है इसमें लिखा है—

> "While any resolution for the removal of the Speaker or the Deputy Speaker from his office is under consideration, the Speaker or the Deputy Speaker, as the case may be, cannot preside even though he is present in the House."

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, मैं आपको आपकी कही हुई किताब में से ही पढ़ कर सुनाता हूँ। इस किताब में लिखा है—

> "At least fourteen day's notice has to be given of the intention to move such a resolution. In computing the period of fourteen days, both the terminal days are excluded."

इस से आप पायेंगे कि इसमें 25 तारीख वाला दिन इन्क्लूड नहीं होगा। (शोर एवं विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको रूल 74 पढ़ कर सुनाता हूं। इस रूल 74 में लिखा है—

> "Every notice required by the rules shall be given in writing addressed to the Secretary and shall be delivered at the Assembly office. If it is delivered between 10.00 a.m. and 3.00 p.m. on a day when the office is open it shall be treated as delivered on that day. If it is delivered at any later time or on any holiday it shall be treated as delivered on the day on which the office next opens. A notice or communication which is not legible written may, and if it is not signed by the member sending it, shall be rejected."

अब इस रूल को पढ़ने के बाद इनकी बात के बारे में कोई संशय नहीं रह जाता। आपको पता होना चाहिए कि नैक्स्ट टर्किंग डे 29 से शुरु होता है। (शोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये भाई अपनी भूमिका निभाने में पूरी तरह से फेल रहे हैं। पहले ये अपनी भूमिका निभानी सीखें। ये हर मामले में जोन सीरियस हैं। Speaker Sir, it should be rejected on legal ground or technical ground. अध्यक्ष महोदय, ये कहते हैं कि विधान सभा का सैशन बुलाया जाये। यह पहली दफा है कि विपक्ष के कहने पर सैशन बुलाया जाता है और मुख्य मंत्री जी कहते हैं कि विपक्ष हमें समय और तिथि बता दे, हम उनकी सुविधानुसार सैशन बुला लेंगे, लेकिन ये लोग न तो सैशन बुलाये जाने की कोई तिथि ही बता पाए और न ही समय बता पाये। अब यहां पर शोर मचा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने यह सैशन इनके कहने मात्र से ही बुलाया है लेकिन अब ये यहां पर शोर मचा कर हाउस का समय वेस्ट कर रहे हैं। ये यहां पर किसी कानून की बात, स्टेट के हित की बात या किसी प्रोसीजर की बात नहीं कर रहे। इनको सिर्फ शोर मचाना ही आता है और हमेशा शोर ही मचाते रहते हैं। अध्यक्ष महोदय, जब भी कोई सरकार सैशन बुलाती है तो वह अपनी सुविधानुसार बुलाती है न कि विपक्ष के कहे अनुसार सैशन बुलाती है लेकिन हमारी सरकार ने इनके कहने पर ही सैशन बुलाया लेकिन ये अब यहां पर कोई सुझाव देने की बजाए शोर ही मचाते रहते हैं। इन्होंने

जो स्पीकर को हटाने के बारे में नोटिस दिया है वह समय पर रहते हुए नहीं दिया। यदि ये इसके प्रति गंभीर होते तो समय पर नोटिस दे सकते थे लेकिन इन्होंने ऐसा नहीं किया। इसमें इनकी गलती रही है। ये अपनी कार्यवाही करने में फेल हो गए हैं इसलिए अब शोर मचा कर अपनी गलती को छिपा रहे हैं। अब इनका यह मोशन टैक्नीकल और लीगल ग्राउंडज पर रिजैक्ट हो रहा है इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि इन्होंने जो स्पीकर को हटाने के बारे नोटिस दिया है उसको आप रिजैक्ट कर दें। (शोर एवं विघ्न)

Mr. Speaker : I have gone through the notice of resolution for the removal of the Speaker. In this regard I have also gone through the provision of Article 179-(c) of the Constitution of India and the provision of Rule 74 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly. Besides this, I have also gone through the Chapter regarding the removal of Speaker of 'Practice and Procedure of Parliament' written by 'Kaul and Shakdher.'

Although the allegations levelled in the notice of resolution are absolutely wrong but it is more pertinent to point out that the same are also contradictory in themselves. In the said notice the Hon'ble Members have stated that the Speaker has failed in his duty to protect the rights of the Members of Haryana Vidhan Sabha belonging to the Opposition Parties by rejecting all the calling attention motions, short term notice/motions and adjournment motions moved in the House on urgent public interest such as the break-down of law and order machinery in the State. The statement of the Hon'ble Members in this particular para, itself shows that the motions etc. have been moved in the House. It is well-known to all the Hon'ble Members that any notice/motion can be moved in the House only after the consent/approval of the Speaker and no notice/motion can be moved without his permission. Therefore, the statement of the Hon'ble Members itself shows the allegations as wrong and baseless. I am not going into the technicality of the notice and whether the allegations are wrong or not. But I am bound to decide the issue on the basis of provisions of Constitution/Rules/Procedure in this regard and on this basis, I am of the view that the notice of Resolution is not in conformity with the requirements of Article 179-(c) of the Constitution of India and Rules 11 and 74 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Legislative Assembly and the same is out of order. Therefore, the notice is disallowed.

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, आप सरकार के साथ मिलकर साजिश कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

चौ० भजन लाल : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। यह बड़े दुःख की बात है कि दुनिया के इतिहास में ऐसी कोई मिसाल नहीं मिलेगी कि स्पीकर ने अपना फैसला खुद ही सुनाया हो या जज के खिलाफ केस हो और जज खुद ही फैसला सुनाए। (शोर एवं व्यवधान)

डा० रघुवीर सिंह कादयान : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : कादयान साहब, आप बैठें। अब प्वायंट ऑफ आर्डर का टाईम नहीं है।

अभिकथित विशेषाधिकार भंग की सूचना

श्री मांगे राम गुप्ता : स्पीकर साहब, हमने विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय तमाम उपस्थित कांग्रेस पार्टी के सदस्य हाउस के वैल में आ गए।)

श्री अध्यक्ष : कृपया बैठें। मैं अभी आपको बताता हूं। आपका अलैज्ड ब्रीच ऑफ प्रिवलेज मोशन का नोटिस गवर्नमैंट के पास कमैंटस के लिए भेज दिया है इसलिए अब आप अपनी-अपनी सीटों पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह) : स्पीकर साहब, ये किसी को अथोरिटी ही नहीं मान रहे हैं इसलिए वैल में आ गये हैं ये तो अपने लीडर को भी लीडर नहीं मानते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सभी अपनी सीटों पर बैठें।

चौ० जय प्रकाश : स्पीकर साहब, आप सरकार को बचा रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : सरकार तो अपनी वजह से बचेगी। आप अपनी सीटों पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हम सरकार के खिलाफ अविश्वास का प्रस्ताव लेकर आए हैं। आप पहले उसका फैसला करिए। पहले सरकार को विश्वास का मत हासिल करना चाहिए और उसके बाद दूसरे काम होने चाहिएं।

मुख्यमंत्री (चौधरी ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे विनम्र निवेदन है। यह सरकार के खिलाफ भी कहते हैं कि नो कॉफीडैंस मोशन आया है। आप इनका इस बारे में पिछला इतिहास तो देख लें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जो सरकार के खिलाफ अविश्वास का प्रस्ताव है भजन लाल जी, उसके बारे में भी आपको बताएंगे कि उसका क्या फेट रहा ?

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हमने एक अविश्वास का प्रस्ताव सरकार के खिलाफ दिया है अगर आप उसकी कॉपी चाहें तो हम आपको दे देते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह) : स्पीकर सर, जब अपोजीशन सरकार के खिलाफ अविश्वास का प्रस्ताव ले आया है और इनका कहना है कि इनका सरकार में विश्वास नहीं है तो आप पहले सारी कार्यवाही रोककर अविश्वास का प्रस्ताव ऐडमिट करें। हम उस पर बहस के लिए तैयार हैं।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a notice of motion of no-confidence from Shri Bhajan Lal and five other M.L.As. against the Council of Ministers in Haryana, which reads as under :—

> We move a motion expressing want of confidence in the State Ministry headed by Shri Om Parkash Chautala, Chief Minister.

I hold this notice of motion of no-confidence in order. It will be taken up just now, today the 9th November, 2001. Now, I request those members who are in favour of leave be granted to move the motion to please rise in their seats.

(At this stage, counting was taken)

श्री अध्यक्ष : काउंटिंग में आपके 24 मैम्बर्ज हैं अब आप बैठ जाइए। Leave is granted. This notice of no-confidence motion will be taken up immediately. I fix two hours for discussion on the motion.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपने विपक्ष की तरफ से अविश्वास प्रस्ताव को मंजूर किया और उसके लिए दो घंटे का जो समय निर्धारित किया (विघ्न) फैसला तो चेयर का माना जायेगा, चौ० भजन लाल जी, आपका नहीं माना जाएगा, आप नहीं मानते हैं और बहस की टाल ही करते हैं तो अलग बात है। स्पीकर साइब, आपसे एक अनुरोध है कि आपकी उदारता का इन्होंने सदा नाजायज फायदा उठाया है इसलिए हाउस के जितने सदस्य हैं उसके मुताबिक जितना समय प्रति व्यक्ति आता है वह निर्धारित कर दिया जाए और विपक्ष के साथी जो खड़े हुए हैं उनमें से इनका एक बोलेगा या दो बोलेंगे, यह सब तय कर लिया जाए क्योंकि कई ऐसे भी मैम्बर हैं जिनकी कोई पार्टी नहीं है लेना नहीं देना नहीं, इसलिए बाकायदगी से समय निर्धारित कर दिया जाए। (शोर एवं विघ्न)

Mr. Speaker : Now Ch. Bhajan Lal will move the motion of no-confidence. (interruption) चौधरी भजन लाल जी, आपकी पार्टी के मैम्बरों की रेशो से 30 मिनट का समय बनता है।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं तो हो सकता है कि पांच मिनट ही बोलूं लेकिन इसमें 20 मैंबर बोलने वाले हैं इनको आधे-आधे घण्टे का भी समय बोलने के लिए मिले तो भी तीन दिन का समय तो चाहिए ही।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, पहले आप इसे मूव करें फिर इस पर दो घण्टे बहस होगी। (शोर एवं विघ्न)

चौ० भजन लाल : मूव बाद में करेंगे। पहले आप टाइम के बारे में फैसला करें। यह ज्यादती की बात है इसमें आप हमें तीन दिन का समय दीजिए।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप मोशन मूव कीजिये।

श्री भूपिन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर साहब जब बोल रहे थे तब उन्होंने कहा था कि यह सैशन कांग्रेस पार्टी के आग्रह पर बुलाया गया है। सरकार भागने की जल्दी न करे बल्कि विपक्ष को बोलने का पूरा समय दे और ऐसा न करे कि 4 दिन का सैशन बुलावे और दो दिन में खत्म कर दे। इसलिए इसें बोलने का पूरा समय मिलना चाहिये।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप मोशन मूव कीजिये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि आपने जो समय निर्धारित किया है उस समय में आप विपक्ष के सदस्यों को बोलने का समय दें। मैं विपक्ष को आश्वासन देना चाहूंगा कि इस समय के दौरान हमारी पार्टी के सदस्यों की तरफ से कोई इंट्रप्शन नहीं होगी। इसलिए आप इनका समय तय करें और इनको बोलने के लिए कहें।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, एक घण्टा तो मुख्यमंत्री जी को जवाब देने के लिए चाहिये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी चेयर के फैसले पर आपत्ति नहीं कर सकते।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हम आपसे रिक्वैस्ट तो कर सकते हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चेयर की रूलिंग को कोई सदस्य टाल नहीं सकता। आपने इनको समय दिया है उस समय में ये बोल लें उस समय के दौरान हमारी तरफ से कोई इंट्रप्शन नहीं होगी ये बोलते जायें।

श्री अध्यक्ष : कप्तान साहब, आप मोशन मूव करें।

Capt. Ajay Singh Yadav : Sir, I beg to move—

> That this House expresses its want of Confidence in the Haryana Ministry headed by Shri Om Parkash Chautala, Chief Minister.

Mr Speaker : Motion moved—

> That this House expresses its want of Confidence in the Haryana Ministry headed by Shri Om Parkash Chautala, Chief Minister.

कांग्रेस पार्टी को बोलने के लिए 30 मिनट का समय दिया जाता है उसके 20 सदस्य हैं प्रत्येक सदस्य के हिस्से डेढ़ मिनट का समय आता है इस समय में चाहे वे प्रत्येक सदस्य बोल लें या एक सदस्य बोल ले यह उनकी मर्जी है कांग्रेस पार्टी अपने बोलने वाले सदस्यों की लिस्ट मुझे दे दें।

चौ० भजन लाल : स्पीकर साहब, इससे ज्यादा ज्यादती की बात और क्या हो सकती है कि 30 मिनट जो सदस्य बोलना चाहे वह बोल ले। हमें बोलने के लिये कम से कम दो दिन का समय चाहिये। 25 सदस्य हमारे हैं और 25 सदस्य सरकार की तरफ से बोलेंगे उसके बाद एक घण्टा मुख्यमंत्री जी को जवाब देने में लगेगा। अगर ठीक से काम नहीं करना चाहते और हमारी बात नहीं सुनना चाहते तो आप बता दें हम चले जाते हैं।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप अपनी पार्टी के बोलने वाले सदस्यों के नाम दें।

चौ० भजन लाल (आदमपुर): अध्यक्ष महोदय, नाम भी दे देंगे। पहले मैं बोलना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, जब से श्री ओम प्रकाश चौटाला की सरकार इस प्रदेश में बनी है हर तरफ से प्रदेश में बड़ी भारी बेचैनी है। हर तरफ से लोग परेशान हैं और त्राहि त्राहि और हाय-हाय मची हुई है उस सरकार को लोग लायक कहेंगे जो चुनावों में वायदा करे और उन वायदों को पूरा करे। लोगों की जान और माल की रखवाली करे और लोगों को इंसाफ दे। लोगों को न्याय दे। जब कहीं ज्यादती हो और सरकार कुछ न करे तो अच्छी बात नहीं है। जब से यह सरकार सत्ता में आई है इस प्रदेश का हर वर्ग बहुत परेशान है और इतने भयभीत हैं, केवल जनता की ही बात नहीं है, सरकारी कर्मचारी, अधिकारी और यहां तक कि इनके मंत्री और एम०एल०एज० इतने दुःखी हैं कि मैं ब्यान नहीं कर सकता, मैं किसी का नाम ले दूंगा तो उसकी शामत आ जाएगी और उसे बहुत मुश्किल हो जाएगी।

श्री भागी राम : यह तो राम राज्य है।

चौ० भजन लाल : बड़ा भारी राम राज्य है। अगर ऐसा राम राज्य रहेगा तो संसार का कल्याण हो जाएगा। तब तो लोग तलाश करेंगे कि ओम प्रकाश चौटाला कौन से * * * * में मिलेंगे, कौन सी जगह मिलेंगे और कहां मिलेंगे, उनकी तलाश करके लाओ और उनको गद्दी पर बिठाओ। अगर इसको लोग राम राज्य कहेंगे तो इससे * * * * * सरकार न तो पहले आई है और न ही कभी आएगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी ने जो अन-पार्लियामैंटरी शब्द कहे हैं उनको कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ये ही बता दें कि मैं और क्या कहूं, * * * * नहीं तो अति * * * * * हो सकती है, इसके अलावा बहुत ही अजीब सरकार है और बहुत ही * * सरकार है, * * * * * सरकार है। (शोर) जो शब्द आप इस सरकार के लिए जोड़ना चाहें जोड़ लें।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, कोई भी अन-पार्लियामैंटरी शब्द प्रयोग न करें नहीं तो आपकी स्पीच की सिक्वैंस नहीं रहेगी। (शोर) अनपार्लियामैंटरी शब्द सदन की कार्यवाही से निकाल दिए जाएं।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले कानून-व्यवस्था के बारे में जिक्र करना चाहूंगा। आप अच्छी तरह जानते हैं कि हर व्यक्ति आज असुरक्षित महसूस करता है। चौटाला साहब प्रचार करते रहते हैं, जगह-जगह जाते हैं और कहते हैं कि प्रदेश में अमन और शान्ति है। लोग बोलेंगे तो उनकी खैर नहीं। लेकिन आप खुद सुबह जब अखबार पढ़ते हैं तो आपको रोजाना नई-घटनाएं, नए-नए वाक्यात, ज्यादतियां जुल्म, अन्याय, लूटमार, चोरी डकैती और अपहरण की कितनी ही खबरें पढ़ने को मिलती हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं कुछ बातें यहां मिसाल के तौर पर बताना चाहता हूं। अपराधियों द्वारा प्रदेश में हर तरह के रिकार्ड तोड़ दिए गए हैं चाहे तो पिछला रिकार्ड उठाकर देख लिया जाए। मैं कुछ आंकड़े सदन में बताना चाहता हूं। सरकार अपनी जिम्मेवारी से बच नहीं सकती। प्रदेश में सरकारी अधिकारियों को संरक्षण देने की बजाय उनके साथ ज्यादतियां हो रही हैं। उदाहरण के तौर पर मैं बताना चाहता हूं कि गुड़गांव में हत्या की वारदातें हुईं, 50 लाख रुपये की फिरौती के लिए देवेन्द्र चोपड़ा व उसके लड़के का अपहरण कर के हत्या की गई, गांव बसई जिला महेन्द्रगढ़ में सेठ कल्याण चन्द जैन के घर में डाका डालने गए लुटेरों द्वारा उसकी हत्या तथा उसकी पत्नी शान्ति देवी को घायल करके सम्पत्ति को लूटना, करनाल में 76 वर्षीय प्रीतम कौर की निर्मम हत्या करके उसके घर का सामान लूटना यहां तक कि उसके मृतक शरीर से आभूषण निकालना, घरौंडा में राकेश शर्मा की निर्मम हत्या, रोहतक में अवकाश प्राप्त कर्नल एच०डी० काहलों की जघन्य हत्या, रेवाड़ी में निशा यादव की हत्या कर उसके मामले को छुपाया जाना, रोहतक के व्यवसायी श्री अमित को लूटने के पश्चात् उसकी निर्मम हत्या तथा उसके साथी को घायल करना, पानीपत में सनौली रोड पर वीडियो लाइब्रेरी चलाने वाले युवक नवीन की निर्मम हत्या, पानीपत के निकट गांव झट्टीपुर के निकट अग्रसैन स्पिनर्ज लि० फैक्ट्री के मालिक 70 वर्षीय बनारसी दास गुप्ता व उसकी 65 वर्षीय पत्नी शिमला देवी की निर्मम हत्या, समालखा मण्डी

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिए गए।

[चौ० भजन लाल]

में सेठ रामकरण का मण्डी में दिन दिहाड़े कत्ल, करनाल में डा० गिरीश का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी। रादौर के पास दीना नाथ की उसके फार्म हाउस में बदमाशों ने निर्मम हत्या कर दी। इसी तरह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय दिल्ली के उप कुलपति बिजेन्द्र जैन की सोनीपत में तीन युवकों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुण्डरी के गांव फतेहपुर में हथियारबंद लोगों ने सेवानिवृत्त हैड कांस्टेबल गोपीचंद की गंडासियों से निर्मम हत्या करना और उसकी पत्नी को घायल कर लूट लिया। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त इस वर्ष मार्च महीने में संपन्न विधान सभा सैशन के बाद घटी कुछ जघन्य हत्या हुई। इससे कानून और व्यवस्था की पोल पूरी तरह खुलती है। ये घटनाएं इस प्रकार हैं– 11 अप्रैल को पानीपत जिले में राकसहेड़ा गांव के राम किशन और उसके पुत्र सतीश की हत्या कर दी गई है। 18 अप्रैल को रोहतक में न्यू मद्रास होटल के मालिक विजय कुमार पुत्र संजीव सेठी की गोली मार कर नृशंस हत्या हुई। 4 मई को पंचकूला जिले में गांव उंडारडू में 12 वर्षीय बच्ची की बलात्कार के बाद हत्या हुई। 5 मई को बहादुरगढ़ में केन्द्रीय गृह मंत्रालय में स्टैनोग्राफर के पद पर कार्यरत कर्मचारी राजकुमार खट्टर की अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसके घर में घुस कर हत्या कर दी गई। 14 मई को करनाल में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष के बड़े भाई जुगल किशोर शर्मा की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई थी। 21 मई को भिवानी सामान्य हस्पताल में इलाज के लिये दाखिल गांव लाडावास के दलबीर की दो दर्जन के करीब व्यक्तियों द्वारा हत्या कर दी गई। 23 मई को पानीपत में बाबरपुर अनाज मंडी में रहने वाले प्रीतमदास आहूजा, आढ़ती को उसके घर में ही गोलियों से भूनकर मार डाला। 7 जून को भिवानी में स्थानीय अनाज मण्डी में चंदूहेड़ा निवासी पवन पुत्र विलासराय की कुछ युवकों द्वारा दिन दहाड़े हत्या कर सवा लाख रुपये लूट लिये। 8 जून को सोनीपत में न्यायालय में पेशी के बाद लौट रहे गांव भदाना के निवासी शमशेर को गोहाना रोड पर गोलियों से भून डाला गया। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।)

उपाध्यक्ष महोदय, इससे पहले 17 फरवरी को करनाल में न्यू प्रेम कालोनी निवासी भाईचंद दलित के पुत्र राजीव की हत्या हो गई। 19 जून को गांव बराही के सरपंच श्री आजाद सिंह को अज्ञात हमलावरों ने गोलियों से भून दिया था। 20 जून को गांव मोहड़ा जिला अंबाला के पास स्थित वासन पोल्ट्री फार्म पर काम करने वाले नेपाली मजदूर रामू की चोरों द्वारा लोहे की राड से हत्या की गई और उसकी पत्नी को गम्भीर रूप से घायल कर दिया था। 3 जुलाई को सोनीपत के गुड़ मण्डी क्षेत्र के चौकीदार, साहरा गांव के निवासी नारायण की अज्ञात व्यक्तियों ने चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। 1 जुलाई को मुरथल, जिला सोनीपत से 6 वर्षीय आकाश सुपुत्र मास्टर नरेश का अपहरण कर अपहरणकर्त्ताओं ने निर्मम हत्या कर उसका शव खेतों में फेंक दिया था। 6 जुलाई को स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय योगदान करने वाले 100 वर्षीय श्री मेहताब सिंह चौहान की मॉडल टाउन, अम्बाला के नजदीक गोली मारकर हत्या कर दी थी। 10 जुलाई को पानीपत जिले में कुराड़-छाजपुर गांव के बीच स्थित धार्मिक स्थल चर्च घर में तीन नकाबपोश सशस्त्र लुटेरों ने वहां सो रहे तीन सेवादारों से लूटपाट करने के बाद जिला देवरिया निवासी इकबाल नामक सेवादार की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इतना ही नहीं 16 जुलाई को सफीदों कस्बे के साहूकार मोहल्ले में रहने वाली रेखा व उसकी पुत्री की हत्यारों ने तेज धार हथियार से नृशंस हत्या कर दी थी। 27 जुलाई को जिला सोनीपत के गांव ठरू में 17 वर्षीय युवक अभित की घर में सोते समय नृशंस हत्या कर दी गई। इसी तरह से 29 जुलाई को सांपला कस्बे के बाजार में जनता फार्मेसी के समीप

दिन-दहाड़े तीन युवकों ने इस्माइला गांव के पूर्व सरपंच ओम प्रकाश की गोली मार कर हत्या कर दी। इसी तरह से 1 अगस्त को दादरी-भिवानी मार्ग पर गांव चरखी व पैंतावास के बीच पैट्रोल पम्प पर सो रहे गांव चरखी के सज्जन पुत्र बलबीर सिंह की अज्ञात हमलावरों ने तेज धारदार हथियार से हत्या कर दी व पवन पुत्र वेदप्रकाश को गम्भीर रूप से घायल कर लूटपाट की। उपाध्यक्ष महोदय, 2 अगस्त को रिवाड़ी जिले के कुण्ड कस्बे में दिन दिहाड़े तीन हथियारबंद लुटेरों ने कुण्ड के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य महावीर सिंह व प्राध्यापक रामकिशन की गोली मार कर हत्या कर दी और उनके पास से स्टाफ के वेतन की राशि के 3 लाख 14 हजार रुपये लूट लिए और फरार हो गए। इस हमले में एक अन्य प्राध्यापक घायल हो गया। इसी तरह से उपाध्यक्ष महोदय 8 अगस्त को पानीपत में सुभाष कालोनी में सुभाष पुत्र कुंदन लाल के मकान में बैजलपुर जिला गोंडा (उत्तर प्रदेश) निवासी विमल व कोमल नाम के किरायेदारों के पास काम की तलाश के लिये आए एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या की जानकारी मिली है। उसी दिन 8 अगस्त को ही अम्बाला शहर में खटीक मण्डी में दीपक नाम के युवक की मोटर साईकिल व स्कूटर पर सवार हथियारबंद पांच युवकों ने गोली मार कर हत्या कर दी। दिनांक 20 अगस्त को बहादुरगढ़ में उप पुलिस अधीक्षक के कार्यालय के सामने हत्या के मामले में विचाराधीन कैदी को मोटर साईकिल पर सवार तीन हमलावरों ने गोली से भून डाला। इस वारदात में दो पुलिस कर्मी भी गम्भीर रूप से घायल हो गए। उपाध्यक्ष महोदय, 31 अगस्त को कैथल में ओम प्रकाश नामक कमीशन एजेंट की नई मण्डी में दो बदमाशों द्वारा नजदीक से गोली चलाकर हत्या कर दी गई। 4 सितम्बर को पंचकुला के सैक्टर 25 के नजदीक बने होटल ग्रीन पार्क के मालिक पंकज राणा की घग्गर नदी पर बने नए पुल के नजदीक अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। अध्यक्ष महोदय, ये 40 गांव हैं जिनमें निर्मम हत्याएं हुई हैं। इन गांवों में जो निर्मम हत्याएं हुई हैं उनका पूरा ब्यौरा मेरे पास है। ये निर्मम हत्याएं पिछले सैशन और इस सैशन के बीच में हुई हैं। यदि मैं इन सभी के बारे में बताऊंगा तो उसमें बहुत समय लग जाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं चोरी, डकैती व लूटपाट की घटनाओं के बारे में बताना चाहूंगा। पंचकुला के सैक्टर 21 में पत्रकार श्री त्रिभुवन नाथ के मकान पर लूटपाट हुई। पंचकुला के ही सैक्टर 17 में श्री राजेश साहनी के घर से लाखों रुपये के गहने चुराकर घर में आग लगा दी गई। इसी शहर के सैक्टर 6 निवासी अवकाश प्राप्त पुलिस महानिरीक्षक श्री राम प्रकाश के घर चोरी की घटना घटी। डबवाली के निकटवर्ती गांव चकरूलट्ट सिंहवाला में पैट्रोल पम्प से 73 हजार रुपये की लूट की गई। रोहतक में शान्तमई होटल के पास कपूर चन्द फतेहचन्द के पैट्रोल पम्प से हजारों रुपये की लूट की गई। पानीपत में मै० को० को० पैट्रोल पम्प में दो कर्मचारियों से 3 लाख रुपये लूटे गए। कुरुक्षेत्र में दिन दिहाड़े अनाज मंडी में बन्दूक दिखाकर आढ़ती अजमेर सिंह से 2 लाख रुपये लूटे गए। रोहतक के पास बन्दूक की नोक पर हरियाणा रोडवेज की बस से यात्रियों से कई हजार रुपयों की लूटपाट की गई। फरीदाबाद के सैक्टर 14 से बन्दूक की नोक पर श्री सी० सी० कश्यप के मकान में डकैती डाली गई। रेवाड़ी के निकट ग्राम खलोलपुरी के निकट दिन दहाड़े बंदूक की नोक पर 7 लाख रुपये और मारूती कार छीनी गई। फरीदाबाद के ही सैक्टर 7 निवासी अशोक कुमार से 7 लाख रुपये लूट लिए गए। दिल्ली से जीन्द आ रही ट्रेन में किनाना के पास यात्रियों को लूटा गया। गन्नौर के पास सांदलकलां स्टेशन पर चार लुटेरों द्वारा दर्जन से अधिक यात्रियों को लूटा गया। गोहाना में दिन दिहाड़े दो अज्ञात स्कूटर सवारों द्वारा हरी निवार फैक्ट्री के मुनीम बलराज राठी से एक लाख रुपये छीन कर लुटेरे फरार हो गए।

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आपको बोलते हुए 18 मिनट हो गए हैं आप कनकल्यूड करें।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक घंटा तक बोलने से पहले नहीं बैठूंगा। जब मुझे बोलते हुए एक घंटा हो जाए तब आप बता देना।

श्री उपाध्यक्ष : मैंने आपको बता दिया है कि आपको बोलते हुए 18 मिनट हो गए हैं।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, जब मुझे बोलते हुए 60 मिनट हो जाएं तब आप बता देना। पांच मिनट तो आपने बीच में टोक कर खराब कर दिए।

श्री उपाध्यक्ष : जो टाईम मैंने बीच में लिया है वह मैं आपको दे दूंगा।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, 4 अप्रैल को फतेहाबाद में अनाज मंडी के बाहर अज्ञात हथियारबंद लुटेरों द्वारा पंजाब नैशनल बैंक के कैशियर श्याम सुंदर मोंगा से 8 लाख रुपये की नकदी छीनी गई। 9 जून को गुड़गांव में दिनदहाड़े चार अज्ञात लुटेरों द्वारा विपुल मोटर्स कम्पनी के दो कर्मचारियों राजेश व रविन्द्र से 3.55 लाख रुपये लूट लिए गए। इसी प्रकार से 12 जून को बरवाला में सशस्त्र डकैतों ने एक आभूषण की दुकान पर डाका डालकर लाखों रुपये की नकदी व बेशकीमती आभूषण मय तिजोरी लेकर चलते बने। इसी तरह से 4 जून को पंचकुला के सैक्टर 12-ए के निवासी विनोद पुरी के मकान पर डाका डालकर 4 लाख रुपये कीमत का बेशकीमती सामान, आभूषण व नकदी लूट ले गए। 23 जून को अम्बाला पुलिस के एक दल ने अम्बाला छावनी निवासी मल्होत्रा के निवास पर उसकी गैरहाजरी में तलाशी के बहाने उसकी पत्नी व माता जी को अकेला पाकर 8 हजार रुपये व दो सोने की चूड़ियां चोरी की। 28 जून को कुरुक्षेत्र में रुद्रा सिनेमा के सामने सोम प्रकाश आढ़ती की सैंटरो कार से अज्ञात युवकों ने ढाई लाख रुपये लूट लिए व फरार हो गए। इसी प्रकार से 28 जून को यमुनानगर की आत्मनगर कालोनी के निवासी सूबेदार सिमरन सिंह के घर हथियारबंद डकैतों ने जमकर लूटपाट की और 17 तोले सोना, 20 हजार रुपये नकद, सी० डी० प्लेयर व आठ विदेशी घड़ियां बंदूक की नोक पर लूट कर ले गए। 2 जुलाई को अम्बाला जिले के खुड्डाखुर्द गांव के पास यमुना नगर से किराए पर लेकर आए तीन अज्ञात युवकों ने कार चालक नीरज कुमार से उसकी इंडिका कार पिस्तौल दिखाकर छीन ली और फरार हो गए। इसी प्रकार से 3 जुलाई को करनाल के सैक्टर 13 के निवासी स्टेट बैंक में कार्यरत बैंक प्रबंधक केवल कृष्ण नैनराय के निवास स्थान 2181 में दाखिल होकर उसकी पत्नी को नशीला पदार्थ खिलाकर अज्ञात बदमाशों ने घर में रखी नकदी व करीब एक लाख रुपये के सोने के जेवरात उड़ा लिए। उपाध्यक्ष महोदय, इस प्रकार के केसों की मेरे पास काफी लम्बी चौड़ी डिटेल डेटवाईज है। यदि इन सभी घटनाओं के बारे में सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा तो इसमें सदन का काफी समय लग जाएगा। ये कुछ घटनाएं मैं मिसाल के तौर पर आपके माध्यम से सरकार के नोटिस में लाया हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं बलात्कार से संबंधित कुछ घटनाएं सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा। डिप्टी स्पीकर साहब, 15 जून को गुहला चीका उप मण्डल के गांव अंगौध के एक गुरुद्वारे में माथा टेकने जा रही दसवीं कक्षा की छात्रा को गांव के ही एक युवक ने जबरदस्ती पकड़ कर अपने भूसे के कोठे में ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया और फरार हो गया। पीड़ित युवती ने लोक लाज के भय से एक पंखे से लटक कर आत्महत्या का प्रयास किया जिसके बारे में पता लगने पर परिजनों ने बचा लिया। युवती को नाजुक हालत में पटियाला के

राजेन्द्रा अस्पताल में भर्ती कराया गया। 27 या 29 जून को नारायणगढ़ उपमण्डल के गांव बड़ी रसौर की 19 वर्षीय लड़की जब नारायणगढ़ के किसी अस्पताल, जहां वह नौकरी करती है, से ड्यूटी खत्म करके गांव जाने के लिए स्थानीय बस अड्डे पर खड़ी थी, तो गांव के ही अजीत सिंह व डा० मेजर सिंह ने उसे गांव छोड़ने के लिए अपनी कार में बिठाया और वहां एक होटल में कमरा लेकर चाकू दिखाकर उसके साथ बलात्कार किया। अगले दिन विकास मल्होत्रा ऋषिराज ने भी होटल में उसके साथ बलात्कार किया। उपाध्यक्ष महोदय, यही नहीं जुलाई महीने के आरम्भ में फरीदाबाद जिले के हसनपुर गांव के मान सिंह की 15 वर्षीय लड़की का इसी गांव के महेन्द्र ने अपहरण कर उसके साथ बलात्कार किया व बाद में उसकी हत्या की। उपाध्यक्ष महोदय, बलात्कार से संबंधित मेरे पास सैंकड़ों मिसाले हैं यदि मैं उन सबके नाम लूंगा तो हाउस का बहुत सारा समय लग जायेगा।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं फिरौती से संबंधित घटनाओं के बारे में सरकार को बताना चाहूंगा। जिस समय से इनेलो सरकार सत्ता में आई है, प्रदेश में जंगल राज स्थापित हो गया। लूटपाट, हत्या, चोरी, डकैती, बलात्कार तथा फिरौती की घटनाओं में निरन्तर वृद्धि हो रही है जो जनसाधारण के लिए चिन्ता का विषय है। आज समाज का कोई भी इज्जतदार व्यक्ति अपने आपको सुरक्षित नहीं समझता है। न जाने कब उस पर गाज आन पड़े। फिरौती की ऐसी अनेक घटनाएं हुई जो इस सरकार की कानून और व्यवस्था की पोल खोलती हैं। उपाध्यक्ष महोदय, 7 जुलाई को करनाल में एक रेहड़ी लगाने वाले के 13 वर्षीय पुत्र सोनू का अपराधियों के एक समूह ने अपहरण करके फिरौती के रूप में 3 लाख रुपये की मांग की।

28 जुलाई को नारनौल की गांधी नगर कालोनी से श्री अमर सिंह और उसकी 11 वर्षीय पुत्री का अपहरण कर लिया गया और पुलिस को समय पर सूचना देने के बाद भी पुलिस मूकदर्शक बनी रही। सौभाग्य से 8 दिन पश्चात् श्री अमर सिंह अपहरणकर्त्ताओं के चंगुल से भागने में सफल हो गया लेकिन उसकी लड़की संतोष को भाग्य के सहारे छोड़कर उसके पास आंसू बहाने के सिवा कोई चारा नहीं रहा। आठ सितम्बर को पलवल में डा० गोयल और उसकी पत्नी डा० श्रीमती मंजू गोयल को अपहरणकर्त्ताओं ने अपहरण करके अस्पताल के कमरों में बंद करके उनके पुत्र का अपहरण कर लिया और बाद में फिरौती के रूप में पचास लाख रुपये की मांग की। इस तरह से ऐसे मेरे पास सैंकड़ों मिसाल हैं जिन्हें मैं आपको दे सकता हूं। इसके अलावा पुलिस हिरासत में हुई मौतों का सवाल है। 23 जुलाई को रिवाड़ी जिले के गांव गोकलगढ़ में केशुराम पुत्र अमरनाथ का उनके गांव के श्री हरिराम के साथ आपसी झगड़ा हो गया था जिसके बाद शिकायत के आधार पर अमरनाथ को पुलिस ने हिरासत में ले लिया लेकिन सदर थाने के हवलदार रघुबीर सिंह ने श्री अमर नाथ पर इतना कहर ढाया कि चोट न सहने के कारण उसकी मृत्यु हो गयी। इसी तरह से चार सितम्बर को उचाना पुलिस थाना के अंतर्गत आने वाले बहोली गांव में श्री महेन्द्र सिंह को किसी अन्य व्यक्ति के साथ पंचायत की जमीन पर आपसी झगड़ा होने के कारण पकड़ा गया लेकिन अगले दिन उसकी गांव के पास खेतों में लाश मिली। इतना ही नहीं पुलिस की ज्यादतियों के शिकार मासूम बच्चे भी हो रहे हैं। ऐसा ही एक मामला जो पुलिस की सी० आई० डी० शाखा द्वारा किया गया जिसे सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। नौवीं कक्षा के 14 वर्षीय छात्र निखिल गहलावत को यह नहीं मालूम था कि उसका क्या कसूर है। 28 अगस्त को निखिल को पुलिस उसके सहपाठी श्री राकेश कुमार के बारे में पूछताछ के लिए थाने ले गयी लेकिन पूछताछ के दौरान उसके

[चौ० भजन लाल]

साथ ऐसे अमानवीय करतब किये गये जिसे अंग्रेजों के अत्याचार भी मात कर जाते हैं। उस मासूम की नन्हीं-नन्हीं टांगों पर दो बार रोलर घुमाया गया और उसके बाद उसको बैठक भी करायी गयी जिससे उसको असहनीय पीड़ा हुई। बाद में वह बयान देने के काबिल भी नहीं रहा और उसकी मौत हो गयी। यही नहीं लड़कियों के साथ और औरतों के साथ छेड़छाड़ के अनेक मामले हैं अगर मैं सारे मामले कहूंगा तो बहुत समय लग जाएगा। इसी तरह से पंचकूला की बिगड़ती कानून-व्यवस्था के बारे में भी मैं कहना चाहूंगा। चूंकि मैं पंचकूला में रह रहा हूं इसलिए आपको बता रहा हूं। पंचकूला का एम० एल० ए० मेरा बेटा चन्द्र मोहन रोजाना एस० पी० और डी० सी० से कानून-व्यवस्था के बारे में कहता है कि हरियाणा प्रदेश की राजधानी के बिल्कुल नजदीक पंचकूला होने के कारण भी यहां की कानून-व्यवस्था की स्थिति दिनों दिन खराब होती जा रही है। वहां पर लूटमार, चोरी की घटनाएं निरन्तर बढ़ती ही जा रही हैं। सेंध लगाकर चोरी करने की घटनाएं आम बात हो गयी है। लेकिन सरकार अभी तक इनको काबू नहीं कर पायी है। शहर में आए दिन कहीं न कहीं चोरी हो रही है। अशांति का माहौल बना हुआ है। इसी तरह से मकानों के ताले टूटते हैं मकानों पर कब्जों की घटनाएं रोजाना हो रही है। ये सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सरकार पूरी तरह से फेल हो गयी है। इसके अलावा और भी बहुत सी बातें कानून-व्यवस्था के बारे में हैं लेकिन मैं इनको यहीं पर विराम देता हूं क्योंकि अगर मैं सबके बारे में बताऊंगा तो एक घंटा लग जाएगा।

श्री उपाध्यक्ष : भजन लाल जी, आपको बोलते आधा घंटा होने वाला है।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, अभी तो मेरा बोलने का मूड नहीं बना है। जब मूड बनेगा तो आपको पता लगेगा।

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी साहब, मुझे क्या पता लगेगा।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, कल चर्चा हो रही थी सरकार के कारनामों के बारे में। हाउस टैक्स को लेकर दो तारीख को हरियाणा में इतना जबरदस्त बंद रहा कि सरकार घबरा गयी, बौखला गयी और तंग आकर उसने हमारे लोगों के खिलाफ झूठे मुकदमें बना दिए हैं ये उनके साथ ज्यादतियां करते हैं।

परिवहन मंत्री (श्री अशोक कुमार) : उपाध्यक्ष महोदय, भजन लाल जी बता दें कि दो तारीख को इनकी दुकान बंद थी या नहीं, आदमपुर बंद में शामिल था या नहीं ?

चौ० भजन लाल : मेरी दुकान म्यूनिसिपल कमेटी में नहीं है। आपको यह पता होना चाहिए आदमपुर म्यूनिसिपल एरिया में नहीं है। हिसार में मेरी कोई दुकान नहीं है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप चेयर को ऐड्रस करें।

चौ० भजन लाल : हमने एक प्रिवलेज मोशन भी दिया था उसका अभी तक फैसला नहीं किया है यह हमारे साथ कितना बड़ा अन्याय है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : स्पीकर साहब से मोशन देने वालों की कोई बात हो चुकी है।

श्री मांगे राम गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदय, हम उस फैसले से सहमत नहीं हैं।

श्री उपाध्यक्ष : सहमत तो आप किसी चीज से नहीं हैं परन्तु मैं यह कह रहा हूं कि जो चौधरी भजन लाल जी की प्रिवलेज मोशन वाली बात थी वह हो चुकी है। भजन लाल जी, आप बोलें।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा कहने का मतलब यह है कि इतने टैक्स लोगों पर लाद दिये हैं कि लोगों का जीना मुश्किल हो गया है उनके मकान बिक जाएंगे लेकिन वे टैक्स नहीं दे पाएंगे, उनको जेलों में जाना पड़ेगा। इसके अलावा मैं बताना चाहता हूं कि प्रजातन्त्र में हमारे तीन एम०एल०ए० जनता के चुने हुए नुमाइंदे किसी एस०पी० के पास जाएं और वह एस०पी० उनकी बेइज्जती कर दे और कह दे कि यहां क्यों आए हो, यह रास्ता पड़ा है आप चले जाओ। क्या-क्या कह दिया वे खुद बताएंगे, इससे बुरी बात और क्या हो सकती है ? उस मोशन को उसके खिलाफ लाये नहीं, वैसे लाएंगे। उनके खिलाफ भी कार्यवाही होनी चाहिए। जो हाउस टैक्स लगाया गया है उसका बिल भी हमारी गैर हाजिरी में पास कर दिया है। मेरा निवेदन है कि उस बिल को वापस लें और दोबारा से उस पर विचार करें। मेरा यह सुझाव है।

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी साहब, आप वाईंड अप करें। आपको अकेले को बोलते हुए आधा घंटा हो चुका है।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने बहुत ही जरूरी बातें कहनी हैं और हमने दो दिन का समय इन बातों के लिए मांगा हुआ है हम दो दिन बोलेंगे। (विघ्न) मागने वाले हम नहीं हैं। उपाध्यक्ष महोदय, जनता पर हर तरह से करों का बोझ है। घोटालों से बनी हुई यह सरकार है, झूठ बोलकर बनी हुई सरकार है लोगों से ये ज्यादती करें और उपाध्यक्ष महोदय, आप हमें बोलने भी नहीं दें तो हम कहां बोलेंगे ? लोगों की समस्याएं कहां पर रखेंगे ? क्या प्रदेश में हालत हैं ? सिर्फ हाउस टैक्स तक ही ये सीमित नहीं है हाउस टैक्स के अलावा हर चीज पर टैक्स लगा दिया। चाय की दुकान पर टैक्स, छोटे-छोटे होटलों पर टैक्स, ढाबों पर टैक्स, रैस्टोरैंट और धर्मशालाओं पर टैक्स, बर्फ कारखानों और आटा मिलों पर भी टैक्स लगा दिया। कोई चीज नहीं छोड़ी जिस पर टैक्स न लगाया हो। हर तरह से टैक्स लगाए। लोग अस्पताल में पर्ची कटवाएं तो टैक्स लगा दिया पहले एक रुपया था उसका पांच गुना कर दिया। हर तरह से लोग बहुत ही दुखी हैं। यही नहीं लोगों को बिजली नहीं मिलती, पानी नहीं मिलता लोग बहुत दुखी हैं और सरकार को सौ-सौ मन की गाली देते हैं। जब ये जनता में जायेंगे तब इनको पता लगेगा। इनको घमंड है, ये इस्तीफा देकर लड़ाई लड़ कर देख लें और मैं भी इस्तीफा दे दूंगा फिर देखते हैं कि कौन दोबारा चुनकर आता है। मैं दोबारा बनकर आ जाऊंगा। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली के बारे में यहां पर माजरा साहब ने चर्चा की। माजरा साहब एक शरीफ आदमी हैं उनको तो लिखकर एक कागज पकड़ा दिया जाता है कि इस कागज को सारे को पढ़ दो ताकि कोई दोबारा से कुछ पूछ न ले और सरकार की पोजीशन खराब न हो जाये। इसलिए माजरा साहब तो कागज को पढ़ते ही जाते हैं।

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप वाईंड अप कीजिये। मैं तीसरी बार आपको कह रहा हूं और आप नो कांफीडैंस मोशन पर बोल रहे हैं इसलिए इस समय माजरा साहब पर कोई कौमैंट्स मत कीजिये क्योंकि इन पर आप पहले ही काफी कौमैंट्स कर चुके हैं। अब आप कृपया बैठें।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, ऐसा मत कीजिये आप तो मेरे पड़ौस में बैठते हैं पड़ौसी होने के नाते तो ऐसा कम से कम न करें।

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप वाईंड अप कीजिये। आपको बोलते हुए एक घण्टा हो गया है आप शीघ्र वाईंड अप कीजिये आपको मैं नाराज नहीं करूंगा।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से बिजली की दरों में कितनी बढ़ौत्तरी कर दी है। चुनाव के दौरान लोगों से वायदा करके आये थे कि बिजली और पानी मुफ्त देंगा। पहले लोगों को बहका दिया कि बिजली के बिल मत भरो और अब क्या कहते हैं कि पहले बिजली बोर्ड से एन०ओ०सी० लेकर आओ। कोई लैण्ड ट्रांसफर करवानी है तो भी कहते हैं कि पहले बिजली बोर्ड से एन०ओ०सी० लेकर आओ। अगर टैक्सी की रजिस्ट्रेशन करवानी है तो कहते हैं कि पहले बिजली बोर्ड से एन०ओ०सी० लेकर आओ। चाहे स्कूल में बच्चा दाखिल करवाना है तो कहते हैं कि पहले बिजली बोर्ड से एन०ओ०सी० लेकर आओ। कोई भी तहसील में काम करवाना है तो कहते हैं कि पहले बिजली बोर्ड से एन०ओ०सी० लेकर आओ। पहले तो लोगों को बहका दिया कि बिजली के बिल मत भरो और आज उनके खिलाफ वारंट जारी कर रहे हैं यह कितने शर्म की बात है। इन्होंने लोगों से वायदे किये थे और अब उनके खिलाफ वारंट जारी कर रहे हैं इससे बड़ा अन्याय और क्या हो सकता है। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक एस०वाई०एल० नहर की बात है। एस०वाई०एल० नहर का सवाल एक अहम सवाल है और यह स्टेट का एक अहम मुद्दा है जो हरियाणा प्रदेश से जुड़ा है। एस०वाई०एल० नहर हरियाणा प्रदेश की जीवन रेखा है। उपाध्यक्ष महोदय, लेकिन अब यह सरकार एस०वाई०एल० नहर का नाम नहीं ले रही है। जब यह सरकार सत्ता में नहीं थी तो रोजाना नारा लगाते थे और आलोचना किया करते थे कि हम एस०वाई०एल० नहर का पानी लाकर देंगे। कैसे लाकर देंगे क्योंकि श्री प्रकाश सिंह बादल पंजाब के मुख्यमंत्री इनके बड़े भाई हैं।

प्रो० सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, श्री बेअन्त सिंह जी के समय इन्होंने क्या किया था।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, श्री दरबारा सिंह जी के समय इस नहर की आधारशिला हमने ही रखवाई थी (विघ्न) मैंने इस नहर के लिए लड़ाई लड़ी है। जनता जानती है कि इस नहर के लिए कांग्रेस पार्टी ने लड़ाई लड़ी है। श्रीमती इंदिरा गान्धी जी की मेहरबानी से यह हरियाणा बना और हरियाणा का विकास करने में उनकी पूरी सहायता रही और कपूरी गांव, जिला पटियाला में उन्होंने खुद एस०वाई०एल० नहर के काम का उद्घाटन किया और हरियाणा के हितों की रक्षा की और हरियाणा प्रदेश को पानी दिया। 95 प्रतिशत काम उस नहर का पूरा हमने करवाया। उसके बाद चौटाला साहब ने उस नहर को बनाने का नाम नहीं लिया क्योंकि पंजाब में चुनाव होने वाले हैं इसलिए इनके भाई का कहीं नुकसान न हो जाये। यही नहीं चुनावों में उनकी मदद के लिए यहां से बड़े-बड़े आतंकवादी, डकैत, चोर, बदमाश, कत्ल करने वाले लोग जेलों से रिहा कर दिये ताकि वे पंजाब में चुनावों के समय बूथ कैप्चरिंग कर सकें और पंजाब में श्री प्रकाश सिंह बादल का राज पुनः आ जाये। और ऐसे लोगों को छोड़ इसलिए रहे हैं ताकि जब कभी हरियाणा में चुनाव हों तो * * * * * * * साहब इनकी मदद कर सकें लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम इनका इलाज करेंगे, कांग्रेस इनका इलाज करेगी ताकि कहीं ज्यादती, जुल्म, लूटमार और अन्याय न हो सके। एस०वाई०एल० नहर का पानी इनको हरियाणा में लाना चाहिए लेकिन सरकार इसका नाम ही नहीं लेती।

श्री उपाध्यक्ष : भजन लाल जी, आपको बोलते हुए 45 मिनट हो गए हैं, आप जल्दी वाइंड अप करें। माननीय स्पीकर साहब ने आपकी पार्टी को बोलने के लिए 30 मिनट का समय दिया था लेकिन आप अकेले 45 मिनट बोल चुके हैं।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, अभी तो कुछ भी बातें नहीं हुईं। अभी तो मेरा पूरा गला भी गरम नहीं हुआ। अभी तो मुझे बहुत कुछ कहना है। आज प्रदेश की जनता के साथ इतनी

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

ज्यादतियां, जुल्म और अन्याय हो रहे हैं, जगह-जगह जमीनों पर कब्जे, जगह-जगह लूटमार हो रही है बड़ी भारी करप्शन हो रही है। इसलिए इस सरकार के खिलाफ हम अविश्वास का प्रस्ताव लाए हैं। इन सारी बातों की चर्चा हमने करनी है।

श्री उपाध्यक्ष : बादल साहब का नाम रिकार्ड न किया जाए।

चौ० भजन लाल : मैं बादल न कहकर पंजाब का मौजूदा मुख्यमंत्री कह देता हूँ। शहीदों के परिवारों की मदद नहीं हो रही है। सरकारी कर्मचारियों को, अधिकारियों को नौकरियों से निकाला जा रहा है। बोर्ड और कारपोरेशंज से कर्मचारियों को निकाला जा रहा है। पुलिस के सिपाही जो इन्होंने लगाए थे, हाई कोर्ट ने फैसला भी उनके खिलाफ किया था, फिर भी मैंने उनको यह सोचकर नौकरी में रखा कि वे ओवर एज होने जा रहे थे। ये गरीब लोग कहां जाएंगे उनके बच्चे कहां जाएंगे, मैंने उनके साथ ज्यादती या अन्याय नहीं होने दिया। मैं तो यह कहना चाहता हूं इस बार सुप्रीम कोर्ट ने जो 1600 सिपाहियों को निकाला है उनको भी नौकरी में वापिस रखा जाना चाहिए, अगर सुप्रीम कोर्ट ने इन सिपाहियों के खिलाफ कुछ कह भी दिया तो भी इनको वापिस नौकरी में रखा जाना चाहिए क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने किसी के खिलाफ कोई ऐलीगेशन तो नहीं लगाया। (शोर) उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे यह कहना है कि आज पूरे प्रदेश में एक भी उद्योग नया नहीं आया। बड़ा भारी मंत्रिमंडल लेकर यह सरकार बाहर गई थी। औफिसर्ज और औफिशियल का क्या दोष है वे तो वही करेंगे जो ये कहेंगे इसलिए औफिसर्ज और औफिशियल भी उनके साथ गए। एक भी उद्योग प्रदेश में नया नहीं लगा। उल्टा इनके गलत कारनामों और इनकी गलत नीतियों की वजह से यहां से उद्योगों का पलायन हो रहा है। यह सरकार उद्योगपतियों को कोई राहत देने की बजाय उनको परेशान कर रही है। अब उद्योगपतियों से पूछा जाता है कि कितने की इंडस्ट्री लगा रहे हो अगर वे कहते हैं कि 500 करोड़ की तो कहा जाता है कि 100 करोड़ रुपये तो पहले दे दो बाकी बाद में देते रहना। आज यहां हर काम के लिए पैसा लिया जाता है। मैं सैंकड़ों मिसालें दे सकता हूं। मैं ऐसी मिसाल दे सकता हूं जिसकी लोग चर्चा करते हैं, उपाध्यक्ष महोदय, आपके गुड़गांव के लोग भी कहते हैं।

श्री उपाध्यक्ष : भजन लाल जी, आप मेरी बात न करें।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी बात नहीं करता।

श्री उपाध्यक्ष : आप मेरी बात कह भी रहे हैं और कह रहे हैं कि मैं आपकी बात नहीं कह रहा। भजन लाल जी, मैं आपकी बड़ी इज्जत करता हूं। आप सरकार के खिलाफ बोलें मेरे बारे में नहीं। आप बोलते हुए समय का ध्यान रखें तथा अपनी स्पीच 2 मिनट में खत्म करें।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार को एक मिनट भी गद्दी पर रहने का अधिकार नहीं है। इनको खुद यह गद्दी छोड़कर चले जाना चाहिए, इसी में इनकी बेहतरी है। आप कहते हैं कि मैं अपनी बात वाईंड अप करूं तो ठीक है लेकिन 2 दिन तक सैशन चलेगा तभी सभी प्वांयट्स पर अपनी बात कह सकूंगा, अभी तो बहुत कुछ कहना बाकी है।

श्री मांगे राम गुप्ता (जीन्द) : आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, आज हमारी तरफ से सरकार के 12.00 बजे खिलाफ जो अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है मैं उसके पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। आपने मुझे इस पर बोलने के लिए समय दिया इसलिए मैं आपका बड़ा आभारी हूं।

[मांगे राम गुप्ता]

उपाध्यक्ष महोदय, जब चर्चा शुरु हुई तब संपत सिंह जी ने हाउस में कहा इनका राज राम राज्य है इसलिए मैं आपके माध्यम से संपत सिंह जी को कहना चाहूंगा कि कहने से राम राज्य नहीं होता। एक धोबी के कहने पर ही राम ने सीता का परित्याग कर दिया था। यह इतिहास की बात है आप सभी जानते हैं कि धोबन राजा राम के पास गई और कहा कि उसको धोबी ने त्याग दिया है इस पर राम ने धोबी को सभा में बुलाया और उससे पूछा कि तुमने धोबन को क्यों त्यागा है ? जब धोबी ने कहा कि महाराज आप तो राजा हैं इसलिए मैं आपके सामने ज्यादा नहीं बोल सकता, इस पर राम ने कहा कि मेरे राज में सभी को अपनी बात कहने का हक है इसलिए तुम्हें जो कुछ कहना है वह कह सकते हो। तुम्हें किसी का डर नहीं है और उसके बाद जो कुछ हुआ वह आप सब जानते ही हैं कि किस तरह से धोबी के कहने पर राम ने सीता माता का परित्याग कर दिया था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। मेरे माननीय साथी मांगे राम गुप्ता जी इस सदन के बहुत सीनियर सदस्य हैं और ये मंत्री के पद पर भी सुशोभित रहे हैं। मैं इनसे निवेदन करना चाहूंगा कि मर्यादा पुरूषोतम राम और माता सीता के बारे में सभी लोग बहुत सम्मान रखते हैं इसलिए उनका नाम इस तरह यहां न लिया जाये। (शोर एवं व्यवधान) लोग माता सीता को तो रामचन्द्र जी से भी ज्यादा सम्मान देते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इसलिए मेरी आपसे भी प्रार्थना है कि गुप्ता जी को इतनी छूट न दी जाये कि ये मर्यादा पुरूषोतम राम और माता सीता के बारे में यहां इस तरह की बात करें।

श्री मांगे राम गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे बड़ा अफसोस है कि मेरे माननीय साथी बिसला जी ऐसी बात कह रहे हैं मैं तो सिर्फ इतिहास की बात कह रहा था। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती अनीता यादव : उपाध्यक्ष महोदय, - - - -

श्री उपाध्यक्ष : अनीता जी, प्लीज आप बैठें।

श्री मांगे राम गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने राम राज की बात इसलिए की है क्योंकि चौधरी संपत सिंह जी कह रहे थे कि इनका राज राम राज है और इनको बताना चाह रहा था कि राम राज क्या था ? मैंने कुछ गलत नहीं कहा यह इतिहास की बात है। (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, जब भी कोई सरकार किसी तरह की ज्यादती जनता पर करती है तो जनता सरकार के खिलाफ अपना रोष जताती है। पहले लोग अपनी परेशानी सरकार को लिखकर देते हैं यदि सरकार उसको नहीं मानती है तो लोग प्रदर्शन करते हैं और सरकार तब भी नहीं मानती तो लोग हड़ताल करते हैं। लेकिन चौटाला साहब जब विपक्ष में थे उस समय इन्होंने सरकार के खिलाफ विरोध किया था उस समय इन्होंने सड़कें जाम कर दी थीं, सड़कों के किनारे लगे दरख्त भी काट डाले थे। आज अगर कोई सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन करे तो उसे जेलों में डाल दिया जाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, बिजली के मैकेनिकल मीटरों की जगह नए इलैक्ट्रोनिक मीटर लगाए गए जिसके विरोध में अगर एजीटेशन किया जाता है तो लोगों को जेलों में डाल दिया जाता है। जब इलैक्ट्रोनिक मीटर लगाने के विरोध में जीन्द के अन्दर महिलाओं ने एजीटेशन किया तो उन पर 307 का मुकदमा दर्ज करके उनको जेल में डाल दिया गया। डिप्टी स्पीकर साहब, आपने 5 नवम्बर 2001 का अमर उजाला अखबार पढ़ा होगा। उसमें इलैक्ट्रोनिक मीटरों के बारे में हैडिंग

है "बिजली निगम को लगा इलैक्ट्रोनिक मीटरों का झटका"। इस हैडिंग के अन्दर इलैक्ट्रोनिक मीटरों के बारे में पूरी न्यूज दी हुई है। इस न्यूज में बिजली निगम ने खुद माना है कि इलैक्ट्रोनिक मीटर की परचेज में बड़ी भारी हेराफेरी हुई है और ये मीटर गलत हैं। जिस चीज को खुद महकमा गलत मानता है और लोग उसका विरोध करते हैं तो उन पर मुकदमा दर्ज करके उनके साथ बड़ा भारी अन्याय किया जाता है। अन्याय लोगों के खिलाफ ही नहीं हो रहा है बल्कि महिलाओं के खिलाफ 307 का मुकदमा दर्ज करके उनको जेल में डाल दें, इससे बुरी बात और कोई नहीं हो सकती। इसका मुझे बहुत अफसोस है। डिप्टी स्पीकर साहब, प्रदेश में ला एंड आर्डर की स्थिति के बारे में विपक्ष के नेता ने बहुत सी बातें सदन के सामने रखी हैं। मैं उन बातों का रैपीटिशन नहीं करूंगा क्योंकि जो बातें विपक्ष के नेता ने कही हैं वे सारी बातें हाउस की कार्यवाही में दर्ज हो गई हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी जींद की ग्रिवैंसिज कमेटी को चेयर करते हैं और वे महीने में एक बार वहां पर ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग करते हैं। मैं इनको इस बात की दाद देता हूं कि ये वहां की किसी भी ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग को मिस नहीं करते। उस मीटिंग में ये लोगों से मिलते हैं और उनकी बात सुनते हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, जिस जिले की हर महीने होने वाली ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग को चेयर करने के लिए मुख्य मंत्री जाएं और उस जिले में ऐसी वारदातें हों जो अभी मैं आपके सामने बताऊंगा तो फिर लोग राम राज्य का सपना कैसे देख सकते हैं? मेरे हल्के में एक दरियावाला गांव है उस गांव के एक 16 साल के लड़के का कत्ल ही नहीं किया गया बल्कि उसको इतने बुरे तरीके से मारा गया कि अगर कोई आदमी उसकी लाश को देख लेता तो वह अपने आपको रोने से नहीं रोक सकता था। आज इस बात को महीने से ऊपर हो गया है इस बारे में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। डिप्टी स्पीकर साहब, लूटखसूट की वारदातें हो जाती हैं और दुश्मनी के कारण आदमी का कत्ल भी हो जाता है लेकिन उस बारे में मुल्जिम गिरफ्तार न हो तो फिर सरकार प्रदेश में राम राज्य की बात कैसे कह सकती है। यह बात मेरी समझ में नहीं आई। डिप्टी स्पीकर साहब, सिरसा डिस्ट्रिक्ट मुख्य मंत्री जी का होम डिस्ट्रिक्ट है। हमने सोचा कि वहां तो राम राज होगा लेकिन वहां के हरियाणा प्रदेश के व्यापार मंडल के प्रतिनिधि श्री राम प्रकाश सेठी के चार साल के लड़के को अपराधी लोग दिन में ही बाजार से उठाकर ले गए लेकिन मैं दाद देता हूं उन लोगों को जो उन अपराधियों के पीछे लग गए और उसके पीछे लगने से वे लोग उस लड़के को दो किलोमीटर दूर जा कर छोड़ कर भाग गए। इस बात को आज महीने से ऊपर हो गया है। आज तक सरकार यह पता नहीं कर पाई है कि वे अपराधी कौन हैं? बच्चे स्कूलों में जाते हैं वे सेफ नहीं हैं। दुकान में व्यापारी सेफ नहीं हैं। पैट्रोल पम्प पर मालिक या कर्मचारी सेफ नहीं हैं। बाजार में आदमी जाता है वह सेफ नहीं है। फिर यह सरकार कैसे कह सकती है कि प्रदेश में ला एंड आर्डर की स्थिति ठीक है।

डिप्टी स्पीकर साहब, सदन में हाउस टैक्स के बारे में चर्चा हुई। अब इनको पता लग जाएगा कि हाउस टैक्स किस तरीके से लगाया जाता है। एक मकान बनाने पर इतनी पैनल्टी रख दी और इतनी बड़ी सजा रख दी कि कोई आदमी मकान बना ही नहीं सकता क्योंकि आपने मकान बनाने के टैक्सिज ही बहुत अधिक रख दिए हैं। लोगों ने इसका विरोध किया। हमने भी इस नीति के खिलाफ सारे हरियाणा में बन्द का आह्वान किया। (विघ्न) मैं यह नहीं कहता कि इस टैक्स के विरोध में हमारी पार्टी द्वारा आयोजित बन्द पूरी तरह सफल हुआ या नहीं हुआ। यह बन्द सफल हुआ या नहीं इस बारे में तो प्रदेश की जनता ही जानती है। किसी ने इस बन्द के विरोध में अपनी दुकानें बन्द की या नहीं की कोई बात नहीं। उपाध्यक्ष महोदय, आप भी राजनीति में हमेशा से रहे

[मांगे राम गुप्ता]

हैं और अब भी आप इसी राजनीति की मार्फत विधान सभा में उपाध्यक्ष के पद पर विराजमान हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूं कि क्या कोई आदमी या प्रतिनिधि अपनी मांगों को लेकर या जनता की मांगों को लेकर सरकार के किसी अधिकारी के पास या किसी मंत्री के पास जाये तो क्या वह गुनाह है? ऐसी कोई शिकायत लेकर जाना कोई गुनाह तो नहीं है। हम सब लोग वहां पर शिकायत लेकर गए थे। हम पर केस बना दिया, कोई बात नहीं। केस दर्ज है और कोर्ट में उस केस की एफ०आई०आर० भी जा चुकी है। धारा 323, 347, 148 तथा 506 के तहत केस दर्ज है। इन धाराओं के तहत कोर्ट से बेल हो जाती है। बाद में धारा 395 के तहत डकैती का केस बना दिया। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे एक बात कहनी पड़ेगी कि यह केस किस की तरफ से बना दिया इस बारे में मैं हरियाणा की जो एक कहावत है उस बारे में आपको व सदन को बताना चाहूंगा। एक डूम के घर में चोर घुस गए और उन चोरों को उस डूम के घर में कोई सामान नहीं मिलता तो फिर वे आपस में बतलाने लग गए कि आज की रात तो खराब गई, क्योंकि यहां पर इस घर में कुछ मिला नहीं। इस पर डूम बोला चोरो मुझे दिन में ही इस घर में कुछ नहीं मिलता तो तुम्हें रात में इस घर में क्या पावेगा? उपाध्यक्ष महोदय, इस शिकायत के बारे में मैं आपकी मार्फत मुख्यमंत्री को कहना चाहता हूं कि वह 10 तारीख को जीन्द में प्रिवेन्सिज की मीटिंग में जाएंगे। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप वहां पर खुद मौके पर उस दुकान पर जाएं कि उसमें क्या डकैती हुई है, वह कितनी बड़ी दुकान है और उसमें कितना सामान होगा, उसको आप स्वयं मौके पर जाकर जरूर देखें तब आपको असलियत पता लग जायेगी। उस वक्त आपको पता लग जाएगा कि कौन आदमी डकैती में है और किस के नाम पर उसमें केस दर्ज किया गया है। इस संबंध में जब हम 20 आदमी एस०पी० साहब से समय लेकर अपनी बात कहने गए तो एस०पी० साहब ने हमारी बात नहीं सुनी। उपाध्यक्ष महोदय, इस वक्त इस हाउस की चेयर पर आप विराजमान हैं और आप हमारे कस्टोडियन हैं। हमने वहां पर जो बात कही, उसमें सरकार के खिलाफ कोई बात नहीं थी। हमने उस अधिकारी के बारे में जो प्रिवलेज मोशन दिया उसकी आप प्रिवलेज कमेटी की मार्फत इन्क्वायरी करवाते। उस इन्क्वायरी के बाद यदि हम गलत होते तो प्रिवलेज कमेटी हमें दोषी पाती और फिर हाउस हमें सजा दे सकता था। लेकिन हमारी बात को न मानते हुए हमारे अनुरोध को भी आपने गवर्नमैंट के कमैंटस मांगने के लिए सरकार को भेज दिया, जो ठीक नहीं है। उस अधिकारी के संबंध में हाउस के मौजूदा तीन एम० एल० एज० कह रहे हैं और उन्होंने इस बारे में लिखकर भी दिया है लेकिन फिर भी सरकार ने उसको नहीं माना। मुझे नहीं पता कि उसको न मानने के पीछे सरकार पर क्या दबाव था ? मैं पूछना चाहता हूं कि क्या हम क्रिमिनल आदमी हैं। जब हम उस अधिकारी से बात करने गए तो वह कहता है कि मैंने ऐसे बहुत से एम०एल०एज० देखें हैं, मैं इनकी बात सुनना नहीं चाहता। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या हम क्रिमिनल आदमी हैं ? ऐसा तो हम आपके इस राज में ही देख रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार हमारी कोई बात सुने नहीं और न ही कोई अधिकारी हमारी बात सुने तो फिर एम०एल०एज० कहां जाएं ? उपाध्यक्ष महोदय, एम०एल०एज० के आप कस्टोडियन हैं, वे जब कोई प्रिवलेज मोशन लिख कर आपको देते हैं तो उसको एडमिट न करने के बहाने सरकार को कमैंटस लेने के लिए भेज दिया। ऐसा तो हमने केवल पहली बार ही सुना है। हम तो यही सोचते थे कि प्रिवलेज कमेटी में आप उसको रैफर करेंगे और उसकी इन्क्वायरी करवाते। इसमें फिलहाल किसी को कोई सजा देने की बात नहीं थी। अभी तो मामला प्रिवलेज कमेटी को ही जाता है और उसके बाद वह प्रिवलेज कमेटी उस मोशन की इन्क्वायरी

करती। उस इन्क्वायरी के बाद अगर हम कसूरवार होते तो हमें सजा मिलती। लेकिन हमारी बात को इस तरह से टालना एक तरह से सभी एम०एल०एज० के साथ बहुत बड़ी ज्यादती है। उपाध्यक्ष महोदय, कोई एम०एल०ए० पहले बनता है और उसके बाद ही कोई मुख्यमंत्री, स्पीकर या डिप्टी स्पीकर बनता है। हम आपकी मार्फत सरकार से निवेदन करना चाहते हैं कि एम०एल०एज० को आप चाहे ग्रान्टस दें या ना दें, एम०एल०एज० को चाहे आप कोई सुविधा दें या न दें लेकिन मेरा कहना है कि एम०एल०एज० को पूरा सम्मान हरियाणा सरकार की तरफ से होना चाहिए अधिकारियों को इस बात का कोई हक नहीं होना चाहिए कि वह चाहे जिस विधायक की बेइज्जती कर दे। यह कोई छोटी बात नहीं है, यह बहुत ही गंभीर बात है।

श्री उपाध्यक्ष : गुप्ता जी, आपको बोलते हुए 15 मिनट हो गए हैं इसलिए आप अपनी बातों को थोड़ा शोर्ट करें।

श्री मांगे राम गुप्ता : डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं जो बात कहना चाहूंगा वह सरकार के आंकड़ों के मुताबिक ही कहना चाहता हूं। इस वक्त फाईनांस मिनिस्टर साहब चले गए हैं लेकिन मुख्यमंत्री जी सदन में मौजूद हैं। मैं इनके नोटिस में लाना चाहता हूं कि इनके मुताबिक 37 परसेंट टैक्स इन्क्रीज हुआ है। 37 परसेन्ट टैक्स की इन्क्रीज कैसे हो गई, यह इसलिए हो गई कि सरकार ने जनता के साथ टैक्स लगा कर ज्यादतियां की इसीलिए तो इतनी अधिक 37 परसेंट इन्क्रीज हुई। उपाध्यक्ष महोदय, आज सरकार पर लोन की क्या हालत है, इस बारे में मैंने जो सवाल पूछा था वह सवाल जानबूझकर टाईम लंबा कर निकाल दिया। इन्होंने आज एक जवाब में बताया है कि हरियाणा के जो बोर्डज और कारपोरेशन्ज हैं उन पर 7 हजार करोड़ रुपये का कर्ज है। इसी कर्ज के संबंध में जहां तक मेरी जानकारी है हरियाणा सरकार पर 20 हजार करोड़ रुपये का लोन है। डिप्टी स्पीकर साहब, हम 1996 में जब सरकार छोड़ कर गए तो उस वक्त सरकार पर केवल 7-8 हजार करोड़ रुपये का लोन छोड़ कर गए थे। मेरे कहने का मतलब यह है कि 30 साल में तो हरियाणा सरकार पर केवल 7-8 हजार करोड़ रुपये का लोन और फिर 1996 के बाद यानि केवल 5 सालों बाद 20 हजार करोड़ रुपये का लोन हो तो यह कोई छोटी बात नहीं है। सरकार पर इतना अधिक लोन होने के बाद फिर विकास का ढिंढोरा पीट कर खुद को सेठ बताना चाहें तो यह कौन सी बड़ी बात हुई। कोई आदमी कर्जा लेकर हवेली बना कर मुंह दिखाना चाहे तो यह कौन सी ठीक बात हुई। इसी प्रकार से सरकार कर्जा लेकर काम करे यह कौन सी जायज बात हुई। उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर सम्पत सिंह जी या दूसरे मंत्री महोदय कह रहे थे कि कमेटीज का काम चलाने के लिए या सरकार का काम चलाने के लिए टैक्स लगाने पड़ेंगे। अगर टैक्स लगाकर ही काम करेंगे तो यह कौन सी बहादुरी हुई। इस काम को तो कोई अनजान आदमी भी कर देगा। अगर आप किसी अनजान आदमी की जेब से पैसा लेकर कह दो कि मैं उसे लंच दूंगा और उसकी जेब से सौ रुपये निकाल लें तो क्या होगा ? इसी तरह से डिप्टी स्पीकर सर, यह कर्जा इनके सिर पर नहीं है बल्कि यह कर्जा हरियाणा के लोगों पर है। इन्होंने 27 हजार करोड़ रुपये का कर्जा हरियाणा के लोगों पर चढ़ा दिया है। अब इसको कौन देगा ? लेकिन ये ढिंढोरा सड़कों का पीटते हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, 3 नवम्बर के दैनिक भास्कर अखबार के ऐडीटोरियल कॉलम का हैडिंग है जिसमें लिखा है "असुरक्षित होती सड़क यात्रा"। इसमें सड़कों पर होते ऐक्सीडैंटस के द्वारा दर्दनाक मौतों के बारे में बताया गया है। आज बहुत ही दर्दनाक मौतें हरियाणा की सड़कों पर हो रही हैं लेकिन सरकार फिर भी सड़कों का ढिंढोरा पीट रही है। अगर सड़क बढ़िया बनायी जाती

[श्री मांगे राम गुप्ता]

था सरकार का ट्रैफिक कंट्रोल अच्छा होता तो यह ऐक्सीडैंटस नहीं होते। डिप्टी स्पीकर सर, यह मैं नहीं कह रहा हूं बल्कि यह अखबार कह रहा है।

श्री उपाध्यक्ष : मांगेराम जी, अब आप वाइंड अप करें।

श्री मांगे राम गुप्ता : सर, मैं तो आपके हुक्म को मानूंगा। हमें बोलने का इतना शौक नहीं है। सर, इसी तरह से अमर उजाला अखबार में जींद की एक खबर पढ़ी कि जींद में हथियारों से लैस सैंकड़ों कालेज छात्रों के उत्पात से दशहत। इसी कारण से वहां का छोटू राम कालेज बंद करना पड़ा और उस कालेज के परिसर में पुलिस तैनात कर दी गयी है। डिप्टी स्पीकर सर, इस तरह की घटनाएं हरियाणा के लिए बहुत बड़ी चेतावनी है। अगर हरियाणा का नौजवान आज इस हालत में आ गया है कि स्कूलों और कालेजों में खतरनाक हथियार लेकर किसी को पीट सकता है या मार सकता है तो फिर तो हरियाणा को संभालना मुश्किल हो जाएगा। यहां पर स्वप्न लेने से किसी को फायदा नहीं होगा क्योंकि हरियाणा में तो हालात बदत्तर होते जा रहे हैं। आज हरियाणा के नौजवान सड़क पर इसलिए आ गए हैं क्योंकि अब न तो उनको नौकरियां मिलती हैं और न ही उनकी शादियां होती हैं । अब आप ही बताएं कि वह कहां जाऐंगे। क्या वे सरकार के घर में आकर बड़ेगें।

श्री राम कुमार नगूरा : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं गुप्ता जी से जानना चाहूंगा कि इनके शासन काल में कितने लड़कों को नौकरी मिली ? मैं इनको बताना चाहूंगा कि इस सरकार के समय में इनके समय के मुकाबले ज्यादा लड़के लगे हैं। वे हमें यह भी बता दें कि इन्होंने कितनी बार कन्यादान किया है ?

श्री मांगे राम गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदय, काले को कौन ब्याहवे है लेकिन इन्होंने तो मुझे बहुत सुन्दर बहू दे रखी है।

श्री उपाध्यक्ष : गुप्ता जी, अब आप बैठें। आपको बोलते हुए बीस मिनट हो गए हैं। अब बंसी लाल जी बोलेंगे।

चौधरी बंसी लाल (भिवानी) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं कुछ बातें कहना चाहता हूं और कुछ सुझाव भी देना चाहता हूं। सबसे पहले तो मैं यह बात कहूंगा कि दक्षिणी हरियाणा, जिसमें कई जिले शामिल हैं करीब आधे जिले शामिल हैं उनमें मेन क्रोप है बाजरा । केन्द्रीय सरकार ने बाजरे की 485/- रुपये सपोर्ट प्राइस तय की । मैंने शांता कुमार जी से बात की जो फूड सप्लाई मिनिस्टर हैं भारत सरकार में, उन्होंने कहा कि हमने स्टेट गवर्नमैंटस को कहा है कि वह 485/- रुपये में खरीद लें और उसको बेच लें जो घाटा रहेगा हम देंगे। मैंने उनसे रिपीट करके पूछा कि घाटा तो आप देंगे ना, उन्होंने कहा, हम देंगे। उसके बाद सिरसे से मुख्य मन्त्री जी का एक ब्यान आया कि हम सबका बाजरा खरीदेंगे मगर अभी तक मेरा खयाल है कोई बाजरा खरीदा नहीं गया क्योंकि वहां का जो किसान है कई साल में तो एक फसल होती है और इस साल इत्तेफाक से यह फसल अच्छी हुई थी तो बाजरा सरकार को प्रोक्योर करना चाहिए और जो पहले गेहूं, पैडी प्रोक्योर कर रखी है स्टोरेज का प्रबन्ध स्टेट में पूरा नहीं है आज उन फसलों की हालत खराब है बारिश से खराब हो गई हैं सड़ती हैं कई जगह। तो मैं सरकार को यह भी सुझाव देना चाहूंगा कि स्टोरेज का प्रोपर प्रबन्ध करवायें चाहे को-आप्रेटिव सोसाईटीज से चाहे प्राईवेट लोगों से गोदाम बनवाएं और

उस माल को रखने का, गेहूं को, पैडी को और चावल को रखने का प्रबन्ध करें और दूसरी चीज यह है कि आज फसल की साढ़ी की फसल बोने का वक्त है बिजली मुश्किल से तीन चार घंटे आती है और उसमें भी दो तीन बार ट्रिप मार जाती है बिजली कहीं से लाएं स्पैशली खरीद लें कहीं से मैं मानता हूं कि आसानी से इनको मिलेगी भी नहीं क्योंकि उधर पंजाब में इलेक्शन आ गया उधर उत्तर प्रदेश में इलैक्शन आ गया है। बिहार से खरीदें और जम्मू कश्मीर, हिमाचल भी अब ज्यादा नहीं दे सकेंगे क्योंकि सर्दी आ गई तो जिस किसी स्टेट से मध्य प्रदेश से, राजस्थान से, एन०टी०पी०सी० से, एन०एच०पी०सी० से जिस किसी से भी ये बिजली ला सकते हैं लाएं और किसान की फसल काश्त करवाएं और यमुना में ठीक है कि पानी थोड़ा आता है इधर कुछ भाखड़ा का पानी डाल के दक्षिणी हरियाणा में भी , पानीपत है, सोनीपत है, रोहतक है, जीन्द का जिला आधा है, हिसार जिला आधा है, भिवानी जिला पूरा है, झज्जर जिला है, रोहतक जिला है, महेन्द्रगढ़ रेवाड़ी जिले हैं, फरीदाबाद गुड़गावां जिले हैं उनमें भी फसल काश्त करवानी चाहिए। इसके लिए भाखड़ा का कुछ पानी डब्ल्यू०जे०सी० में डाल कर इसका प्रबन्ध इनको करना चाहिए और दूसरी बात यह है कि एस०वाई०एल० का जो सवाल है, सुप्रीम कोर्ट में हियरिंग हो गई है और जजमैंट रिजर्व है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि चार हफ्ते में दोनों स्टेट गवर्नमैंट्स और भारत सरकार फैसला करके आ के बता दें नहीं तो चार हफ्ते के बाद हम जजमैंट दे देंगे। तो मैं मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या हमारे वकील ने सुप्रीम कोर्ट को यह बता दिया है कि हम आपस में कोई फैसला नहीं कर पाए या कर पाए तो क्या किया ? और इसके इलावा तो एक पहले पानी कम मिलता है किसान को और राइस सूट की कीमत दुगनी कर दी, इस बारे में भी सोचना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, वक्त आ रहा है अभी दो तीन महीने में आ रहा है। पैडी को तो ये प्रोक्योर कर लेंगे वह भी पूरी नहीं हो रही है और पैडी मार्किट में आनी जब शुरु हुई उसके भी 15-20 दिन बाद प्रोक्योर करनी शुरु की लेकिन पैडी इसलिए प्रोक्योर कर लेंगे कि केन्द्र सरकार को पंजाब और उत्तर प्रदेश में इलैक्शन लड़ने हैं इसलिए इस बार तो पैडी प्रोक्योर कर लेंगे लेकिन जब गेहूं की फसल आएगी तो क्या होगा ? मैं यह भी चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी इसके ऊपर भी थोड़ी रोशनी डाल दें और उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली का सवाल है, आज हरियाणा सरकार कहती है कि हमारे दो साल के अरसे में हमने 499 मैगावाट बिजली पैदा कर दी और जब कि पिछली सरकार ने सवा तीन साल में 188 मैगावाट बिजली पैदा की। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिये सदन को बताना चाहूंगा, मुख्य मंत्री जी को भी बताना चाहूंगा कि 432 मैगावाट का फरीदाबाद का प्लांट गुजराल साहब से मैंने लिया। एक प्लांट पूरा चालू हो गया था दूसरे की ट्रायल प्रोडक्शन शुरु हो गई थी वह हम को 40-50 मैगावाट बिजली देता था। तीसरा उसके बाद आ गया तो उस 432 मैगावाट में इस सरकार की कोई कन्ट्रीब्यूशन नहीं। 210 मैगावाट का छठा प्लांट फरीदाबाद में मेरी सरकार ने शुरु किया, 75% बन कर तैयार हो गया था बाकी इनके वक्त में बन गया उसमें भी इनकी कोई कन्ट्रीब्यूशन नहीं है। उस वक्त मशीनरी बी० एच० ई० एल० से ली , जब चौधरी देवी लाल और ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार थी वो मशीनरी को जंग लग गया था मैंने चालू की, मैंने बनाना शुरु किया बल्कि जितने की मशीनरी थी उसी के करीब हमने ब्याज दिया बी० एच० ई० एल० को, इतने सालों तक तो वह पड़ी रही और इसके साथ मैं उपाध्यक्ष महोदय, बताना चाहूंगा कि पानीपत की रिफाईनरी से हमने, मेरी सरकार ने एग्रीमैंट किया था 301 मैगावाट का और ये कल के सवाल के जवाब में मुख्य मंत्री जी ने बताया है आई०पी०पी०सी०एल० शायद वही कम्पनी है कि जिससे 360 मैगावाट बिजली लेंगे तो यह अच्छी बात है मगर उसका

[चौ० बंसी लाल]

काम शुरू हुआ या नहीं हुआ और एक कल के सवाल के जवाब में इन्होंने कहा है कि यमुना नगर थर्मल प्रोजैक्ट वन एण्ड टू एक हज़ार मैगावाट, is likely to be taken during up the tenth five year plan. Tenth Five Year Plan का मतलब है it will be taken up between 2002 and 2007. 2002 से 2007 के बीच में कहीं यह टेकअप किया जाएगा। बनेगा कब यह भगवान जाने इसके बाद एक कल के जवाब में मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि हिरमा से, उड़ीसा से हमने 500 मैगावाट बिजली का एग्रीमैंट किया यह तो मेरे वक्त में ही तय हो गया था। वह 3000 मैगावाट का प्लांट कोल हैड पर लगा रहे हैं। यह 500 मैगावाट की कमिटमैंट मैंने ही की थी और उनसे भी कमिटमैंट ली थी और इसके आगे उपाध्यक्ष महोदय, एक 704 मैगावाट का इन्होंने बताया NTPC Project Rihand Stage-II; North Karanpur Barha, Kehlgaon & Kole Gaon Project is expected to be taken up during 10th & 11th Five Year Plan. मतलब 2002 से 2012 के बीच में टेक अप की जायेगी। अगर यह 2012 में टेकअप हुई तो कब तक आयेगी बिजली, क्या होगा इसका ? और अभी तक कोई काम वहां शुरू नहीं है। कोई भी हाईडल प्रोजैक्ट 7-8 साल से पहले पूरा नहीं होता। उपाध्यक्ष महोदय, एक जवाब में इन्होंने कहा है 100 MW power from NHPC Projects *i.e.* Dulhasti Hydel Power Project, Tehri Stage-I और Dhauli Ganga Hydrolic Project पर अभी तक कुछ काम नहीं हुआ है वह कब बनेगा और कब वो बिजली मिलेगी यह नहीं कहा जा सकता। क्योंकि इन्होंने कहा नाथपा झाकड़ी प्रोजैक्ट is expected to be completed during 10th and 11th Five Year Plan तो यह 11th Five Year Plan 2012 में खत्म होगा। वैसे नाथपा झाकड़ी मैं समझता हूं कि अब तक आ जाना चाहिये था लेकिन वहां देरी हो रही है क्योंकि बाढ़ आ गई नुकसान हो गया था तो शायद कुछ और लेट हो गया हो। एक ये कहते हैं कि हिसार थर्मल प्रोजैक्ट 500 मैगावाट का will be taken up during early 11th Plan यानि 2007 के बाद टेक अप किया जायेगा तो उपाध्यक्ष महोदय, यह कब होगा क्या होगा यह पता ही नहीं ? और मैं मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि 11 मई, 1996 को जब मैं आया उस वक्त बिजली बोर्ड की क्या देनदारी थी उसमें आ गई B.B.M.B., N.T.P.C., N.H.P.C., Coal India, रेल का किराया और हिमाचल वगैरह कई स्टेट्स हैं उस वक्त क्या देनदारी थी और 23 जुलाई, 1999 को क्या देनदारी थी जिस दिन मैं छोड़ कर गया और आज के दिन क्या है ? बिजली बोर्ड ने पौने बारह सौ करोड़ रुपये के बॉंड 13 परसैंट और 12 परसैंट ब्याज पर पांच साल के लिये जारी कर दिए। तो उपाध्यक्ष महोदय, पांच साल के बाद यह पैसा देना आयेगा पौने बारह सौ करोड़। क्या प्रबन्ध किया देने का। मुख्य मंत्री जी यह जानते हैं कि ये तो उस वक्त होंगे नहीं कोई होगा, भुगतेगा और 700 करोड़ रुपये के बॉंड और जारी करने की इनकी तैयारी है। यानि करीब 1800-2000 करोड़ रुपये का नुक्सान इन्होंने अब तक कर दिया और एक ये कहते हैं कि पानीपत का 250-250 मैगावाट की दो यूनिटें लगाने के लिए सरकार ने 30 परसैंट इक्विटी का तय कर दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, सवा दो-अढ़ाई हज़ार करोड़ रुपया लगेगा और 30 परसैंट इक्विटी बनेगी करीब 700 करोड़। क्या 700 करोड़ रुपये का कहीं प्रावधान इन्होंने किया है ? क्या कहीं इस बात की कोई चर्चा है, तो यह कहां से करेंगे । तो इसके अलावा मुख्य मंत्री जी जब विरोधी दल में थे तो कहते थे कि बंसी लाल की सरकार ने 1500 करोड़ रुपये के टैक्स लगा दिये मेरी सरकार आते ही मैं माफ करुंगा तो मैं मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि मेरी सरकार ने

1500 करोड़ रुपये के कौन - कौन से टैक्स लगा दिये और मुख्य मंत्री जी ने कौन-कौन से वापिस कर दिये। हां यह बात जरूर है कि कुछ टैक्स ऐसे हैं जैसे इण्डियन मेड फॉरेन लिकर उसके ऊपर 20-25 परसैंट सेल्ज़ टैक्स लगा दिया कुछ हफ्तों बाद हटा दिया इन्होंने अपना लगाया हुआ टैक्स । काव के ऊपर दो परसैंट मार्किट फीस लगाई वह भी हटाई। इन्होंने लगाई इन्होंने हटाई और फिर क्रैडिट लेते हैं कि हमने यह हटा दिया। फर्टिलाईजर के ऊपर हरियाणा प्रदेश में उपाध्यक्ष महोदय, कोई सेल्ज़ टैक्स नहीं था। इसी सरकार ने टैक्स लगाया इसी सरकार ने हटाया। इसी सरकार ने डीज़ल के ऊपर सेल्ज़ टैक्स बढ़ाया और इसी ने घटाया और फिर क्लेम करते हैं बड़े-बड़े इश्तिहार लगा रखे हैं कि हमने फर्टिलाईज़र पर से और डीज़ल पर से टैक्सों में राहत दी। खुद ही टैक्स लगाया खुद ही राहत दे दी उसके बाहर तो कुछ दिया नहीं और उपाध्यक्ष महोदय, अब यमुना नगर का 500 मैगावाट का जो प्लांट लगना है उसके फाईनल टैण्डर आ गए थे थोड़े दिन के बाद।

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी बंसी लाल जी, प्लीज वाईंड अप । आपके 13 मिनट हो गये हैं .....

चौधरी बंसी लाल : आप कहो तो मैं बैठ जाता हूँ मैं कोई गलत बात तो कह नहीं रहा।

श्री उपाध्यक्ष : आप समय का भी ध्यान रखें। समय का भी ध्यान रखे।

चौधरी बंसी लाल : मैं समय का पूरा ध्यान रख रहा हूँ। और उपाध्यक्ष महोदय, अगर वो टैण्डर ये फाईनेलाईज़ करते या अब तक दूसरे टैण्डर मांग कर भी फाईनेलाईज़ करते तो फाईनेलाईज़ हो गया होता। उपाध्यक्ष महोदय, कॉटन की फसल बर्बाद हो गई, पूरी स्टेट में बर्बाद हो गई, किसी की थोड़ी-बहुत जमीन बच गई हो तो मैं कह नहीं सकता। उसका किसान को मुआवजा मिलना चाहिए और मुख्य मंत्री जी ने व्यापारियों पर जो टैक्स लगाया क्या इन्होंने इस टैक्स को कम किया ? और इन्होंने प्रोफैशनल टैक्स भी लगा दिया एण्ट्री टैक्स भी लगा दिया, दुकानदारों के ऊपर फार्म-38 भी लगा दिया इसकी मैंने उस वक्त भी मुखालफत की थी और जैसे मैंने बताया लकड़ी पर जो लगाया वह इन्होंने हटा भी लिया। हलवाई के ऊपर नौ हज़ार रुपये का फी भट्टी लगा दिया हलवाई हर चीज़ उपाध्यक्ष महोदय, सेल टैक्स दे कर खरीद कर लाता है, वह खुद क्या करता है, मज़दूरी, मज़दूरी शामिल करता है, उसके ऊपर भी टैक्स लग गया। हाउस टैक्स की बात सदन में कल भी चल रही थी, मैदान में भी चल रही है उपाध्यक्ष महोदय, ऐसी-ऐसी मिसालें हैं कि एक दुकान का किराया साल में आता है 700 रुपये और हाउस टैक्स बनता है 2400 रुपये , तो दुकानदार क्या करेगा वो दुकान ही छोड़ देगा मालिक उसका और क्या करेगा ? बड़े-बड़े सेठ साहुकार हवेलियां शहरों में बना-बना कर देसावर में कमाने चले गए वहां रहने लग गए। किराया तो आता है 50 रुपये साल का बड़ी हवेली का जिसमें 20-30 कमरे हैं और उसके ऊपर टैक्स का ठिकाना कोई नहीं। जमीन उस वक्त खरीदी थी बीघों के हिसाब में, मरलों के हिसाब में, गजों के हिसाब में नहीं थी। आज सरकार कहती है कि उसकी कीमत लगाओ कि आज का मार्किट रेट क्या है तो उसको किराया भी वही दिलवा दो, जो आज का मार्किट रेट है उसी हिसाब से उस मकान का और उपाध्यक्ष महोदय, लॉ एण्ड ऑर्डर की बात आई यह बात ठीक है कि प्रदेश में लॉ एण्ड आर्डर की हालत खराब है मगर इसका कारण भी मैं बताना चाहूंगा थोड़ा मैं भी जानता हूँ। दिल्ली और उत्तर प्रदेश की जो प्रोक्सिमिटी है उसकी वजह से भी हमारे यहां

[चौधरी बंसी लाल]

क्राईम बढ़ता है जैसे फरीदाबाद है, गुड़गांव है, झज्जर जिला है और इधर सोनीपत जिला है, पानीपत जिला है, करनाल जिला है इसमें उत्तर प्रदेश का या दिल्ली का क्रिमिनल आएगा क्राईम कर के भाग जाएगा और एक बीमारी और हो गई आजकल कि घर-घर में बच्चे-बच्चे के पास कट्टे हो गए कहां से आए पता नहीं ? (विघ्न एवं शोर) मैंने किसी को नहीं दिलाया मैंने कट्टा किसी को दिलाया न मैंने आज तक कोई देखा। उपाध्यक्ष महोदय, जैसे पानीपत जिले में ट्रेन लूटी गई, पानीपत जिले में दो बसें नेशनल हाईवे पर लूटी गई तो जो पहले सरकार ने फैसला किया था कि ये पुलिस की गाड़ियां चलाएंगे उनकी बीट बना कर चलाएंगे तो उसके ऊपर इनको यह करना चाहिए कि उसकी बीट लम्बी है थोड़ी छोटी कर दें कुछ गाडियां ज्यादा लगा दें और एक काम मैं सरकार को यह भी सुझाव देना चाहता हूँ कि जैसे पानीपत से रोहतक की सड़क बड़ी खतरनाक है। अखबार में आया था कि ट्रक पैडी से भरा हुआ जा रहा था पैडी और ट्रक दोनों ले गए बरामद तो हो गया। अखबार में यह भी लिखा था, उस सड़क के ऊपर थोड़ी सी ज्यादा पैट्रोलिंग कर दें और हिसार से दिल्ली के बीच में भी पैट्रोलिंग बढ़ाएं, वहां भी क्राईम बहुत होता है।

श्री उपाध्यक्ष : वाईड अप करें चौधरी साहब।

चौधरी बंसी लाल : मैं तो आप कहोगे जभी बैठ जाऊंगा मैं तो बात काम की ही कर रहा हूँ।

श्री उपाध्यक्ष : आप एक मिनट में पूरा करें।

चौधरी बंसी लाल : मैं जहां क्रिटिसाईज कर रहा हूं वहां सुझाव भी साथ दे रहा हूँ। सुझाव पसन्द न हो तो बैठ जाऊं।

श्री उपाध्यक्ष : नहीं-नहीं, आप एक मिनट में अपनी बात समाप्त करें। आपकी सारी सुनेंगे।

चौधरी बंसी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, अगर आप यह कहते हैं कि एक मिनट में वाईड अप करो तो एक मिनट तो हो गया सांस लेते ही एक मिनट हो गया। मैं इन शब्दों के साथ समाप्त करता हूँ, धन्यवाद।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, ...

श्री उपाध्यक्ष : दलाल साहब, प्लीज आप बैठें। अब धर्मबीर जी बोलेंगे।

श्री धर्मबीर सिंह (तोशाम) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी पार्टी जो अविश्वास प्रस्ताव सरकार के खिलाफ लाई है, मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। चौटाला साहब की सरकार ने प्रदेश की हर नहर पर, बसों पर हरी स्याही से यह लिखवा दिया है कि ऐसी सरकार दोबारा नहीं आयेगी जिसके शासन काल में हर नहर की टेल पर पानी पहुँच रहा है, लोगों को पूरी बिजली मिल रही है, जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। खासकर डब्ल्यू० जे० सी० कैनाल में टेल तक पानी नहीं पहुँचता। बहुत सी ऐसी कैनालज़ हैं जिनके बनने से लेकर आज तक टेल पर पानी नहीं पहुंचा है। हालांकि उन कैनालज़ पर कैनाल वाटर बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम बनी हुई हैं। उदाहरण के तौर पर सिवानी फीडर, देवसर फीडर, लीलान फीडर, सण्डवा फीडर, किड़ौला फीडर, कैरू माइनर, भिवानी फीडर और मोतीपुरा आदि फीडरों में पानी की बहुत समस्या है। किसी भी नहर की टेल पर पानी नहीं पहुँचा है। इसी प्रकार से न्यू सिवानी फीडर, जो जींद जिले के रामथल गांव से निकलती है, वह पिछले 30 साल से 141 क्यूसिक्स की बनी हुई है। नहरी पानी के लिए सरकार 6-6

महीने के रोटेशन प्रोग्राम बनाती है। इस बार नवम्बर महीने से सरकार ने चार रोटेशन सिस्टम शुरू किये हैं उसकी नोटिफिकेशन मेरे पास है। इस नोटिफिकेशन में उस न्यू सिवानी फीडर को ही छोड़ दिया गया है जिसकी वजह से उस फीडर से जिन 150 गांवों को पीने का पानी दिया जाता था वह पानी उन गांवों में नहीं जा रहा है। उन गांवों के लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। उन गांवों के लोग बीमार हो गए हैं और पशु मर रहे हैं। बालसमंद माईनर और पेटवाड़ माईनर की टेल का पानी न्यू सिवानी फीडर में आता था लेकिन बालसमंद माईनर और पेटवाड़ माईनर की टेलों पर पानी न पहुंचने से उनका पानी भी न्यू सिवानी फीडर में नहीं आ रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि प्रदेश में रामराज्य कहने वाली सरकार न्यू सिवानी फीडर को ही बंद कर चुकी है जो पिछले 30 साल से चल रही थी। मैंने न्यू सिवानी फीडर के बारे में एक काल अटैंशन मोशन का नोटिस दिया था लेकिन वह रद्द कर दिया गया। मैंने उस काल अटैंशन मोशन के नोटिस के साथ, उस फीडर को बंद करने के सरकार के जो आदेश हैं उसकी कापी भी लगाई थी। पिछले कई सालों से गोविन्द सागर का वाटर लैवल काफी ऊपर आ गया है उसके बावजूद भी गांवों में पीने के पानी की और इरीगेशन के लिए पानी की कमी है। अगले साल फरवरी के महीने में पंजाब प्रदेश में चुनाव होने जा रहे हैं कहीं ऐसा तो नहीं है कि वहां पर अकाली दल की सरकार बनवाने के लिए हमारे हिस्से का पानी पंजाब के किसानों को दिया जा रहा हो। बिजली के बारे में माजरा साहब ने बहुत से नए सब-स्टेशंज बनाने के लिए नाम गिनवाए लेकिन मैं उनसे कहना चाहता हूँ कि दक्षिणी हरियाणा के किसी भी गांव में 5 या 6 घंटे से ज्यादा रैगुलर बिजली नहीं जा रही है। वहां पर कई ट्रांसफार्मर्ज ऐसे लगा रखे हैं जो एक घंटे में 60 बार ट्रिपिंग करते हैं। शिक्षा मंत्री जी का अपना खुद का गांव इफैक्टिड है।

शिक्षा राज्य मंत्री (चौधरी बहादुर सिंह) : मेरे गांव में ऐसी कोई प्रॉब्लम नहीं है वहां पर रैगुलर बिजली आ रही है।

श्री धर्मबीर सिंह : अम्बाला डिविज़न और करनाल डिविज़न के इलाकों में गेहूं बाद में बोया जाता है लेकिन दक्षिणी हरियाणा के इलाकों में चने और सरसों की बिजाई 20 नवम्बर तक हो जाती है और दक्षिणी हरियाणा के इलाकों में गेहूं की फसल भी अगेती बोई जाती है। इसलिए सरकार से मेरी प्रार्थना है कि दक्षिणी हरियाणा को एक महीने तक लगातार पूरी बिजली दी जाए ताकि उस इलाके में ज्यादा पैदावार हो सके। इसके साथ-साथ मेरा सुझाव है कि बी०बी०एम०बी० से जिस रेट पर बिजली मिलती है वह उसी रेट पर हरियाणा प्रदेश के किसानों को दी जाए और जिस रेट पर हाईडल प्रोजैक्ट से बिजली मिलती है वह भी उसी रेट पर हरियाणा प्रदेश के किसानों को दी जाए। इसके अलावा मैं एक सुझाव भी देना चाहूंगा। सदन के अन्दर 15-16 ऐसे विधायक हैं जिनका इलाका रेगिस्तानी है। चाहे उन विधायकों का ताल्लुक इनैलो से हो, चाहे हरियाणा विकास पार्टी से हो और चाहे वह आज़ाद उम्मीदवार हो, जैसे सरकार ने शिवालिक डिवैल्पमैंट बोर्ड और मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड बनाया हुआ है उसी तरह से एक रेगिस्तान डिवैल्पमैंट बोर्ड भी बनाया जाना चाहिए ताकि उस क्षेत्र के विधायकों के इलाकों का अच्छी तरह से विकास हो सके और उनके इलाके के लोगों को सहूलियतें मिल सकें। जहां तक कपास का सवाल है, इस साल प्रदेश के किसानों की कपास की फसल तबाह हो गई है। जब चौधरी भजन लाल जी हरियाणा प्रदेश के मुख्य मंत्री थे उस समय हरियाणा प्रदेश में बाढ़ आई थी उस कारण उस समय प्रदेश के किसानों ने गेहूं नहीं बोया था और जिन किसानों ने उस समय गेहूं लेट बोया था उस गेहूं की पैदावार नहीं हुई थी। चौधरी भजन लाल जी ने उस समय चार हज़ार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से किसानों

को बाढ़ के कारण हुए नुक्सान का मुआवजा दिया था। इसलिए मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि इस बार जिन किसानों की कपास की फसल बर्बाद हो गई है उन किसानों को हरियाणा एग्रीकल्चरल मार्किटिंग बोर्ड से पैसा लेकर मुआवजा दिया जाए। कल बहस के दौरान सरकार ने बताया था कि पहली बार एच०आर०डी०एफ० का करोड़ों रुपया हरियाणा प्रदेश के हर हल्के में विकास के लिये दिया गया है। इस बारे में मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि विकास के कार्यों के लिए दिया गया वह पैसा जो विकास समितियां बनाई हुई हैं, चाहे वे विकास समितियां कैसी भी हैं, उनके माध्यम से खर्च करवाएं, पंचायती राज के एक्सीयन के माध्यम से वह पैसा खर्च न करवाएं क्योंकि महकमें के अधिकारी रिश्वत लेकर अपनी मन मर्जी से ईंटें वगैरह लगवाते हैं। इसके अलावा मैं एक छोटा सा सुझाव हैल्थ डिपार्टमैंट के बारे में देना चाहूंगा। स्वास्थ्य मंत्री रंगा साहब हाउस में बैठे हैं। मैं इनको बताना चाहूंगा कि आपके महकमें द्वारा नकली दवाईयां खरीदी जाती हैं इसलिए अगर कोई आदमी बीमार हो जाता है तो उसका सही इलाज नहीं हो पाता है। मैं कहना चाहूंगा कि दवाईयों की खरीदो-फरोख्त सैंट्रेलाइज होनी चाहिए। इसके साथ-साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज पर दवाईयों का बजट बढ़ाया जाए। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूँ। जय हिन्द।

श्री कृष्णपाल गुज्जर (मेवला महाराजपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी ने सरकार के खिलाफ जो अविश्वास प्रस्ताव रखा है मैं उसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। उपाध्यक्ष महोदय, अपनी इस सरकार को बने हुए लगभग 2 साल से ज्यादा का समय हो गया है। सरकार ने इस अवधि के दौरान अच्छे काम भी किए हैं लेकिन जो कमियां सरकार की तरफ से रह गई हैं उनके बारे में बताना मेरा फर्ज भी है, कर्म भी है और धर्म भी है। उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं मुख्य मंत्री जी का ध्यान उनकी अपनी कही हुई बातें जो इन्होंने चुनाव से पहले की थीं, उनकी तरफ दिलाना चाहूंगा। इन्होंने चुनाव से पहले प्रदेश की जनता से कहा था कि मैं हरियाणा के लोगों को ऐसा राज दूंगा जिस राज में हरियाणा मे रहने वाली बहनें रात के 12 बजे भी गहने पहन कर सड़कों पर निकल सकेंगी। हम भी उम्मीद करते थे कि वह सपना साकार होगा, वह सपना पूरे हरियाणा की जनता का था, वह पूरा होगा लेकिन अफसोस की बात है कि ऐसा नहीं हुआ। उपाध्यक्ष महोदय, साथ ही साथ ये यह भी कहा करते थे कि जो लुटेरे हैं, हत्यारे, बेईमान हैं या राहजनी की घटनाएं करने वाले हैं वे सभी जेलों की सलाखों के पीछे होंगे। उपाध्यक्ष महोदय, अफसोस इस बात का है कि ऐसा न करके जो लोग जेलों की सलाखों के पीछे थे उनको रिहा किया जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, आज के दिन हरियाणा में कानून-व्यवस्था की जो स्थिति खराब हो रही है उसके पीछे कारण यही है कि जो लोग हत्यारे, लुटेरे या बेईमान थे, उनको रिहा किया जा रहा है। आज प्रदेश में राहजनी की घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसे लोगों के दिलों में कानून-व्यवस्था का कोई भय नहीं है क्योंकि वे सोच रहे हैं कि जो लोग हत्या करने वाले थे या डकैती के मामले में जेलों में थे उनको यह सरकार रिहा कर रही है। मेरा कहना है कि जब डकैती करने वाले और हत्या करने वाले लोगों को रिहा किया जा रहा है तो फिर उनके मन में भी कानून के भय का कोई डर नहीं रहेगा इसलिए ये घटनाएं बढ़ रही हैं। उपाध्यक्ष महोदय, कानून-व्यवस्था की स्थिति के बारे में पिछले डेढ़ वर्ष की स्थिति के बारे में इण्डिया टूडे में एक खबर लगी है।

श्री उपाध्यक्ष : कृष्णपाल जी, आप समय का ध्यान रखते हुये अपनी बात कहिए।

श्री कृष्ण पाल गुज्जर : उपाध्यक्ष महोदय, मैं कितने समय में अपनी बात समाप्त करूं।

श्री उपाध्यक्ष : जितना समय दूसरे मैम्बरों को मिला है उसी हिसाब से आप भी अपनी बात कहने की कोशिश करें।

श्री कृष्णपाल गुज्जर : उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने मिद्धू सिंह नाम के एक व्यक्ति को रिहा कर दिया जिसको सिरसा की एक अदालत ने हत्या के केस में उम्र कैद की सजा दी थी और जिसकी अपील हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने भी खारिज कर दी थी। सरकार ने 11-8-2000 को उस व्यक्ति के रिहाई के आदेश जारी कर दिये। इसी तरह से सर्बजीत सिंह जिसे 24 मई, 1994 को उम्र कैद की सजा हुई थी.....

श्री अभय सिंह चौटाला : ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर सर।

श्री उपाध्यक्ष : कृष्णपाल जी, आप एक मिनट बैठिये। अभय सिंह जी प्वायंट ऑफ आर्डर पर कुछ कहना चाहते हैं। अभय सिंह जी, आप अपना प्वायंट ऑफ आर्डर पूछिये।

श्री अभय सिंह चौटाला : डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर यह है कि मेरे सम्मानित साथी ने अभी इस बात की चर्चा की कि सरकार ने मिद्धू सिंह जिसको सिरसा की अदालत ने 20 साल की उम्र कैद की सजा दी थी उसको छोड़ दिया। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनकी जानकारी और सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि यह मिद्धू सिंह मेरी कान्स्टीथ्यूएंसी के थिराज गांव का रहने वाला है। दो परिवारों के आपस में 8 कत्ल हो चुके हैं। मैंने और सरदार जसविन्दर सिंह जी ने इन दोनों पार्टियों को आपस में बैठाकर फैसला करवाया और उनका आपस में राजीनामा करवाया है। दोनों पार्टियां करवाये गए राजीनामा से सहमत हो गईं। इनके सहमत होने के बाद ही मेरे हल्के की 90 की 90 पंचायतों ने इस राजीनामे के बाद सरकार को लिख कर निवेदन किया कि इनका आपस में फैसला हो गया है इसलिए इन परिवारों की भलाई को ध्यान में रखते हुए मिद्धू सिंह की कैद से रिहाई के लिए गवर्नर महोदय से निवेदन किया जाये ताकि ये दोनों परिवार आपस में शान्तिपूर्वक रह सकें। पंचायतों द्वारा लिखने के बाद ही मिद्धू सिंह की रिहाई के लिए गवर्नर महोदय को सरकार की तरफ से दरख्वास्त की गई कि इसको छोड़ दिया जाये। मेरे कहने का मतलब यही है कि मेरे हल्के की सभी पंचायतों के रैज्योल्यूशन सरकार के पास आने के बाद ही सरकार ने गवर्नर महोदय को मिद्धू सिंह की रिहाई के लिए निवेदन किया। इसके बाद ही गवर्नर महोदय ने उसकी रिहाई के आदेश जारी किए हैं। गवर्नर महोदय के आदेश जारी होने के बाद ही उसको रिहा किया जा सका।

श्री कर्ण सिंह दलाल : ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर सर ।

श्री उपाध्यक्ष: कर्ण सिंह जी, आप बैठिये। प्वायंट आफ आर्डर पर प्वायंट आफ आर्डर नहीं हुआ करता। कृष्णपाल जी, आप कन्टीन्यू करें। (विघ्न) अभय सिंह जी तो प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोल रहे थे। दलाल साहब, अब आप बैठिये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुनिये।

श्री उपाध्यक्ष : दलाल साहब, आप बैठें, आपको फिर बोलने का मौका मिलेगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल : डिप्टी स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिये।

श्री उपाध्यक्ष : मैं तो आपको स्टुडैंट लाइफ से अब तक सुनता ही आ रहा हूँ।

श्री कृष्णपाल गुज्जर : उपाध्यक्ष महोदय, भाई अभय सिंह जी ने कहा कि उनका आपस में राजीनामा करवाया गया बहुत बढ़िया बात है लेकिन मैं इनसे पूछना चाहूंगा कि इसी तरह के राजीनामा क्या पूरे प्रदेश में भी करवाने का काम करेंगे ? अगर ये करेंगे फिर तो प्रदेश में झगड़े ही समाप्त हो जाएंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार पूरे प्रदेश में इसी तरह से राजीनामें करवाएगी और उनको जेलों से छुड़वाएगी ?

श्री कृष्णपाल गुज्जर : उपाध्यक्ष महोदय, अगर मैं सबकी डिटेल दूंगा तो काफी समय लग जाएगा। इसी तरह से सरभीत सिंह, सतीश कुमार, जगतार सिंह, हिम्मत सिंह, सतबीर सिंह आदि ऐसे कई लोग हैं जिन पर हत्याओं के केसिज हैं। इन सब केसिज में पिछले डेढ़ दो साल में लोगों को रिहा किया गया है। मेरे पास डेटवाइज सारा रिकार्ड मौजूद है।

श्री उपाध्यक्ष : कृष्णपाल जी, आपको बोलते हुए सात मिनट हो गए हैं अब आप चाहें तो किसी दूसरे मुद्दे को ले लें। मैं आपको सुझाव देना चाहता हूं क्योंकि आपको कल भी बहुत समय बोलने के लिए दिया गया था अब हमें दूसरे सदस्यों को भी बोलने का समय देना है।

श्री कृष्णपाल गुज्जर : उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि कानून-व्यवस्था की जो स्थिति आज हो रही है उसके कारण आज हरियाणा में कोई दिन ऐसा नहीं जाता, कोई रात ऐसी नहीं जाती जब कोई हत्या, कोई डकैती, कोई अपहरण या कोई बलात्कार न होता हो। उपाध्यक्ष महोदय, परसों मैं अखबार पढ़ रहा था उसमें लिखा था कि एक महिला के साथ चार महीने तक लगातार बलात्कार होता रहा लेकिन किसी को पता नहीं चला। इसी तरह से फरीदाबाद में कोई दिन ऐसा नहीं जाता जिस दिन हत्या, डकैती, अपहरण या बलात्कार की घटनाएं न होती हों। पसरेवा कालोनी में एक परिवार के दो मासूम बच्चे रहते थे अब मैं जिला प्रशासन को क्या कहूं। लेकिन उन दो मासूम बच्चों की लाश ही मिली। आज तक भी उनके हत्यारों का पता नहीं चला है। दो महीने इस बात को हो गये। इसी तरह से फरीदाबाद की महरूम कालोनी में 22 अक्तूबर को हत्या हुई, रोहतक में पैट्रोल पम्प को लूटा गया, पानीपत में गोहाना रोड़ पर भी पैट्रोल पम्प को लूटा गया। इसी तरह से रोहतक जेल से अपराधी चिट्ठी लिखकर फिरौती की मांग करते हैं। इसी तरह से रिवाड़ी जिले के गांव डबाना में दो युवकों की हत्या की गयी। इसी प्रकार से फरीदाबाद के सैक्टर-9 के डॉ० हरीशंकर की हत्या हुई। इस केस में दो निर्दोष लोगों को पकड़कर जेल में डाल दिया गया लेकिन एक महीने के बाद जब असली हत्यारा पकड़ा जाता है तब उन दो निर्दोष लोगों को छोड़ा जाता है अब आप ही बताएं कि उनको कहां से इन्साफ मिलेगा ? असली हत्यारा तो पकड़ा नहीं जाता और बेकसूर लोगों को परेशान किया जाता है।

श्री उपाध्यक्ष : गुर्जर साहब, अब आप वाइंड अप करें।

श्री कृष्णपाल गुज्जर : उपाध्यक्ष महोदय, प्रदेश में कितने अपराध हुए और उनमें शामिल कितने अपराधी ट्रेस हुए और कितने अनट्रेस हुये, इस बारे में मेरा जो सवाल था वह आज लगा नहीं है। कानून-व्यवस्था की और भी बहुत सी चीजें हैं मैं उन पर बोलना चाहता हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, आप काबिल हैं, लायक हैं इसलिए आप जानते ही हैं कि जब भी अविश्वास प्रस्ताव सरकार के खिलाफ आता है तो उसमें मैम्बर को बोलने की छूट

होती है। इस समय अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है इसलिए अगर इस समय कोई मैम्बर बोलना चाहता है तो उसके लिए कोई समय सीमा नहीं होनी चाहिए।

श्री उपाध्यक्ष :समय सीमा तो रखनी ही पड़ेगी।

चौधरी भजन लाल : समय कौन निर्धारित करेगा ?

श्री उपाध्यक्ष : स्पीकर निर्धारित करेगा और कौन करेगा। आधे घंटे का समय आपकी पार्टी के लिए निर्धारित किया गया था लेकिन मैंने अकेले आपको ही पचास मिनट दिए हैं।

चौधरी भजन लाल :उपाध्यक्ष महोदय, फिर भी आप मैम्बर को तो बोलने का समय दें।

श्री कृष्णपाल गुज्जर : उपाध्यक्ष महोदय, रामपाल माजरा जी विकास के कार्यों के बारे में कह रहे थे, बड़ी खुशी की बात है कि विकास कार्य हो रहे हैं। मेरी कांस्टीच्यूंसी में आगरा कैनाल पर पल्ला पुल वर्षों से टूटा पड़ा है। मेरा इस बारे में सवाल भी था लेकिन वह लग नहीं पाया। पल्ला पुल वर्षों से टूटा पड़ा है जो सरकार द्वारा किए गए विकास की कहानी अपने आप कह रहा है। पल्ला पुल से हजारों लोगों का रोजाना आना जाना है। (विघ्न)

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाष गोयल) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। सम्मानित सदस्य ने कुछ नामों का हवाला दिया कि इस सरकार ने यह गुनहगार छोड़े। इनके वक्त में इन्होंने हांसी के दो व्यक्तियों को छोड़ने की खुद सिफारिश की थी। इसके अलावा इनकी बसों में इनके ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर होते हुए शराब पकड़ी गई। यह ठीक है कि भारतीय जनता पार्टी सबसे ज्यादा रामराज्य कायम करने की पक्षधर है। लेकिन कृष्ण पाल गुर्जर की बसों में उस वक्त जो कार्यवाही हुई, वह जग जाहिर है, कहने की बात नहीं है।

श्री कृष्णपाल गुज्जर : बस किसी की भी हो, कोई सवारी शराब लेकर बैठ जाए तो कोई क्या कर सकता है ? जहां तक किसी को छोड़ने की बात है, हम तो सरकार में भागीदार थे इसलिए छोड़ दिया होगा, मेरी कोई सिफारिश नहीं थी। जहां तक बस में दारू पकड़ने की बात है यदि बस में कोई सवारी दो बोतल लेकर बैठ जाएं तो हमारा क्या दोष है, लेकिन मैं फिर भी कहना चाहूंगा कि उस सरकार में ट्रांसपेरेंसी थी। अगर कोई मंत्री भी पकड़ा जाता था तो उसके खिलाफ केस रजिस्टर होता था लेकिन आज एक ट्रक दारू पकड़ी जाती है तो इनेलो नेता के कहने पर उसको एक ट्रक की बजाय एक कट्टा पकड़ा हुआ दिखाया जाता है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : गुर्जर साहब, आप वाइंड अप करें।

श्री कृष्णपाल गुज्जर : उपाध्यक्ष महोदय, पुलिस विभाग के बारे में जो बयान आया था मैं उसके बारे में ध्यान दिलाना चाहता हूँ। पुलिस विभाग की तरफ से यह स्टेटमैंट दी गई थी कि धारा 161 के तहत किसी हत्या के सजायाफ्ता कैदी के छोटे बच्चे हैं, किसी के बूढ़े सख्त बीमार मां बाप हैं इसलिए इनको छोड़ा गया है मैं सरकार से पूछना चाहूंगा कि राज्य की जेलों में कितने कैदी ऐसे हैं जिनके बच्चे छोटे हैं जिनके बूढ़े मां बाप सख्त बीमार हैं, क्या उनको भी सरकार का छोड़ने का इरादा है ?

श्री उपाध्यक्ष : आप एक मिनट के अंदर वाइंड अप करें.

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक सुझाव देना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार इसके लिए एक सैल क्यों नहीं खोल देती है। अगर ऐसा हो जाए तो फिर किसी को हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में जाने की जरूरत नहीं रहेगी। इस बारे में हरियाणा सरकार फैसला करे। (विघ्न)

श्री कृष्णपाल गुज्जर : उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा के इंजीनियरिंग कॉलेज में पिछड़े छात्रों को रिजर्वेशन देने की बात थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि प्राइवेट इंजीनियरिंग कालेजों में रिजर्वेशन नहीं होगा। गवर्नमैंट उसमें अमैंडमैंट ला सकती थी, उसमें नोटिफिकेशन कर सकती थी। जब हाई कोर्ट ने कह दिया था कि सरकार निर्णय करे और एक महीने का समय भी दिया फिर भी सरकार ने इस बारे में कोई निर्णय नहीं किया। बाद में हाईकोर्ट में कंटैम्प्ट ऑफ कोर्ट हुई। इस से पता चलता है कि सरकार पिछड़े छात्रों के हितों के बारे में कितनी गंभीर है ? आज प्रदेश के पिछड़े छात्रों में काफी आक्रोश है, रोष है। मैं टैक्सिज के बारे में नहीं कहना चाहता हूँ।

श्री उपाध्यक्ष : टैक्सों के बारे में आप कल कह चुके हैं। कैप्टन अजय सिंह इस मोशन के मूवर हैं इसलिए अब कैप्टन अजय सिंह बोलेंगे। आपको 15 मिनट का समय दिया जा चुका है आप बैठ जाएं। (विघ्न)

श्री कृष्णपाल गुज्जर : आज हरियाणा में क्या दिक्कत है, क्या स्थिति है उसके बारे में मैं हाऊस के नोटिस में लाना चाहता हूँ। फरीदाबाद में ऐस्कॉर्टस में 78 दिनों से हड़ताल चल रही है और उससे फरीदाबाद बर्बाद हो रहा है, हरियाणा सरकार को 30 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हो गया है । (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : आप बैठ जाएं।

श्री कृष्णपाल गुज्जर : अंत में मैं एक बात कहकर स्थान लेना चाहता हूँ कि यह जो अविश्वास प्रस्ताव रखा गया है मैं इसका विरोध करता हूँ।

3.00 बजे **श्री उपाध्यक्ष :** कैप्टन साहब, क्योंकि आपने यह नो कोन्फीडैंस मोशन मूव करते समय भी कुछ समय लिया था इस लिये अब आप जल्दी वाईड अप करें । मैंने आपको दोबारा बोलने का समय दे दिया है।

कैप्टन अजय सिंह यादव (रेवाड़ी) : उपाध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी ने आज सरकार के खिलाफ जो नो कोन्फीडैंस मोशन दिया है मैं उसके पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। खासतौर से मैं प्रदेश में जो कानून-व्यवस्था की हालत है उसके बारे में बोलना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, आज यह सरकार प्रदेश में अमन-चैन की बात करती है। प्रदेश में यह हालत हो गई है कि आज सरकार ने 13 ऐसे कैदियों को रिहा कर दिया है जो जघन्य हत्या काण्ड में सम्मलित थे। अनेक चोरी, डकैती के मामले उनके खिलाफ दर्ज थे। उपाध्यक्ष महोदय, जिस प्रदेश में ऐसे आदमियों को जेलों से रिहा किया जाये जिनको उम्र कैद की सज़ा हुई हो और सैक्शन 161 का दुरुपयोग किया जाये तो उस प्रदेश की कानून-व्यवस्था कैसी होगी इसका अनुमान सहज लगाया जा सकता है। जिस प्रकार मिट्ठू सिंह को 11 अगस्त को रिलीज कर दिया गया। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : आप रिपीट न करें इनका नाम पहले लिया जा चुका है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार श्री रेलूराम जी, जो एक्स एम० एल० ए० थे, और उनके परिवार का किस प्रकार कत्ले आम किया गया और जो कातिल थे उनको बचा लिया गया तथा उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

श्री पूर्ण सिंह डाबरा : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि रेलूराम हत्याकांड में 10 आदमियों को गिरफ्तार किया था जिनमें से तीन को तो जमानत पर रिहा कर दिया गया है और सात आदमी अब भी जेल में बन्द हैं। इस कत्लेआम केस का मुकदमा हाईकोर्ट में सी० बी० आई० को देने के वास्ते चल रहा है इसलिए इस मैटर को यहां पर डिसकस न किया जाये क्योंकि यह मामला सब-ज्यूडिस है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, अगर ऐसे परिवार के साथ ऐसी घटना घट सकती है तो आप सोच सकते हैं कि बाकी जनता की क्या हालत होगी ? जिस प्रदेश के अन्दर डी. सी. के घर पर सी० बी० आई० छापा मारे और जो डी० सी० फेक लाइसैंस और उनकी रिन्यूअल के मामले में संलिप्त पाया जाये फिर भी वह डी० सी० आज भी जिले का डी० सी० बरकरार हो तो यह क्या जाहिर करता है ? मैं सरकार से कहना चाहता हूँ कि उसे ऐसे मामलों में ध्यान देना चाहिये।

श्री उपाध्यक्ष : कैप्टन साहब, ये उस समय डी० सी० गुड़गांव और फरीदाबाद किस की सरकार में थे। मेरी जानकारी के हिसाब से ये मामले ज्यादातर गुड़गांव और फरीदाबाद से रिलेटिड हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मामला चाहे गुड़गांव का हो चाहे और कहीं का हो, चाहे किसी भी सरकार का हो परन्तु ऐसे डी० सी० को तुरन्त हटा देना चाहिए जिसके खिलाफ सी० बी० आई० इन्टरोगेशन कर रही हो, ऐसी बात से सरकार की और प्रदेश की फजीहत होती है। यह बात ठीक नहीं है। इसी प्रकार हमारे इलाके रेवाड़ी के कुण्ड करबे में एक शिक्षक को दिन-दिहाड़े मार दिया गया और उससे पैसे छीन लिये गये आज तक एक भी आदमी को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया है और न ही कोई पैसा वसूल किया है। मैंने और रंगा साहब ने काफी कोशिश की लेकिन अफसोस की बात है कि आज तक किसी असल आदमी को नहीं पकड़ा गया है।

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डॉ० मुन्नी लाल रंगा) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि उस दिन मैं खुद पुलिस के साथ कुण्ड में रात के डेढ़ बजे तक रहा। जो असली कातिल थे वे उसी गांव के रोहताश यादव नाम के आदमी के घर में छुप गये। माननीय सदस्य को सरकार पर ऐसा आरोप नहीं लगाना चाहिए। मैं उनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि सभी अपराधियों को पकड़ लिया गया है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मैं रंगा साहब को बताना चाहूंगा कि आज के दिन तक एक भी पैसा वसूल नहीं हुआ है और एक भी असली आदमी नहीं पकड़ा गया है। यह सरकार भाई कृष्णपाल गुर्जर की बस से एक बोतल शराब पकड़ने की बात करती है जबकि करनाल के डी० सी० के घर से 85 बोतल विदेशी शराब की पकड़ी गई हैं लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

श्री उपाध्यक्ष : कप्तान साहब, बंसीलाल जी बैठे नहीं हैं वरना उनसे पूछते ।

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार के अन्दर एक हरिजन भाई को पुलिस हिरासत में मार दिया गया और पुलिस की वजह से ही वह मारा गया। हमने डी० सी० से मांग की कि उसकी बेवा और दो छोटे-छोटे बच्चे हैं उनको रैडक्रास में रहने की जगह दे दो। उपाध्यक्ष महोदय, नौकरी की बात तो दूर उसको एक नया पैसा नहीं दिया गया। इस केस की बाकायदा कार्यवाही होनी चाहिए लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई।

श्री भागी राम : उपाध्यक्ष महोदय, कैप्टन साहब हरिजनों के हितैषी बन रहे थे, मैं आपको बताना चाहूंगा कि कल रात श्री रिसाल सिंह के यहां हमारा खाना था लेकिन किसी भी कांग्रेस के सदस्य ने वहां इसलिये खाना नहीं खाया क्योंकि वह हरिजन के घर का खाना था। (शोर)

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी के अध्यक्ष, श्रीमती अनीता यादव और हुड्डा साहब उस थाने में गए जहां उस हरिजन भाई की मौत हुई थी। (शोर)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है, भागी राम जी जो कह रहे हैं अगर रिसाल सिंह जी खुद कहते तो ठीक बात होती । कांग्रेस दलितों की हितैषी पार्टी है, यह सरकार तो दलितों की दुश्मन है, ये तो दलितों को बर्बाद करने में लगे हुए हैं।

श्री भागी राम : उपाध्यक्ष महोदय, मैं कांग्रेसी सदस्यों का रिसाल सिंह के यहां जाने या न जाने के बारे में नहीं कह रहा, मैं तो कह रहा हूं कि इन्होंने वहां पानी तक नहीं पिया। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : भागी राम जी, आप बैठिए।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : उपाध्यक्ष महोदय, ये रिसाल सिंह वाली बात एक्सपंज करवाई जाए। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : आप बैठें । (शोर)

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला जी जब इधर विपक्ष में बैठा करते थे तो कहा करते थे कि बंसीलाल जी ने शराब की आड़ में हरियाणा की जनता पर टैक्स लगा दिए लेकिन जब से ये सरकार आई है हमारे फाइनैंस मिनिस्टर भी बैठे हैं मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि हलवाई टैक्स के रूप में, प्रोफैशनल टैक्स के रूप में, पब्लिक हैल्थ के नाम पर चार्जिज के रूप में, सीवरेज के नाम पर जो चार्जिज लगे ये सब टोटल कितने टैक्सिज लगाए गए हैं इनका पूरा ब्यौरा दें ? **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** अध्यक्ष महोदय, हाउस टैक्स का मुद्दा एक अहम मुद्दा है। 2 तारीख को ऐतिहासिक बन्द था। **(शोर)** रंगा साहब जानते हैं कि 10 अक्तूबर को रेवाड़ी के अन्दर एक भी चाय की दुकान तक नहीं खुली क्योंकि 10 अक्तूबर को रेवाड़ीबन्द हुआ था। उसी को देखते हुए हमारी पार्टी ने 2 तारीख को हरियाणा बन्द का आह्वान किया और यह बन्द बड़ा ही सफल हुआ। **(शोर)** रंगा साहब शहर में दुकानें खुलवाने के लिए गए। आज के इतिहास में पहले कभी ऐसा नहीं हुआ कि शहर के मंत्री खुद शहर में दुकानें खुलवाने के लिए जाएं। इनकी फज़ीयत हुई और लोगों ने इनके खिलाफ नारे लगाए।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

(i) स्वास्थ्य राज्य मन्त्री द्वारा –

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डॉ० एम० एल० रंगा) : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। 10 अक्तूबर को रेवाड़ी का 100 प्रतिशत बाजार खुला था और इस बात का सबूत यह है कि मेरी गाड़ी बाजार में 100 की स्पीड पर गई। (शोर)

(इस समय विपक्ष के कई माननीय सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो गए और हंसने लगे।)

मन्त्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : प्लीज आप सभी शांति रखें और अपनी-अपनी सीटों पर बैठ जायें।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, रंगा साहब कह रहे हैं कि उनकी गाड़ी रेवाड़ी शहर से 100 की स्पीड से निकली थी। 100 की स्पीड से शहर में गाड़ी तभी चल सकती है जब बाजार बंद हो। इससे जाहिर होता है कि 2 अक्तूबर को बंद सफल रहा था। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, 2 तारीख का बंद ऐतिहासिक बंद था। जींद में भी हमारे तीन विधायक थे वहां भी बंद सफल रहा, गुड़गांव में भी बंद सफल रहा। जनता में सरकार के खिलाफ बड़ा आक्रोश है कि सरकार ने जनता पर हाउस टैक्स बहुत ज्यादा लगा दिया है। यदि 5 प्रतिशत कौस्ट ऑफ कंस्ट्रक्शन के हिसाब से टैक्स लिया जायेगा तो जो दुकान बाजार के बीच में है उसके ऊपर 20 हजार से 25 हजार रुपये टैक्स बनेगा। गोयल साहब, आपको अगली बार लोग वोट नहीं देंगे।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप चेयर को संबोधित करके बोलें।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

(ii) नगर विकास राज्य मन्त्री द्वारा –

नगर विकास राज्य मन्त्री (श्री सुभाष गोयल) : अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। कैप्टन साहब ने मेरा नाम लिया है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, हाउस टैक्स के बारे में जो विपक्ष के भाइयों ने कहा है उसके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि ये कैल्कुलेशन करके देख लें, जो पुराना टैक्स किराये पर बनता था, नई नीति के तहत उससे ज्यादा नहीं बनेगा। मैं इसको चैलेंज करता हूं विपक्ष के भाई चाहें तो पंचकूला के किसी मकान पर नई नीति के तहत कैल्कुलेशन कर के देख सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

मन्त्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जो हाउस टैक्स नई नीति के तहत मार्किट रेट के हिसाब से लगाया गया है उससे हाउस टैक्स 10 गुणा से लेकर 20 गुणा तक बढ़ गया है। अध्यक्ष महोदय, कौस्ट ऑफ कंस्ट्रक्शन के 5 प्रतिशत के हिसाब से जो टैक्स लगाया गया है it is just like a registry. इस बारे में मेरा कहना यह है कि चाहे सरकार ऑक्ट्राय लगाये लेकिन हरियाणा की जनता पर जो बहुत ज्यादा हाउस टैक्स लगाया गया है इसे हटाया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है। जिस तरीके से नई हाउस टैक्स नीति के तहत टैक्स लगाया गया है उसके बारे में गोयल साहब के अलावा कोई दूसरा मंत्री नहीं बता सकता कि किस तरह से कल्कुलेशन करके टैक्स लगाया जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान) यदि किसी दूसरे मंत्री को इस बारे में मालूम है तो हाउस को बतायें। इनको सीधी तरह जितने गज का प्लाट है, उसी हिसाब से 2 रुपये, 5 रुपये गज के हिसाब से जो भी ठीक होता टैक्स लगाना चाहिए था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, प्लीज आप बैठें, गुप्ता जी आगे जो कुछ भी बोलें वह रिकार्ड न किया जाये। (शोर एवं व्यवधान) कैप्टन साहब आप भी बैठें।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मुझे मेरी बात तो पूरी करने दो। उसके बाद मैं बैठ जाऊंगा।

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under rule 15.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

> That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker : Motion moved—

> That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker : Question is—

> That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

The motion was carried

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under rule 16.

वित्त मन्त्री (प्रो० सम्पत सिंह) : स्पीकर साहब, मैं यह मोशन मूव करने से पहले एक बात कहना चाहूंगा। अभी मोशन अंडर रूल 15 स्वीकृत करने के बारे में मोशन मूव हुआ तो विपक्ष के नेता ने "नो" कह दिया। स्पीकर साहब, पता नहीं उन्होंने किस बात के कारण "नो" कह दिया। मोशन अंडर रूल 15 जब तक हाउस का बिजनैस खत्म नहीं होता तब तक हाउस चलाने के लिए होती है। इसलिए इस मोशन के ज़रिए सदस्यों को बोलने के लिए ज्यादा समय मिलता है। यदि इनको वह मोशन मंजूर नहीं होता है तो आज हाउस डेढ़ बजे तक चलना था। हम तो हाउस को मोशन अंडर रूल 15 के जरिए हाउस का समय डेढ़ बजे से आगे बढ़ाने के लिए कह रहे हैं फिर भी ये "नो" कहें तो यह बड़े अफसोस की बात है।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हम तो यह भी कह रहे हैं कि आप हाउस को दो दिन और चलाएं उसको भी तो आप मानें।

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine die.*

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine die.*

Mr. Speaker : Question is—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine die.*

The motion was carried

मन्त्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी जय प्रकाश (बरवाला) : स्पीकर साहब, विपक्ष के नेता ने सरकार के खिलाफ जो अविश्वास प्रस्ताव रखा मैं उसके पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। जब से हरियाणा प्रदेश में इनेलो की सरकार बनी है तब से हरियाणा प्रदेश की कानून-व्यवस्था चौपट हो चुकी है। आज चाहे व्यापारी हों, चाहे कर्मचारी हों, चाहे छात्र हों, चाहे किसान हों और चाहे मजदूर हों हर व्यक्ति भयभीत है। अगर कोई व्यापारी सुबह अपने घर से दुकान पर जाता है तो उसको यह पता नहीं है कि वह शाम को अपने घर पर वापिस भी आ जाएगा क्योंकि वह सेफ नहीं है। मुझ से पहले बोलते हुए एक माननीय सदस्य ने एक बात उठाई थी कि हरियाणा सरकार ने कुछ ऐसे अपराधियों को जेलों से रिहा किया है जो न वैज्ञानिक अपराधी हैं और न ही रसायनिक अपराधी हैं। उनके खिलाफ केवल एक अपराध के मामले में केस दर्ज नहीं है बल्कि उनके खिलाफ 10-10 अपराधों के केस दर्ज हैं। उनको रिहा किया गया है। ऐसे-ऐसे व्यक्तियों को छोड़ा गया है, जिनके खिलाफ जेल से छूटने के बाद 1996 में फिर 307 के केस दर्ज हुए हैं। यदि सरकार कहे तो मैं उनके नाम दे सकता हूं। उनमें से कुछ लोग इनकी पार्टी के पदाधिकारी भी रह चुके हैं। कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में जसबीर सिंह का कत्ल हुआ उस केस में सतप्रकाश और हिम्मत सिंह को सुप्रीम कोर्ट से सजा हुई लेकिन इस सरकार ने उनकी सजा माफ कर दी। अदालत में हथियार ले जाना अपराध है। (शोर) उस समय मैं आपके ही साथ था। (शोर एवं विघ्न) झज्जर में लगभग 45 मिनट तक गोलियां चलीं थीं। वकील भी बेचारे अपने चैम्बरों की टेबल के नीचे जा कर छिप गए थे। (शोर एवं विघ्न)

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) : ऑन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, ये यहां पर बहुत ही उल्टी-सीधी बातें कर रहे हैं। (शोर एवं विघ्न) स्पीकर साहब, छाज तो बोले ही बोले छलनी भी बोले। यहां पर ये लॉ एण्ड आर्डर की बात कर रहे हैं। मुझे इस भाई के बारे में एक छोटी सी बात याद आ गई है, वह मैं इनके बारे में बताना चाहता हूं। स्पीकर साहब, किसी गांव की एक गली से एक नई नवेली दुल्हन रोती हुई जा रही थी। रास्ते में उस गली के अन्दर एक मकान के बाहर 95 साल का एक बूढ़ा खटिया पर पड़ा बुरी तरह खांस रहा था। जब

[श्री रामपाल माजरा]

वह नई नवेली दुल्हन उस गली से गुजरते हुए उस बूढ़े आदमी के पास से गुजरने लगी तो वह बूढ़ा आदमी कहने लगा कि तू क्यूं रो रही है ? इस पर वह कहने लगी कि मेरा आदमी मर गया। इस पर बूढ़ा कहने लगा कि थारे घर में तो प्रथा है कि जब कोई मर जाता है तो दूसरे आदमी का लत्ता ओढ़ लिया जाता है इसलिए तू अपने जेठ का लत्ता ओढ़ ले। इस पर भी वह नई नवेली दुल्हन कहने लगी कि मैंने उसका भी लत्ता ओढ़ा था लेकिन वह भी दो-अढ़ाई महीने पहले गुजर गया, तो इस पर फिर बूढ़ा कहने लगा कि अगर वह भी मर गया है तो तू अपने देवर का लत्ता ओढ़ ले। इस पर वह कहने लगी कि उसका भी लत्ता ओढ़ा था लेकिन वह भी एक महीने पहले मर गया। इस पर बूढ़ा कहने लगा कि तू ऐसी भाग्यशाली है कि जिसका भी लत्ता ओढ़ती है वही मर जाता है। तू मेरा लत्ता ओढ़ ले ताकि मैं भी इस खांसी से छुटकारा पा कर मर सकूं। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि जब ये इनेलो में थे तो इनेलो का नाश किया, जब ये एच०वी०पी० में थे उसका नाश हुआ और अब ये कांग्रेस पार्टी में हैं तो अब कांग्रेस पार्टी का भी शत-प्रतिशत सत्यानाश होगा। (हंसी एवं शोर)

चौधरी जय प्रकाश : स्पीकर साहब, झज्जर में सरे-आम गोलियां चलीं। (शोर एवं विघ्न) मुझे नहीं मालूम कि उन दोषियों के खिलाफ पर्चा दर्ज हुआ या नहीं ? (शोर एवं विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, ऑन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, क्या एक मंत्री द्वारा हाउस के किसी सम्मानित सदस्य का इस तरह से मजाक उड़ाया जा सकता है जिस तरह से ये उड़ा रहे हैं ? ये एक मैम्बर पर कटाक्ष करें और ऊपर से हंसे, क्या यह कोई अच्छी बात है ? क्या ऐसा करना ठीक है ? कृपया आप इस बारे में अपनी रूलिंग दें। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : यह कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है, आप बैठें।

चौधरी जय प्रकाश : स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि झज्जर में सरे-आम गोलियां चलने का कोई पर्चा दर्ज हुआ या नहीं हुआ इस बारे में तो मुझे मालूम नहीं लेकिन जो एक मुलजिम पकड़ा गया था वह अपना मोबायल फोन देकर उनको कहता है कि लो एस०पी० से बात करो। मैं खुद इस घटना के बाद झज्जर कोर्ट में गया तो वहां पर मुझे वकीलों ने बताया कि पुलिस बन्दूकधारियों को लेकर आती है और फिर वह वकीलों के चैम्बरों की तलाशी लेती है। मैं पूछना चाहता हूं कि वहां पर 45 मिनट दनादन गोलियां चलाने वाले मुलजिमों को गिरफ्तार किया था नहीं किया ? फिर ये भाई यहां पर कानून-व्यवस्था की चर्चा करते हैं। जब कोई इनकी बातों को उजागर करने की कोशिश करता है तो ये लोग उसका मज़ाक उड़ाते हैं और उस पर हंसते हैं तथा फिर उस बात को टाल देते हैं। अदालत में गोलियां चलें, व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर गोलियां चलें, राजनीतिक लोगों पर गोलियां चलें फिर ये कहें कि हमारे यहां राम-राज है। मैं पूछना चाहता हूं कि यह कैसा राम राज आ गया ? अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे एक साथी ने किसी औरत के लत्ता ओढ़ने वाली बात मेरे सम्बन्ध में कही। (शोर एवं विघ्न) मैंने तो इनको 1996 में भी लत्ता ओढ़ा दिया था जो कि कार्यवाही में दर्ज है। उस वक्त मैं 2 लाख वोटों से जीता था और इनेलो के आदमी को धूल चटाई थी। अब की बार फिर इनेलो के आदमी को धूल चटाई जबकि सारी की सारी सरकार मेरे खिलाफ लगी हुई थी और इसके बावजूद भी मैं जीत कर आया। यदि इन्होंने फिर आजमाइश करनी हो तो इसके लिए जे० पी० तैयार है, जे०पी० फिर से जीत कर दिखा देगा। (शोर एवं विघ्न)

एक आवाज : अब की बार तेरी जमानत जब्त होगी।

चौधरी जय प्रकाश : मेरी जमानत जब्त नहीं होगी, अब की बार सूने बेरा पाट ज्यागा कि क्या होगा। अध्यक्ष महोदय, इसी सरकार ने ज़ीन्द में जयंती मन्दिर की लूट डकैती के प्रति जांच के आदेश दिए कि इन्कवायरी होगी। हमने भी कहा अच्छा किया।

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, आप दो मिनट में अपनी बात खत्म करें।

चौधरी जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि जयंती मंदिर की डकैती की जांच के आदेश दिए थे तो हमने कहा था ये जांच के आदेश दे कर सरकार ने अच्छा काम किया। लेकिन सरकार के लठैत आदमियों ने ही उस जयंती मन्दिर की जमीन पर कब्जा कर लिया और जमीन अपने नाम करवा ली। (शोर एवं विघ्न) स्पीकर सर, मैं कह रहा था कि सरकार ने जांच के आदेश देकर अच्छा काम किया लेकिन उसी पांच करोड़ रुपये की मन्दिर की सम्पत्ति को भी, इन बेचारों ने नहीं छोड़ा और चार दिन पहले ही किसी के नाम उसका तबादला करा दिया। महाराज के समय की वह डयौढ़ी थी लेकिन इस सरकार के समय में इस पार्टी के नुमाइंदे उस डयौढ़ी को बेचकर खा गए। अध्यक्ष महोदय, इससे बुरी बात और क्या हो सकती है। आज पेशेवर अपराधी दनदना कर इनेलो का झंडा लगाकर काम कर रहे हैं। यह बात मैं नहीं कहता। मुख्यमंत्री जी बैठे हैं डी०आई०जी० (सी०आई०डी०)बैठें हैं। अखबार में लिखा है कि जब झज्जर के अंदर गोलियां चलीं तो वह लोग किस पार्टी का झंडा लगाए हुए थे। उन्होंने अपनी कार में दोनों तरफ इनेलो का झंडा लगा रखा था और ये कहते हैं कि जय प्रकाश उनके साथ था। जब मैं इनेलो में था तो किसी की हिम्मत नहीं थी कि कोई गलत काम करे क्योंकि हम गलत काम का विरोध करते थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, अब आप बैठें।

श्री जसबीर मलौर : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं जय प्रकाश विधायक जी को बताना चाहूंगा कि जिस समय ये सत्ता पक्ष में थे उस समय लोक दल पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कैसे धोखा किया करते थे और कैसे लूट खसौट किया करते थे, उसका उदाहरण मैं आपके सामने हूं। मैंने पहले भी इस बारे में कहा था कि इन्होंने मुझ से एक लाख रुपये नौकरी लगवाने के बहाने लिए थे लेकिन वह इन्होंने आज तक वापस नहीं किए। मैं माननीय विपक्ष के नेता से कहूंगा कि वे मेरे पैसे दिलवाएं। अगर वे ऐसा नहीं करेंगे तो मैं उनके खिलाफ एक ऐफिडैविट दूंगा। फिर ये कहेंगे कि मेरे खिलाफ झूठे मुकदमें दर्ज किए गए हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा में अम्बाला छावनी का भी उदाहरण आपके सामने रखना चाहूंगा। ये लोग अम्बाला में गए और कहकर आए कि झूठे मुकदमें बना दिए हैं। अध्यक्ष महोदय, दो तारीख को जब हरियाणा बंद था तो अम्बाला छावनी में इनके साथियों ने व्यापारियों से 25 हजार रुपये की लूटपाट की और गल्ला उठाकर ले गए। वह तो हमारी सरकार ने कार्यवाही की लेकिन ये तो लुटेरों के पक्ष में खड़े हो गये। इस तरह से ये इस तरह की घिनौनी बातें करते हैं।

चौधरी जय प्रकाश : मैं जब इनेलो में था और जो कुछ भी उस समय मुझे मिला वह तो मैंने सारा ओम प्रकाश चौटाला के सुपुर्द कर दिया था क्योंकि मैं इनकी पार्टी में था, मेरा कोई लेना-देना नहीं है। आज ये हरियाणा प्रदेश के किसानों के हमदर्द बनते हैं जबकि आज हरियाणा का किसान जेलों में बंद है। सुंडी की वजह से किसानों की फसल बर्बाद हो गयी है। एक तरफ तो यह सरकार

[चौधरी जय प्रकाश]

अपने आपको किसानों की हमदर्द सरकार कहती है और दूसरी तरफ यह किसानों को जेलों में धकेल रही है। वित्त मंत्री के घर के सामने किसान धरना देकर बैठें हैं। उनको जेलों में बंद किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मुझे बार-बार कहने की जरूरत नहीं है। चौटाला साहब जो यह कहते हैं कि मैंने पैसा लिया है, मैं कहना चाहूंगा कि जो पैसा मैंने लिया है वह तो मैंने इनको दे दिया अब मेरा उससे कोई लेना-देना नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद।

श्री जसबीर मलौर : अध्यक्ष महोदय, आज तक इन्होंने मेरा पैसा नहीं दिया। अब मैं इनके खिलाफ ऐफिडैविट दूंगा। मैं माननीय अध्यक्ष महोदय से अनुरोध करूंगा कि आप इनसे कहें कि ये मेरा पैसा वापस करें। अगर ऐसा नहीं होगा तो मैं इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाऊंगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, अब आप बैठें। आप सदन का समय नष्ट न करें। सवा दो घंटे हो चुके हैं जबकि दो घंटे का समय इसके लिए दिया गया था। जितना समय कांग्रेस पार्टी या विकास पार्टी को मिला था उससे ज्यादा समय उनको दिया जा चुका है। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आप दलाल साहब को भी पांच मिनट बोलने का समय दे दें क्योंकि अविश्वास प्रस्ताव पर इनके भी साईन हैं।

श्री अध्यक्ष : आप ही उनके नाम के समय का भी बोल लिए। जितना समय आपका निर्धारित था आप उससे ज्यादा बोल लिए। अब समय बहुत हो गया है। दलाल साहब, आप चौधरी भजन लाल जी में मर्ज हो गए। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, फिर तो आपने यह अविश्वास का प्रस्ताव मंजूर ही नहीं करना था।

श्री अध्यक्ष : सवा दो घंटे हो गए हैं जितनी भी आपकी पार्टी की स्ट्रैंथ है उससे ज्यादा आप बोल चुके हैं। आप बैठ जाइए।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, पार्लियामैंट्री प्रथा है कि जो मैंबर अविश्वास प्रस्ताव पर साइन करता है उसको पार्लियामैंट में भी और असैंबली में भी बोलने का मौका मिलता है, इस पर चौधरी कर्ण सिंह दलाल के भी साइन हैं इसलिए उन्हें बोलने का मौका दिया जाए।

श्री अध्यक्ष : आपकी पार्टी के कई वक्ता बोल चुके हैं, आप बैठ जाएं।

डॉ० रघुबीर सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, आपने मेरा नाम बोलने के लिए लिया था। आप हमें बोलने का समय दे देंगे तो hell is not going to fall.

श्री अध्यक्ष : जब आपका नाम बोलने के लिए लिया गया था तब आप खड़े नहीं हुए, आपने जय प्रकाश जी को अपना टाइम दे दिया। आपका समय जय प्रकाश के बोलने में मर्ज हो गया। (शोर एवं विघ्न)

श्रीमती अनीता यादव : अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने का मौका दें। मेरी बहनें मेरे बोलने का इंतजार कर रही हैं। (विघ्न) * * * * * * *

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : अनीता जी, आप बैठ जाइए। यहां सदन में कोई भाई या बहन नहीं होता। सभी भाई होते हैं। आपने बहनों को जो सुनाना है वह स्टेज पर जा कर कहें। अनीता जी जो कुछ कह रही हैं वह रिकार्ड न किया जाए। अब इनके जाने की तैयारी लग रही है अब इनके भागने की तैयारी लग रही है। भजन लाल जी, आप इनके लीडर हैं इनको समझाएं।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं तो इनको समझाऊं लेकिन इससे पहले आपको थोड़ी सी अक्ल दूंगा कि आपने डा० रघुबीर कादयान जी को बोलने के लिए बुलाया था।

श्री अध्यक्ष : नाम पुकारते हैं तो खड़े नहीं होते हैं, क्या मैं इंतजार करता रहूंगा ? चौधरी भजन लाल जी आपकी सारी बातें रिकार्ड पर आ गई हैं ? अब आप चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी का रिप्लाई सुनिये। (शोर एवं विघ्न) डिप्टी लीडर बोल चुके हैं और लीडर भी बोल चुके हैं हुड्डा साहब भी खुश हैं, राजी हैं इस बात के लिए। इसलिए आप बैठ जाएं। आप सब बैठ जाएं। (शोर एवं विघ्न)

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीर पाल सिंह) : डॉक्टर रघुबीर जी मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप पढ़े लिखे व्यक्ति हैं। एक तरफ तो आप चेयर पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं और यह भूल जाते हैं कि एक विधायक की कुछ मर्यादा होती है। डॉक्टर साहब, आप एक बार पहले जीतकर आए, हमने आपकी भी कार्यवाही देखी है, यह क्या तरीका है ? आप हर बार चेयर के सामने गैर जिम्मेदाराना बात करते हैं और मर्यादा से बाहर जाकर बात करते हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : आप लोग तो माईक भी तोड़ दिया करते थे।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठ जायें।

डॉ० रघुबीर सिंह कादयान : स्पीकर साहब, आपने मेरा नाम पुकारा है और मुझे बोलने के लिए समय दिया है। अब आप मुझे किस रूलिंग के तहत बैठाने की बात कर रहे हैं ? मैं अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं और इनके विरोध में बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : अविश्वास प्रस्ताव पर बोलने के लिए दो घण्टे का समय रखा गया था जबकि लगभग अढ़ाई घण्टे इस पर चर्चा हो चुकी है। फिर भी आप कह रहे हैं कि हाउस का समय और बढ़ा दिया जाये। आपके नेता ने जो नाम आर्डर ऑफ प्रैफरैंस पर दिये थे उसके हिसाब से मैंने उन नामों को पुकारा है और उन सदस्यों को बोलने का समय दिया है। अब अढ़ाई घण्टे इस पर चर्चा हो चुकी है और सरकार की तरफ से रिप्लाई भी आना है। (विघ्न)

वाक आउट

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी ने सरकार के खिलाफ अविश्वास का प्रस्ताव दिया है और आपने हमारी पार्टी के सदस्य का नाम पुकारा है फिर भी आप माननीय सदस्य को बोलने का समय नहीं दे रहे हैं, यह अच्छी बात नहीं है। अगर आप समय दे देंगे तो कौन सा पहाड़ टूट पड़ेगा।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, बोलने का समय देने की जरूरत ही नहीं है क्योंकि आप खुद कह रहे हैं कि कौन सा पहाड़ टूट पड़ेगा।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अगर आप हमारी पार्टी के सदस्य को अविश्वास प्रस्ताव पर बोलने का समय नहीं दे रहे हैं तो हम सदन से वाक आउट कर जाते हैं।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आप वाक आउट करने का बहाना ढूंढ रहे हैं आप वाक आउट कर सकते हैं यह आपका अधिकार है।

डा० रघुबीर सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, आपने मेरा नाम बोलने के लिए पुकारा है और आप मुझे बोलने का समय नहीं दे रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : जब आपका नाम पुकारा गया उस समय आप खड़े नहीं हुये।

डा० रघुबीर सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, यह ठीक बात नहीं है * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : जो श्री रघुबीर सिंह कादयान जी कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

(इस समय सदन में उपस्थित इण्डियन नैशनल कांग्रेस पार्टी, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सदस्य सदन से वाक आउट कर गये।)

मंत्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : स्पीकर सर, आपके सामने विपक्ष ने सरकार के खिलाफ अविश्वास का प्रस्ताव रखा आपने उस प्रस्ताव को एडमिट कर लिया और उनको बोलने का भरपूर समय दिया। विपक्ष का कर्त्तव्य बनता था कि वह अपनी बात और जनहित की बात यहां उठाते परन्तु उन्होंने यहां पर सिर्फ प्रोपगंडे की बात उठाकर सदन का दो-अढ़ाई घण्टे का समय ले लिया और अब सरकार का जवाब देने का समय आया तो वाक आउट कर गये। विपक्ष को हिम्मत रखनी चाहिये थी और सरकार का जवाब सुनना चाहिये था। स्पीकर सर, जब सामने कोई सुनने वाला न हो तो जवाब देने का मजा नहीं आता। जवाब तभी दिया जाता है जब सामने कोई सुनने वाला बैठा हो। मैं सिर्फ चार लाइनें श्री मांगेराम जी ने जो फाइनैंस के बारे में बात कही है उसके बारे में कहना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 37 प्रतिशत टैक्स इंक्रीज किये हैं और प्रदेश की बहुत ज्यादा देनदारियां हो गई हैं उनको कैसे निपटायेंगे ? अध्यक्ष महोदय, जहां तक टैक्सिज के इन्क्रीज की बात है, जो रैवेन्यू रिसीट इन्क्रीज आई है वह टैक्सिज बढ़ाने की वजह से नहीं आई है। इस सरकार ने तो टैक्सिज घटाए भी हैं। टायर-ट्यूब्स पर 12 प्रतिशत टैक्स से 8 प्रतिशत टैक्स इस सरकार ने किया है। इसी तरह से मोटे अनाज जैसे चना, बाजरा, ज्वार, दालें और सरसों पर मार्किट फीस 4 प्रतिशत थी, एक प्रतिशत मार्किट फीस को इस सरकार ने ही कम किया है। इस सरकार ने व्यापारियों को एक शुद्ध वातावरण दिया है ताकि वे ठीक प्रकार से काम कर सकें। हिन्दुस्तान में हरियाणा की ओम प्रकाश चौटाला के नेतृत्व वाली सरकार में सैल्फ असैसमैंट स्कीम एक मिसाल है। 5 करोड़ रुपये तक की इन्कम टैक्स बेसिज के ऊपर यह असैसमैंट होती है, उसके बाद तो बाईचांस ही कोई व्यापारी बच जाता है। व्यापारी खुद आकर 5 करोड़ रुपये की असैसमैंट कर सकते हैं, इतनी बड़ी छूट इस सरकार ने दी है। सरकार का बढ़िया नेतृत्व,

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

अधिकारियों की एफीशियैंसी और व्यापारियों का सहयोग ये तीनों चीजें मिलने से ही रैवेन्यू रिसीट बढ़ी है। व्यापारियों के सहयोग का मैं एक मोटा सा उदाहरण देना चाहूंगा। हमारे माननीय सदस्य श्री ओ०पी० जिंदल का सबसे बड़ा सहयोग है। जिंदल साहब बहुत ही सम्मानित सदस्य हैं तथा हरियाणा प्रदेश के बहुत बड़े उद्योगपति हैं, इनका हमें बहुत बड़ा सहयोग रहा है। हरियाणा प्रदेश में रैवेन्यू रिसीट इन्क्रीज हुई है और वह टैक्सिज बढ़ाने की वजह से नहीं हुई है बल्कि रिकवरी और सैल्फ असैसमैंट स्कीम के लागू करने की वजह से हुई है। मांगे राम जी सुन लें, मैं अकेले जिंदल स्ट्रिप्स का कह रहा हूं। वैसे तो इनकी और भी बहुत सी इंडस्ट्रीज हैं, उन्होंने हमें बहुत सहयोग दिया है। मांगे राम जी, जब फाइनैंस मिनिस्टर हुआ करते थे तब जो टैक्सिज की रिकवरी करते थे वह अधिकारी या राजनीतिक लोग अपनी जेबों में डालते थे। आज जो रिकवरी है, वह सरकारी खजाने में जा रही है। इसी कारण रैवेन्यू रिसीट इन्क्रीज हुआ है। व्यापारियों को बकायदा इस प्रकार ईमानदार बनाया गया है ताकि वे ईमानदारी से काम कर सकें और उनकी ईमानदारी का सबसे बड़ा सबूत ओ०पी० जिंदल जी हैं। वैसे तो इनकी बहुत सी इंडस्ट्रीज हैं मैं इनकी जिंदल स्ट्रिप्स का जिक्र करूंगा और इनके कंट्रीब्यूशन के बारे में बताना चाहूंगा कि स्टेट के खजाने में यह कितना ज्यादा है। 1999-2000 में जिंदल स्ट्रिप्स से 5 करोड़ 93 लाख रुपये आए। 2000-2001 में 16 करोड़ 23 लाख रुपये आए हैं अर्थात् ढाई गुना फालतू जिंदल स्ट्रिप्स से सरकारी खजाने में पैसा आया है। मैं इस साल की फिगर्ज भी देना चाहता हूं। इस साल अक्तूबर महीने तक 16 करोड़ 25 लाख रुपये जिंदल स्ट्रिप्स से सरकारी खजाने में आ चुका है। ऐसा करके इन्होंने ईमानदारी का माहौल पैदा किया है, इस ईमानदारी की वजह से व्यापारी व उद्योगपति सरकार को सहयोग दे रहे हैं और उसी सहयोग की वजह से रैवेन्यू रिसीट इन्क्रीज हुआ है। (शोर)

श्री धर्मबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। मैं इनसे पूछना चाहूंगा कि क्या पहले टैक्सिज की चोरी होती थी ?

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं चोरी के लिए नहीं कह रहा हूं। मैं तो कह रहा हूं कि पहले जो रैवेन्यू आता था वह सरकारी खजाने की बजाय मांगे राम जी खा जाया करते थे लेकिन अब सरकारी खजाने में जा रहा है इसी वजह से यह रैवेन्यूरिसीट में बढ़ौतरी हुई है। (शोर)

श्री ओम प्रकाश जिंदल : अध्यक्ष महोदय, हमने 1000 करोड़ रुपया फैक्टरी में ज्यादा लगाया है।

श्री अध्यक्ष : जिंदल साहब, आप किस सब्जैक्ट पर बोलना चाहते हैं ?

वैयक्तिक स्पष्टीकरण-

(iii) श्री ओम प्रकाश जिन्दल, एम० एल० ए० द्वारा

श्री ओम प्रकाश जिंदल : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। मैं कह रहा था कि हमने 1000 करोड़ रुपया फैक्टरी में ज्यादा लगाया और वह इसलिए लगाया क्योंकि हम हरियाणा के रहने वाले हैं और यहां हरियाणा में टैक्स ज्यादा दें इसीलिए फैक्टरी में ज्यादा पैसा लगाया।

मंत्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं जिंदल साहब को एप्रीशियेट करता हूं कि इन्होंने हरियाणा में इन्वैस्टमैंट की। चौधरी भजन लाल जी कह रहे थे कि कोई भी इण्डस्ट्रियलिस्ट हरियाणा में पैसे नहीं लगा रहा। जिंदल साहब ने हरियाणा में अपना बिजनैस इसलिए बढ़ाया है कि हरियाणा सरकार इण्डस्ट्रियलिस्ट को पूरी सुविधाएं दे रही है। भजन लाल जी को इससे पक्का और क्या सबूत चाहिए कि इनके पार्टी के सदस्य ने ही यहां पर ज्यादा इन्वैस्टमैंट की है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुझे बड़ी प्रसन्नता है कि विपक्ष पहली बार अपनी भूमिका निभाने का प्रयास कर रही है और यह तभी हो सकता है जब ये आज पूरे समय तक सदन में उपस्थित रहें। (शोर एवं व्यवधान) विपक्ष के भाई जब पहली बार सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आये थे तब उस पर बिना बहस करे ही ये लोग वाक-आउट कर गये थे। जब ये लोग दूसरी मर्तबा सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आये तब इनकी पूरी संख्या होते हुए भी सदन में पूरे सदस्य उपस्थित नहीं हुए। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के भाईयों को कानून का कितना ज्ञान है, रूल्ज की कितनी जानकारी है, इस बात का पता तो आपके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव से ही ज़ाहिर हो गया। बड़ी पुरानी कहावत है कि अच्छे सलाहकार होंगे तो काम भी अच्छा चलेगा। भजन लाल जी के सलाहकार कैप्टन अजय सिंह जी हैं। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता को और विपक्ष के दूसरे साथियों को मैं एक बात यह भी बताना चाहता हूं कि आपने इनको सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर आधे घंटे बोलने का समय दिया था। (शोर एवं व्यवधान) लेकिन इन्होंने सदन का तीन घंटे का बहुमूल्य समय अनर्गल बातों को लेकर खराब कर दिया। इनकी कोई भी बात मुद्दों और तथ्यों पर आधारित नहीं थी। मैंने यह भी कहा था कि विपक्ष के साथी आराम से तथ्यों पर आधारित बात बोलें, सत्ता पक्ष का कोई भी सदस्य इनको बीच में इन्ट्रप्ट नहीं करेगा। पूरा सदन इस बात का गवाह भी है कि हमारी तरफ से किसी भी सदस्य ने इन्ट्रप्शन नहीं की, लेकिन मुझे अफसोस है कि वित्तमंत्री ने जब किसी मुद्दे पर चर्चा करनी शुरु की तो विपक्ष के भाईयों ने शोर मचाना शुरु कर दिया और वाक-आउट करके चले गये। मुझे अब भी अंदेशा है कि विपक्ष के भाई मेरी पूरी बात सुनने से पहले ही सदन छोड़कर चले जायेंगे। अगर नहीं जायेंगे तो इसलिए कि इन्हें सरकार से कुछ सुविधा की उम्मीद होगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी इस तरह की बात करें, यह इनको शोभा नहीं देता। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्लीज, आप बैठें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अगर कोई आदमी कहने की हिम्मत रखता है तो उसमें सुनने की हिम्मत भी होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल ने सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की। उन्होंने जो शुरुआत की वह प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति को ले कर की। अध्यक्ष महोदय, मुझे हैरानी इस बात की है कि उस व्यक्ति ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति की ज्यादा चर्चा की जिसने 10 साल तक प्रदेश की कानून-व्यवस्था को अपने पांव के तले रौंदने का काम किया। यह बात मैं नहीं कह रहा हूं प्रदेश का इतिहास इस बात का गवाह है। अध्यक्ष महोदय, 21वीं शताब्दी का प्रथम वर्ष महिला सशक्तिकरण को समर्पित किया गया है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल के शासनकाल में जितनी घटनाएं एवं आपदाएं महिलाओं को

झेलनी पड़ीं उतनी किसी भी शासनकाल में नहीं झेलनी पड़ीं। रेणुका अपहरण हत्या काण्ड, सुशीला अपहरण हत्या काण्ड, द्रोपदी अपहरण हत्या काण्ड। कुरुक्षेत्र जिले के भूतमाजरा गांव में दो सगी बहनों का हत्या काण्ड। कुरुक्षेत्र जिले के ही गांव लौहारी माजरा में लच्छो हत्या काण्ड हुआ लेकिन हमारी सरकार के वक्त में एक भी इस प्रकार की घटना नहीं घटी। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के वक्त में एक भी ऐसी घटना घटी हो तो सारा सदन बैठा है, कोई भी माननीय सदस्य बता दे। चौधरी भजन लाल जी, मैं आधारहीन बात कहने का पक्षधर नहीं हूं। मैं तथ्यों पर आधारित बात कहता हूं। मैं इस बात की चुनौती देता हूं कि अगर हमारी सरकार के वक्त में एक भी ऐसी घटना घटी हो तो कोई भी माननीय सदस्य खड़ा हो कर हाउस में बता दे। हम महिलाओं का सम्मान करते हैं, हम उनकी पूरी इज्जत करते हैं। अध्यक्ष महोदय, जहां तक प्रदेश की कानून-व्यवस्था की बात है उस बारे में आंकड़े बता रहे हैं कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति ठीक है, लेकिन मैं यह भी नहीं कहता कि हमने प्रदेश में अपराधों पर पूरी पाबंदी लगा दी है। अध्यक्ष महोदय, सवाल यह है कि हरियाणा प्रदेश में अपराधी किसने पैदा किए, हरियाणा प्रदेश में अपराधी चौधरी बंसी लाल ने पैदा किए क्योंकि इन्होंने बिना सोचे-समझे और सदन की मर्जी के खिलाफ प्रदेश में शराबबंदी लागू कर दी। जब चौधरी बंसी लाल की सरकार की तरफ से सदन में शराबबंदी का कानून लाया गया था उस समय चौधरी भजन लाल भी इस सदन में थे। उस समय मैंने सदन में कहा था कि हम आर्य समाजी कल्चर के लोग हैं इसलिए शराब हमारे लिए एक अभिशाप है, एक लानत है और एक बुराई है। हम इस बात के पक्षधर हैं कि प्रदेश में शराबबंदी होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ-साथ मैंने यह भी कहा था कि चौधरी बंसी लाल जी, शराबबंदी के बारे में प्रदेश के लोगों को जागरूक करना चाहिए। उसके बाद अगर सरकार की मंशा ठीक हो तो प्रदेश में शराबबंदी लागू हो सकती है। मैंने दलील के साथ बताया था कि अमेरिका ने अपने यहां शराब बंद करने की कोशिश की थी उसके लिए उन्होंने कानून भी बनाया था लेकिन वहां शराब बंद नहीं हो पाई। वहां पर अपराध बढ़ा। अपने देश में भी गुजरात स्टेट के अन्दर शराब बंद की गई थी तो वहां पर शराब माफिया खड़ा हो गया। मैंने यह भी कहा था कि चौधरी बंसी लाल जी, अगर सरकार शराब की तस्करी करने का काम करेगी तो निश्चित रूप से माफिया खड़ा होगा। चौधरी बंसी लाल जी, आपकी सरकार के वक्त में प्रदेश में खुलेआम शराब की तस्करी हुई। चौधरी बंसी लाल जी आपने शराबबंदी का सर्वे करवाने के बारे में एक कमीशन मुकर्रर किया था लेकिन उस कमीशन की रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत नहीं की गई। उसकी रिपोर्ट सदन में इसलिए प्रस्तुत नहीं की गई क्योंकि वह रिपोर्ट आपकी सरकार के खिलाफ थी।

चौधरी बंसी लाल : मैंने कोई कमीशन मुकर्रर नहीं किया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमने एक पुरानी बात सुनी है कि मारने के लो सींग पकड़ ले झूठे की क्या कोई पूंछ पाड़ लेगा ? यह भी कोई बात है कि ये सच को भी झुठलाते हैं। उस कमीशन के बारे में सारी प्रैस जानती है, सारे प्रदेश की जनता जानती है और सारा सदन जानता है। सारा विश्व जानता है। इन्होंने उस कमीशन की रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत नहीं की।

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, रिपोर्ट स्टडी कराई वह एक अलग चीज है। लेकिन कमीशन हमने कोई मुकर्रर नहीं किया और जो स्टडी थी वह सबसे बड़ी स्टडी यह थी कि हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी हमने शराब बन्दी के मुद्दे पर वोट लिया हरियाणा की जनता ने वोट दिया इससे बड़ी स्टडी कोई नहीं हो सकती।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, वह कमीशन ही तो था।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी बंसी लाल जी से कहना चाहूंगा कि चौधरी बंसी लाल जी, आपने शराबबंदी करके शराब की तस्करी के लिए प्रदेश में माफिया ही खड़ा नहीं किया बल्कि इस सदन में शराबबंदी के बारे में चर्चा हुई तो आपने शराबबंदी का निर्णय वापिस ले लिया। प्रदेश में शराब खोलने के बारे में न आपने हरियाणा की जनता से पूछा, न आपने अपनी पार्टी के लोगों से पूछा, न आपने अपने सहयोगी दलों से परामर्श किया और न ही आपने सदन से पूछा, केवल मात्र आपने अपने तस्कर बेटे के कहने पर प्रदेश में शराब खोल दी।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण-

(iv) चौधरी बंसी लाल, एम०एल०ए० द्वारा

चौधरी बंसी लाल : Sir, on a point of personal explanation. जब शराब खोली गई दोनों पार्टियों की जनरल बॉडी की मीटिंग हुई दोनों पार्टियों ने फैसला किया, एम०एल०एज़०, एम०पीज० ने यूनैनिमस फैसला किया और कैबिनैट ने फिर यूनैनिमस फैसला किया यह निराधार इल्जाम है कि मैनें किसी को नहीं पूछा।

मन्त्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, एक ही दिन में कैबिनट में पास हो गया, एक ही दिन दोनों पार्टीज की जनरल बॉडी में यह मामला पास हो गया और बाद में सदन में भी पास हो गया। अध्यक्ष महोदय, इनको अक्ल तो आई लेकिन देर में आई। यह अक्ल तब आई जब इन्होंने खूब पैसा कमा लिया, इनकी जेब पैसों से भर गई, उसके बाद ही इनको शराब बंद करने की अक्ल आयी। इन्होंने जो काम किये हुए हैं उनको हम भुगत रहे हैं। इनके गलत कामों की वजह से गिरोह खड़े हो गए। (विघ्न)

चौधरी बंसी लाल : मेरी नीतियों की वजह से गिरोह खड़े नहीं हुए, बल्कि आपकी ग्रीन ब्रिगेड की वजह से गिरोह खड़े हुए थे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी साहब, जो गिरोह या अपराधी आपने खड़े किए थे उनसे निपटने में अब हमें कितनी परेशानी आती होगी वह तो हम ही जानते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह तो नहीं कहता कि अपराध पूरी तरह से समाप्त हो गए। अपराधी अपराध कर सकते हैं लेकिन वे बच कर जा नहीं सकते। मैं अपराधियों के बारे में बताना चाहूंगा कि अपराधियों ने तो अमेरिका के भूतपूर्व राष्ट्रपति श्री कैनेडी को भी मार दिया था और अपने देश की भूतपूर्व प्रधान मन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी तक को भी मार दिया था। अपराधियों ने अभी हाल ही में वर्ल्ड ट्रेड सैन्टर पर आक्रमण करके 5 हजार मासूम लोगों को मार दिया। इतना ही नहीं अपराधियों ने तो जो दुनिया में सबसे बड़ी शक्तिशाली जगह पेन्टागन थी, जो सारे विश्व को रक्षा की छतरी प्रदान करती थी, उसको भी बर्बाद कर दिया। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि अपराधी अपराध कर सकता है लेकिन

मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि हरियाणा की पुलिस इन अपराधियों को पकड़ने में सक्षम है। हमारे यहां पर पहले की अपेक्षा अपराध घटे हैं, बढ़े नहीं। (शोर एवं विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर।

श्री अध्यक्ष : इस वक्त कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं होगा। आप बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिये। मैं कोई गलत बात कहने नहीं जा रहा।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : क्यों बैठूं ? मेरा भी बोलने का अधिकार है।

श्री अध्यक्ष : आप शान्ति से सी०एम० साहब का जवाब सुनिये। कृपा करके आप बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : पहले आप मेरी बात तो सुन लें।

श्री अध्यक्ष : आपने कोई बात कहनी है तो पहले उसकी इजाजत ली जाती है। मैंने अभी आपको बोलने की इजाजत नहीं दी है इसलिए आप बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : मैं ऐसी कौन सी गलत बात कहने जा रहा हूं जिस कारण आप मुझे अपनी बात कहने देने की बजाये मुझे बैठने के लिए कह रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : आप बगैर इजाजत के बोल रहे हैं, इसलिए मैं आप को बैठने के लिए कह रहा हूं। बगैर इजाजत के बोलने का किसी को अधिकार नहीं है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : क्या बोलने का अधिकार भी आप से लेना पड़ेगा ?

श्री अध्यक्ष : यह अधिकार भी मैंने देना है कि किसको कब बोलने देना है या नहीं बोलने देना है। आप अभी बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : आप मेरी बात सुन तो लें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, इस हाउस में कुछ लोग अब भी ऐसे हैं जो कि सदन की मर्यादा को बिगाड़ रहे हैं। (शोर एवं विघ्न) स्पीकर साहब, पहले आप इन को बिठायें।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप बैठ जायें। सी०एम० साहब के रिप्लाई के बीच में आप बार-बार खड़े होकर विघ्न न डालें। सी०एम० साहब, आप कन्टीन्यू करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा था कि अपराधी अपराध कर सकते हैं लेकिन वे अपराध कर के बच कर नहीं जा सकते। इसी कारण इन अपराधों पर हमने काफी हद तक सफलता भी पाई है। अगर मैं सभी अपराधों की डिटेल बताने लगूंगा तो इसमें सदन का काफी समय लग जायेगा। अगर मैं भी चौधरी भजन लाल जी की तरह अपराधों की गिनती करके बताऊंगा तो फिर न जाने कितना समय लग जायेगा, इसलिए मैं उस बहस में नहीं जाना चाहता। हां, मैं इतना अवश्य कहना चाहूंगा कि जो कुछ भी हमारे यहां पर वारदातें हुई हैं चाहे वह बस डकैती की हों, रेल में लूटपाट की घटना हों या रोबरी की कोई वारदात हुई हो, इन के बारे में मैं गर्व से कह सकता हूं कि वे सारी की सारी ट्रेस हुई हैं। (तालियां)

श्रीमती अनीता यादव : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी एक बात सुनिये।

श्री अध्यक्ष : अनीता जी, आप बैठ जाइए। आप बगैर परमिशन के न बोलें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अनिता जी आप बैठ जाएं। यह वर्ष महिला सशक्तिकरण वर्ष है।

श्रीमती अनीता यादव : स्पीकर साहब, मैं कुछ कहना चाहती हूं, आप मेरी बात तो सुनिये।

श्री अध्यक्ष : अनीता जी, आप बीच में इन्ट्रप्ट न करें, आप बैठ जाएं। सी०एम० साहब, आप कन्टीन्यू करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुझे हैरानी इस बात की है कि सदन का जो एक जिम्मेवार व्यक्ति है और संयोग से वह विधान सभा का सदस्य भी है, उसने झज्जर कांड को लेकर यहां पर काफी कुछ कहा कि मैं वहां पर गया था। जहां तक मुझे याद है इन्होंने यहां पर यह कहा कि उस कांड में लोकदल पार्टी के आदमी थे। अध्यक्ष महोदय, झज्जर परिसर में जिन्होंने गोलियां चलाईं, उनके बारे में मैं बताना चाहूंगा कि गोलियां चलाने वाले तीन व्यक्ति मोलू, धर्मेन्दर और 14.00 बजे संजय थे। संजय जाखौदा गांव का है और यह गांव बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में आता है। मोलू उस कांग्रेस उम्मीदवार का सगा भाई है जिसने बहादुरगढ़ से कांग्रेस पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा है।

डॉ रघुबीर सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : जो कुछ रघुबीर कादयान कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं इससे आगे की और बता देता हूं। धर्मेन्द्र उसका सगा चचेरा भाई है और यह सोमवीर गिरोह जींद से संबंधित है और मोलू व संजय जाखौदा बलात्कार कांड में फरार मुजरिम हैं। अध्यक्ष महोदय, बड़ा चर्चा चलाया गया है। (विघ्न) बहुत बड़ा प्रचार किया गया था, प्रैस कांफ्रैंस भी की गई थी और महामहिम राज्यपाल महोदय के पास भी ये लोग गए थे कि मौजूदा सरकार राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ अपराधिक मुकदमे दर्ज कर रही है। हैरानी इस बात की है कि जो स्वयं अपराधिक प्रवृति के लोग हैं उनके खिलाफ अपराध के मुकदमे दर्ज होने चाहिएं और जिन लोगों ने अपराध के मुकदमे दर्ज कराए हैं वे या तो उनके रिश्तेदार हैं या सगे भाई हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह दलाल, आप बैठ जाएं। जो कुछ कर्ण सिंह दलाल कह रहे हैं वह रिकार्ड न करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : जितने लोगों के खिलाफ मुकद्में दर्ज हुए हैं सरकार का उसमें लेशमात्र भी दखल नहीं है और यह बात मैं ऑन दि फ्लोर ऑफ दि हाउस कह रहा हूं। हम जनतंत्र में विश्वास रखते हैं और डैमोक्रेटिक तरीके से जीतकर आए हैं। (विघ्न)

चौधरी जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर और पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन है।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाइए आपको तो यह भी क्लीयर नहीं है कि आप प्वाइंट आफ आर्डर पर हैं या पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन देना चाहते हैं आपको यह भी पता नहीं है जब स्पीच चल रही होती है तब प्वाइंट ऑफ आर्डर नहीं होता।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं फिर आपके माध्यम से इनसे विनम्र अनुरोध करना चाहता हूं कि कृपया सुनने की हिम्मत रखें। मैं कोई भी अनर्गल बात कहकर सदन का समय खराब नहीं करना चाहूंगा। मांगे राम जी ने बंद की विफलता को छुपाने का चर्चा किया। दो तारीख को कांग्रेस पार्टी के लोग जगह-जगह जाकर के लोगों की दुकानें बंद करवा रहे थे। एक व्यक्ति जींद का था उसको कहा गया कि दुकान बंद करे और दुकान बंद न करने पर उसको एक कांग्रेसी ने ही थप्पड़ मारा। यह रिकार्ड की बात है मेरे पास पर्ची है। यह जो चार आने की मैम्बरशिप का फार्म है वह भी मैं दिखाऊंगा। (शोर एवं व्यवधान) मैं मांगेराम वाली कांग्रेस की बात कर रहा हूं। भजन लाल जी की और हुड्डा की कांग्रेस की बात नहीं कर रहा हूं इनकी तो 1947 के बाद की कांग्रेस है। मैं तो मांगेराम वाली कांग्रेस की बात कर रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, पुलिस के पास अगर कोई रिपोर्ट लिखवाने जाएगा तो पुलिस तो रिपोर्ट लिखेगी ही। पुलिस ने पर्चा दर्ज किया कि कुछ लोग इकट्ठे हुए और एस० पी० का घेराव किया। (शोर एवं व्यवधान) इन्होंने मीटिंग की और मीटिंग करके तय किया कि एस०पी० का घेराव किया जाए। अध्यक्ष महोदय, आज तक तो हम यह सुना करते थे कि अग्गम बुद्धि बनिया और पछम बुद्धि जाट। उस मीटिंग के बाद जय प्रकाश ने शेर सिंह को और इनको उंगली लगाकर आगे भेज दिया और पीछे से एस०पी० को टेलीफोन कर दिया कि ये दो लोग आने वाले हैं इनको गिरफ्तार कर लेना। अगर इसमें कोई गलती है तो बता दें। जो मैंने सुना है हो सकता है वह गलत हो। लेकिन जो हुआ है मैं वही बता रहा हूं।

श्री अध्यक्ष : मांगेराम जी, आप एस०पी० से दो मिले थे या तीन मिले थे।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, हमें आगे नहीं भेजा गया है बल्कि मैं तो खुद ही सबसे आगे था। मीटिंग करके घेराव करने वाली बात नहीं हुई। यह पहले की बात है। घेराव की बात तब हुई जब उसने कहा कि एम०एल०ए० की बात मैं नहीं सुनता, मैं एम०एल०ए० को नहीं मानता।

श्री अध्यक्ष : ऐसी कोई बात नहीं कही। यह मामला विचाराधीन है इसलिए इस पर आप मत बोलिए। अब आप बैठें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने वहां जाकर एस०पी० से कहा और तब एस०पी० ने इनसे बड़े सभ्य शब्दों में एक बात कही कि हमारे पास तो रिपोर्ट आयी है और उसके आधार पर हमने पर्चा दर्ज किया है। ये कहने लगे कि उनका फैसला हो गया है। तब वह कहने लगा कि जब तक इस बारे में वह लिखित में नहीं देते तब तक वह हमारे कागजों में मुलजिम हैं। इसके बाद मांगेराम गुप्ता जी ने प्रैस कांफ्रैंस करके कह दिया कि एस०पी० ने हमें मुलजिम कहा। अब सदन स्वयं इसका फैसला करे। इन्होंने इसके बारे में चौधरी भजन लाल जी को गुमराह कर दिया। भूपेन्द्र सिंह तो गुमराह है ही इसको तो ज्ञान नहीं है। इन्होंने जाकर कह दिया कि हम धरना देंगे और पुलिस का घेराव करेंगे। सारे हरियाणा प्रदेश से 150-200 लोगों की संख्या जोड़ ली और जाकर धरने पर बैठ गये। पुलिस वालों ने कहा कि आपका कोई नोटिस है यह कहने लगे कि हमें गिरफ्तार करो। उसने कहा कि जनतंत्र में गिरफ्तारी देने वाला लिखित रूप में सरकार को नोटिस देता है कि हम इस मुद्दे को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, गिरफ्तारी दे रहे हैं। इनकी तरफ

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

से लिखित रूप में कुछ नहीं था और वहां पर धारा 144 भी लागू नहीं थी जिसको इन्होंने तोड़ा हो तो फिर इनको वह कैसे गिरफ्तार कर लेता। ये तो वैसे ही शहीदों की लिस्ट में आना चाहते थे। हीरो बनना चाहते थे। ये चाहते थे कि इनको हीरो बना दें। जब जनता ने इनको दुत्कार कर भेज दिया तब भी इनको अहसास नहीं हुआ कि दो लारीख को क्या हुआ। लेकिन उसके बाद चौधरी भजन लाल जी ने भाषण दे दिया कि एस०पी० भाग गया इसलिए चलो हम वापस चलते हैं। अगर एस०पी० अपने दफ्तर में नहीं हो तो ये जहां मुझे बैठक लगवाना चाहेंगे वहां मैं लगाने के लिए तैयार हूं। अध्यक्ष महोदय, उस समय एस०पी० भी आफिस में मौजूद थां और सारी पुलिस भी दफ्तर में मौजूद थी।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जब हम एस०पी० आफिस में गये तब हमें बताया गया कि एस०पी० साहब दफ्तर में मौजूद नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, फिर मांगे राम गुप्ता जी यह कहते हैं कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को पुलिस ने अपमानित किया, बेइज्जत किया। मांगे राम गुप्ता जी, मैं आपको बताना चाहता हूं कि सम्मान लेना और सम्मान देना अपने अधिकार में होता है। जो भाषा आपने और आपके साथियों ने उस दिन धरने के बाद मेरे खिलाफ और प्रशासन के खिलाफ इस्तेमाल की थी अगर मैं दोहराऊंगा तो आप सुन नहीं सकोगे और मैं कह नहीं सकूंगा। आप लोगों ने सारे सदन और पूरे प्रदेश को अपमानित किया। (विघ्न) जनतंत्र में हर आदमी को सभ्य भाषा का इस्तेमाल करना चाहिये। आप क्या समझते हैं कि गाली खाना हमारी आदत है। हम जनतंत्र का ऐहतराम करते हैं। आप यह मत समझ लेना कि गाली खाना हमारी आदत है। हम चाहते हैं कि जनतांत्रिक पद्धति और प्रणाली बरकरार रहे। सरकार की यह जिम्मेवारी भी है कि प्रशासनिक अधिकारियों को प्रोटैक्शन दिया जाये अन्यथा पूरे प्रदेश की कानून-व्यवस्था बिगड़ जायेगी। विपक्ष के लोगों को सोच-समझकर चलना चाहिये और जनतांत्रिक तरीके की परिभाषा को समझकर कोई निर्णय लेना चाहिये। अगर इनकी पार्टी का बन्द विफल रहा तो इन लोगों को उस विफलता को स्वीकार करना चाहिये। इनकी यही मन्शा अम्बाला में रही है। अम्बाला में क्या हुआ, अम्बाला में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्त्ताओं ने डाका डाला, दुकानें लूटीं और लोगों को पीटने का काम किया और पुलिस ने जब उनके खिलाफ पर्चा दर्ज किया तो मुल्जिमों को गिरफ्तार नहीं होने दिया (विघ्न) चौधरी भजन लाल जी, आपकी पार्टी के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी हैं, आप उनको मानो या न मानो यह अलग बात है।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, यह हमारी पार्टी का अंदरूनी मामला है। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात इसलिए यहां पर कह रहा हूं कि जब हमारी पार्टी के विपक्ष के नेता श्री सम्पत सिंह जी थे और मैं पार्टी का अध्यक्ष था तो इस सदन में मैं उनको अपना नेता मानता था और बाहर वे मुझे अपना नेता मानते थे। परन्तु ये दोनों आपस में एक दूसरे को नेता नहीं मानते।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, यह हमारी पार्टी का अंदरूनी मामला है। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, बड़े जोर शोर से कुछ लोगों ने इस बात को इस सदन में उठाया कि बड़े-बड़े मुल्जिम जेलों से रिहा कर दिये गये हैं। मैं इस सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि चौधरी भजन लाल जी के शासनकाल में जेलों से लोगों को छोड़ा गया।

चौधरी बंसी लाल जी के साढ़े तीन साल के शासनकाल में सैंकड़ों मुल्जिमों को जो हीनियस क्राइम्ज में शामिल थे, को जेलों से रिहा किया गया। हमारी सरकार के समय में भी कुछ मुल्जिम रिहा किये गये हैं। ये मुल्जिम ऐसे हैं जिनके बारे में ग्राम पंचायत ने रेजोल्यूशन पास करके उनको रिहा करवाने का फैसला किया और इस बारे में सरकार से गुहार की। हमारी पार्टी की सोच यह है कि देश में सुखद और स्वायत्तता का वातावरण कायम हो। हम किसी प्रकार के विवाद और बखेड़े में पड़ना नहीं चाहते। हम पार्टी-बाजी कायम नहीं करना चाहते। हम लोगों के समझौते करवाना चाहते हैं। हम इस बात के पक्षधर हैं। विपक्ष के बहकावे में आकर कुछ लोगों ने बिना सोचे-समझे इस बात की चर्चाएं शुरु कर दीं कि बड़े-बड़े मुल्जिम जेलों से रिहा किये गये हैं। हमने अगर कैदी रिहा किये हैं तो उन लोगों को छोड़ा है जिनका राजीनामा हो गया था या आर०एस०एस० के समाजसेवियों को जेलों से रिहा किया है। हमने सभ्य लोगों से बातचील की है। अब पता नहीं कैसे-कैसे लोग आ जाते हैं और किस किस्म की बात करते हैं। यह अजीब तमाशा है कि कानून-व्यवस्था की बात करते हैं। वे लोग कानून-व्यवस्था की बात करते हैं जो लोग एक पार्टी में होते हुए भी इकट्ठे नहीं रह सकते। जहां तक कानून-व्यवस्था की बात है, आज पूरे प्रदेश में शांत वातावरण है। आज लोग इज्जत के साथ अपना जीवन बसर कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इनकी हालत तो यह है कि इनकी पार्टी के जलूसों में मार-पीट होती है और स्टेज पर पिटाई होती है और आज ये यहां पर कानून और व्यवस्था की बात करते हैं। (शोर) मुझे अनाधिकार कुछ कहने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए लेकिन वस्तुस्थिति से सदन को आगाह करना मेरा फर्ज बनता है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह दलाल की कोई बात न रिकार्ड की जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यहां बिजली पानी का जिक्र आया, इसके बारे में रामपाल माजरा जी ने विस्तार से चर्चा कर दी। चौधरी बंसी लाल जी ने बिजली पानी के बारे में खास तौर से चर्चा की। शायद आप सबको याद होगा कि चौधरी बंसी लाल जी ने एक तारीख तय की थी कि 30 जून तक हरियाणा प्रदेश को 24 घण्टे बिजली मिलेगी। हरियाणा प्रदेश की जनता ने 30 जून का बेसब्री से इंतजार किया। 30 जून निकल गई लेकिन बिजली की हालत बहुत ही बदतर हो गई। हम मानते हैं कि बिजली की कमी है। बार-बार कहा जाता है कि हमने कहा था कि हम बिजली के बिल माफ कर देंगे लेकिन हमने अपने चुनाव घोषणा-पत्र में स्पष्ट रूप से कहा था कि हम बिजली के बिल माफ नहीं करेंगे बिजली के बिल देने पड़ेंगे।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण -

(v) चौधरी बंसी लाल, एम० एल० ए० द्वारा

श्री बंसी लाल : मेरे वक्त में बिजली 18-20 घंटे मिलती थी और जैसे ही मैंने ऐलान किया कि 30 जून तक बिजली 24 घंटे दूंगा श्री अटल बिहारी वाजपेयी और चौटाला साहब दोनों के पेट में दर्द हो गया मेरी सरकार तोड़ नहीं पाए इसलिए फिर वाजपेयी की मार्फत तुड़वाई।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

मन्त्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता ने 30 जून का बेसब्री से इंतजार किया कि शायद इसें 24 घण्टे बिजली मिलेगी। लेकिन 30 जून निकल गई और बिजली की हालत और भी खस्ता हो गई। इनके साथी और सहयोगी जो आज यूं हाथ रखकर बैठे हैं, ये ही सब इनकी सरकार को गिराने वाले थे। हमारी सरकार 24 जुलाई को बनी। (शोर एवं व्यवधान) मैं सरकार बनाना ही नहीं चाहता था, मैंने कहा था कि मैं भानुमती का कुनबा नहीं सम्भाल पाऊंगा, मैं बेलगाम लोगों को लेकर सरकार नहीं चला सकता। तभी तो मैंने इन जैसे लोगों को नजदीक नहीं फटकने दिया।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह दलाल की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल जब बंसी लाल की सरकार में मिनिस्टर होते थे तो रात में आकर मुझ से मिलते थे। मैंने यह बात सदन में कही है, किसी से छुपाई नहीं है और बंसीलाल जी इस बात के गवाह हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह दलाल की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यहां पर बिजली के दाम बढ़ाने की बात की गई है। भजनलाल के शासनकाल में बिजली के रेट बढ़ाए गये। बंसीलाल के शासनकाल में बिजली के रेट 2 बार बढ़ाए गये। बंसीलाल के बनाए गए कानून के मुताबिक अब तो बिजली के रेट हरियाणा स्टेट रैगुलेटरी कमीशन बढ़ाता है। हमने तो बिजली के रेट घटाए हैं और किसानों को सबसिडी दी है। अध्यक्ष महोदय, इससे बढ़िया और सबूत क्या होगा कि हमारे शासनकाल में हरियाणा प्रदेश में कोई भी ऐसी शिकायत बता दे कि कहीं किसी की मोटर सड़ गई हो। मोटरें इसलिये नहीं जली क्योंकि लोगों को बिजली पूरी मिल रही है। यहां तक कि लोगों के घरों में एक बल्ब तक नहीं जला। अध्यक्ष महोदय, अभी धर्मबीर जी कह रहे थे कि हमारे यहां बिजली की कमी है, मैं इनको बताना चाहूँगा कि हमारे शासन काल में पहले के शासन काल के मुकाबले बिजली 59.5 लाख यूनिट बढ़ी है। अकेले लोहारू में 45 लाख यूनिट बिजली जा रही है, यह मैं रिकार्ड और तथ्य की बात बता रहा हूँ। (विघ्न) हमने कब छुपाया, हम तो आज भी कह रहे हैं कि हमारे पास बिजली नहीं है लेकिन बिजली के बारे में चौधरी बंसी लाल जी बहुत डींग मारते थे। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने जर्मनी की कम्पनी ए.बी.बी. के साथ अंदर ही अंदर एक पर्सनल सौदा कर लिया था। (शोर एवं व्यवधान)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण -

(vi) चौधरी बंसी लाल, एम० एल० ए० द्वारा

चौधरी बंसी लाल : प्वांयट ऑफ पर्सनल एक्सप्लेनेशन, यह पर्सनल सौदा करना मेरा काम नहीं है यह काम इनका है। (शोर एवं व्यवधान)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, पानीपत की 2 नम्बर यूनिट, जो 110 मेगावाट की थी, उसको चौधरी बंसी लाल जी ने अपनी सरकार के समय में खुलवाकर छोड़ दिया। 50-60 करोड़ रुपये का सामान भी आ गया था और वहां पर टोटल 300 करोड़ रुपये का नुक्सान हो गया है। लेकिन वहां बिजली नहीं आई। आज तक यह यूनिट बंद पड़ी है।

श्री अध्यक्ष : चौधरी बंसी लाल जी, पानीपत यूनिट नम्बर-2 पिछले चार साल से बंद पड़ी है। यह मेरे हल्के में पड़ती है। जिसके बंद रहने से 25 लाख यूनिट पर डे के हिसाब से बिजली का नुकसान हो रहा है।

चौधरी बंसी लाल : इनकी वजह से इन्होंने कम्पनी के साथ कोई झगड़ा कर लिया होगा वरना उस कम्पनी से एग्रीमेंट यह था (विघ्न) प्लांट लोड को 110 (विघ्न) से 118 कर देंगे 30-31 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर पर चलता था वह कहते थे कि हम छः-छः महीने 80 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर चला देंगे। (शोर एवं व्यवधान)

मन्त्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मन्त्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की साढ़े तीन साल की सरकार के समय में 188 लाख युनिट बिजली अधिक पैदा हुई थी जिसमें से 110 लाख युनिट बिजली खराब हो जाती थी यानि कि केवल 78 लाख युनिट बिजली ही ज्यादा पैदा हुई। (शोर एवं व्यवधान) लेकिन हमारी सरकार के दो साल के शासन काल में 499 लाख युनिट अधिक बिजली पैदा की गई है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, भाखड़ा डैम का काम भी चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के समय में बंद हुआ। साहबी नदी के बांध के दरवाजे भी ज्यों की त्यों पड़े हैं। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने एस० वाई० एल० नहर के बारे में बड़ा जिक्र किया और कहा कि यह नहर हरियाणा की जीवन रेखा है। कुछ सदस्यों ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है कि चार हफ्ते में दोनों पार्टियां आपस में मिलकर मसला हल कर लें, इस बारे में मेरा कहना यह है कि यदि दोनों पार्टियों को मिलकर ही मसला तय करना था तो भजन लाल जी और दरबारा सिंह जी के वक्त में क्यों हल नहीं किया गया, ज्ञानी जैल सिंह जी और एमरजैंसी के हीरो बंसी लाल जी के समय में यह मामला तय क्यों नहीं हुआ। कई दफा एक पार्टी की सरकारें बनीं लेकिन मुझे हैरानी है कि फिर भी यह मामला हल नहीं हुआ। चौधरी बंसी लाल जी एमरजैंसी के हीरो थे ये उस वक्त इस मामले को हल कर लेते तो हरियाणा का कल्याण हो जाता लेकिन इन्होंने उस वक्त कुछ नहीं किया और आज बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। अध्यक्ष महोदय, हमने एस० वाई० एल० नहर का 95 प्रतिशत काम करवाया है। चौधरी देवी लाल जी ने जमीन अधिग्रहण करके इस नहर का काम शुरू करवाया था। चौधरी बंसी लाल जी ने इंजीनियर-इन-चीफ के विरोध करने के बावजूद एस० वाई० एल० का काम टेल से शुरू करवाया। इंजीनियर-इन-चीफ ने चौधरी बंसी लाल जी को कहा था कि एस० वाई० एल० नहर का काम वहां से शुरू होना चाहिए जहां से पानी आना है। मैं सदन की जानकारी के लिये यह बताना चाहूंगा कि जिस स्टेट में किसी दूसरे प्रदेश का कोई भी निर्माण कार्य चलता हो, उसकी मुरम्मत का काम वो स्टेट करवाती है और उसके खर्चे की राशि वह स्टेट देती है जिसको उससे लाभ मिलता है। एस० वाई० एल० नहर पंजाब में जितनी भी बनी है उसका पैसा हरियाणा सरकार देती है और काम पंजाब सरकार करवाती है।

[ओम प्रकाश चौटाला]
चौधरी बंसी लाल जी ने एस० वाई० एल० नहर का काम गोद बलावा से इसलिये शुरु करवाया ताकि ये कमीशन खा सकें। (शोर एवं व्यवधान)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण -

(vii) चौधरी बंसी लाल, एम० एल० ए० द्वारा

चौधरी बंसी लाल : एस० वाई० एल० नहर जो पंजाब में बनी जिस पर पैसा खर्च हुआ वह भारत सरकार का सैंट्रल प्रोजैक्ट है और मैंने करवाया था मेरे से पहले उस पर 110 करोड़ रुपया खर्च हो गया था। वह रुपया भी मैं वापिस लाया। और वह सैंट्रल प्रोजैक्ट है हरियाणा सरकार का पैसा खर्च नहीं होता।

श्री अध्यक्ष : चौधरी बंसी लाल जी, आपने एस० वाई० एल० नहर का काम टेल से शुरु करवाया था या हैड से ?

चौधरी बंसी लाल : वह तो पंजाब करती है हमारा कोई ताल्लुक नहीं। पंजाब स्टेट बनाती है।

मन्त्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, एस० वाई० एल० नहर का टेल से निर्माण करने का काम शुरू करने का नतीजा यह हुआ कि वह सारी-की-सारी नहर टूट चुकी है और उसमें पंजाब वाले अपने यहां का फ्लड का पानी डाल कर हरियाणा प्रदेश को तबाह और बर्बाद करने का काम कर रहे हैं। यह महज़ एक आदमी की नासमझी का काम है जिसको प्रदेश के 2 करोड़ 10 लाख लोग भुगत रहे हैं।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण -

(viii) चौधरी बंसी लाल, एम० एल० ए० द्वारा

चौधरी बंसी लाल : ऑन ए प्वायंट ऑफ पर्सनल एक्सप्लेनेशन। अगर मैं हरियाणा प्रदेश में एस० वाई० एल० न बनाता तो मैं पानी क्या कह कर मांगता रावी ब्यास का। मेरे मुख्य मंत्री काल में मैं हरियाणा के लोगों को एस० वाई० एल० पंजाब में बनते दिखा कर लाया और इनकी सरकार आ गई फिर बन्द हो गया। यानि 87 में काम बड़ी तेज़ी से चालू था इनकी सरकार आते ही बन्द हो गया (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जहां से पानी लेना हो अगर वहां से नहर न बने तो पानी कहां से आयेगा। जब नहर को बनाने का काम टेल से शुरू किया जाएगा तो यह उल्टा काम है। यह काम तो ऐसा है जैसे गधे के सिर से सींग गायब हो गए। चौधरी बंसी लाल ने एस० वाई० एल० नहर को टेल से बनाने का काम शुरू करके प्रदेश को बर्बाद करने का काम किया। हम यह बात मानते हैं कि एस० वाई० एल० नहर का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है।

इसलिए स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यों से कहूंगा कि इस मामले के बारे में ज्यादा बात न करें।

चौधरी बंसी लाल : मुख्य मंत्री जी से एक बात पूछी कि क्या सुप्रीम कोर्ट ने जो जजमैंट रिजर्व किया और यह कहा कि या तो दोनों स्टेट या सैंटर गवर्नमैंट फैसला करके आ जाए चार हफ्ते में वरना हम अपना फैसला दे देंगे तो क्या हरियाणा गवर्नमैंट के वकील ने सुप्रीमकोर्ट को यह बता दिया कि हमारा फैसला आपस में नहीं हुआ अब आप फैसला कर दें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं खुले दिल से सदन में एक बार कहता हूँ और आगे भी कहूंगा कि एस० वाई० एल० नहर के बारे में सुप्रीम कोर्ट जो भी फैसला करेगा वह हमें मान्य होगा। एस० वाई० एल० नहर के बारे में हम किसी से किसी प्रकार का कोई फैसला नहीं करेंगे। इस नहर के बारे में सुप्रीम कोर्ट जो भी फैसला करेगा वह हम मानेंगे।

चौधरी बंसी लाल : मैंने एक छोटी सी बात पूछी है मुख्य मंत्री जी इनडायरैक्ट जवाब दे रहे हैं मैं डायरैक्ट जवाब यह चाहता हूं कि क्या हरियाणा गवर्नमैंट के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को यह बता दिया है कि हमारा फैसला नहीं हो सकता आप अपना जजमैंट दे दो।

मन्त्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मन्त्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री धर्मबीर सिंह ने नहरी पानी का जिक्र किया । मैं कहता हूं कि पानी की कमी है क्योंकि बारिश नहीं हुई। लेकिन मैं यह कहता हूं कि जितना पानी है उससे हम प्रदेश की एक-एक चप्पा भूमि को सैराब कराएंगे और उसकी काश्त कराएंगे। अध्यक्ष महोदय, पिछली दफा जुलाई से ले कर सितम्बर तक एक बूंद पानी बारिश की नहीं हुई थी, लेकिन हमने उस समय उन ड्रेनों में भी नहरों का पानी डाल कर किसानों के खेतों की सिंचाई करवाई जिन ड्रेनों को फ्लड का पानी निकालने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। उसका परिणाम यह है कि जहां कांग्रेस पार्टी के राज में केन्द्रीय पूल में 20 लाख टन खाद्यान्न दिया जाता था हमने पिछले साल 35 लाख टन खाद्यान्न केन्द्रीय पूल में दिया और इस साल 65 लाख टन खाद्यान्न देंगे । हमने प्रदेश की नहरों की सफाई का काम करवाया है। नहरों की सफाई के बारे में हमने हिदायतें दी हुई हैं कि जब तक सिंचाई विभाग के अधिकारी नहर की सफाई के बारे में संबंधित गांव के सरपंच या नम्बरदार से दस्तखत नहीं कराएंगे तब तक हम गेज नहीं मानेंगे। जब तक गेज नहीं मिलेगा तब तक नहरों की सफाई नहीं हो सकती और नहरों की टेल पर पानी नहीं पहुंचेगा।

श्री धर्मबीर सिंह: स्पीकर साहब, यह रिकार्ड की बात है कि पिछले दो साल से गोविंद सागर का वाटर लैवल घटा है इसलिए ऐसी बात नहीं है कि पानी की कमी है । गोविंद सागर का वाटर लैवल बहुत ऊपर है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश में अपकी सरकार आने के बाद दक्षिणी हरियाणा के बहुत से ऐसे गांव हैं जिनमें एक बूंद पीने का पानी नहीं पहुंचा हैं। इसलिए मैं कहता हूं कि आप लोगों को पीने का पानी दो और पशुओं के लिए जोहड़ों में पानी भरवाओ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : वह कहा करें मैं कहूं गांव कहलाया करे। निगाहें कहीं है निशाना कहीं हैं। क्या सारी की सारी बात मैं ही कह दूं, चौधरी बंसी लाल एक आध बात आप भी कह दे।

[ओम प्रकाश चौटाला]

(हंसी) अध्यक्ष महोदय, मैं पूरे सदन को आश्वास्त करना चाहूंगा कि पिछले वर्ष की तरह आज भी ड्रेनेज के पानी की वहीं स्थिति है । मैंने सिंचाई विभाग और बिजली विभाग के अधिकारियों की मीटिंग लेकर के उनसे कहा है कि जब तक सोईंग सीजन चले आप लोग पूरी तरह से किसानों को पानी और बिजली दें। मैने अधिकारियों को आदेश दिए हैं कि किसानों को पानी जरूर दें चाहे हमारे डैम खाली हो जाएं. हम आस्तिक लोग हैं, भगवान में विश्वास रखते हैं। हम उम्मीद रखते हैं कि परमात्मा फिर बारिश करेगा, फिर हमारे डैम भर जाएंगे लेकिन इस वक्त मैं यही कहना चाहूंगा कि हम किसानों की पूरी बिजाई करवाएंगे। बंसी लाल जी ने गोदामों की बात कही । मैं बताना चाहता हूं कि हमने किसानों का एक-एक दाना खरीदा है। इन भाइयों की तरफ से गेहूं की खरीद के समय भी बड़ा भारी शोर मचाया गया था और इसी प्रकार से इस जीरी के भाव को लेकर भी अखबारों में काफी चर्चा आई थी। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा एक आध मण्डियों में धान की खरीद के वक्त गए थे। वे एक बार समालखा की मण्डी में किसानों की जीरी की खरीद के सम्बन्ध में गए थे। वहां पर ये प्रैस वालों को बुला कर ब्यान दे रहे थे कि केन्द्र सरकार यह कर रही है या वह कर रही है, लेकिन इन्होंने जीरी के खरीद के बारे में कुछ नहीं कहा। इसका मतलब यह हुआ कि हम किसानों की जीरी पूरी तरह से खरीद रहे थे और ये उस खरीद से संतुष्ट थे। मैं बताना चाहूंगा कि जीरी की खरीद के समय पूरे प्रदेश में किसी किसान को यह शिकायत नहीं की थी उसकी जीरी नहीं खरीदी गई हो।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण -

(ix) श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, एम० एल० ए० द्वारा

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन है मैं एक-दो मण्डियों में ही नहीं गया बल्कि मैं कई मण्डियों में जीरी की खरीद के वक्त गया था। मैं अब भी गया था और गेहूं की खरीद के वक्त भी मण्डियों में गया था। मैं किसी को कोई दोष नहीं दे रहा। लेकिन यह बात सही है कि उस वक्त बहुत सारे किसानों को अपनी फसल डिस्ट्राय करनी पड़ी थी।

मन्त्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मन्त्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : आप जनता के चुने हुए प्रतिनिधि हैं। आपको ऐसे मौकों पर मण्डियों में अवश्य जाना चाहिए। मैं आपकी इस बात के लिए सराहना करता हूं। मेरा सिर्फ कहना इतना ही है कि आप जिस मकसद को लेकर मण्डी में गए थे उसी पर चर्चा करते लेकिन आपने समालखा की मण्डी में धान की खरीद बारे चर्चा न करके केन्द्र सरकार की नीति के बारे में चर्चा की, यह ठीक नहीं है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : सी० एम० साहब, आप पत्रकारों को कोई सवाल पूछने के लिए बाध्य नहीं कर सकते । उस वक्त मैंने वही कहा जो पत्रकारों ने पूछा था ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मेरे कहने का मतलब यह है कि आपने वहां पर सरकार द्वारा जीरी खरीदने के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा। (विघ्न) आपके मुंह से जीरी खरीदे जाने के बारे एक शब्द भी नहीं निकला । (विघ्न) हुड्डा साहब, मैं रोजाना अखबार पढ़ता हूं और इतना ही नहीं

मेरे पास सभी अखबारों की कटिंग्ज भी आती हैं, उनको भी मैं बारीकी से देखता हूं । आप चाहें तो इस बारे में चौधरी भजन लाल जी से पूछ सकते हैं कि मेरे पास सभी अखबारों की कटिंग्ज आती हैं या नहीं आती (विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : आप धान की खरीद के वक्त मण्डियों में गए, अच्छी बात है। इसके लिए हमने आपको एप्रिसिएशन भी दिया है।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप बैठिये। अब आप बिना परमिशन के बोल रहे हैं। आप बैठिये।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : स्पीकर साहब, मैं कोई गलत बात नहीं कर रहा । मैं यह कह रहा हूं कि जहां-जहां पर मुख्यमंत्री जी गए वहां-वहां पर किसानों को लाभ भी हुआ है और आप जिस दिन मण्डी में गए होंगे उस दिन किसानों को दाम भी पूरे मिले होंगे * * * * * *

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, बगैर परमिशन के बोल रहे हैं । अब आगे इनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यहां पर भांगे राम गुप्ता जी, व हुड्डा साहब व एक दो और साथियों ने कहा कि हरियाणा से उद्योग पलायन कर रहे हैं। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार बनने के बाद 71 बड़ी नई औद्योगिक इकाईयां हमारे हरियाणा प्रदेश में लगी हैं जो विश्वविख्यात हैं।

एक आवाज : ये तो पहले से लगी हुई हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : ये पहले से नहीं लगी बल्कि हमारी सरकार आने के बाद ही लगी हैं। भजन लाल जी, हमारी सरकार बनने के बाद हरियाणा प्रदेश में 2700 छोटे और मंझौले दर्जे के उद्योग भी इन 71 बड़ी इकाइयों के अतिरिक्त लगे हैं। आप सुनकर हैरान होंगे कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के दृष्टिगत दिल्ली की जो औद्योगिक इकाइयां दिल्ली से उठी थीं हमारी सरकार ने ऐसी इकाइयों के लिए केवल दिल्ली के उद्योगपतियों को 4200 नए प्लाट काट कर दिए हैं ताकि ये हरियाणा में बस सकें। अध्यक्ष महोदय, हम समझते हैं कि उजड़े हुए ब्यार को बसाना कितना मुश्किल काम है। हमने तो उजड़ा हुआ ब्यार भी बसाने का काम किया है। (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : चौटाला साहब, जो सवाल बंसी लाल जी ने किया था वह बहुत ही अहम सवाल था। उनके द्वारा पूछे गए सवाल का आपने जवाब नहीं दिया । उन्होंने सवाल पूछा था कि क्या हरियाणा सरकार के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को लिख कर दे दिया है कि हमारा आपस में कोई फैसला नहीं हुआ है इसलिए सुप्रीम कोर्ट अपने लैवल पर फैसला करे। आप इस बारे में स्पष्ट बताएं कि क्या आपके वकील ने सुप्रीम कोर्ट को लिख कर दे दिया है कि हमारा आपस में कोई समझौता नहीं हो पाया ?

वित्त मन्त्री (प्रो० सम्पत सिंह) : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी को थोड़ी सी मिस-अन्डर स्टैंडिंग हो गई है। सुप्रीम कोर्ट का फोर वीक्स में दोनों पार्टियों को आपस में मिलकर फैसला करने का आदेश था कि दोनों राज्यों की सरकार केन्द्र

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

[प्रो० सम्पत सिंह]
सरकार, वाटर रिसोर्सिज कमीशन व प्राईम मिनिस्टर के माध्यम से आपस में मिलकर कोई फैसला कर लें। सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट आदेश था कि यदि दोनों पार्टियां फोर वीक्स में आपस में फैसला नहीं करतीं तो फिर उसके बाद जुडिशियरी अपना कोई फैसला इस बारे में देगी। अब मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि इसमें कौन सा जवाब देने की बात रह गई। हमारी जो रिप्लाई एडवोकेट की तरफ से होनी थी वह कम्पलीट हो चुकी है। (विघ्न) सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा है कि अगर आपस में कोई फैसला नहीं करते तो फोर वीक्स के बाद जुडिशियरी अपना फैसला देगी । (विघ्न) यह सुप्रीम कोर्ट ने कहा है। चार सप्ताह पूरे हो गये हैं. (शोर एवं व्यवधान) जब सुप्रीम कोर्ट ने पूछा ही नहीं तो हम कैसे कह दें। उन्होंने यह नहीं पूछा। उन्होंने कहा है कि चार सप्ताह के अन्दर अगर दोनों पार्टीज फैसला नहीं करती हैं तो हम जुडिशियस फैसला देंगे। यह जुडिशियस फैसला रिजर्व है। जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आएगा और मुख्यमन्त्री जी कह देंगे तो वह मान्य होगा।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, वह इम्पलाएड है जो कोई जवाब नहीं देता है तो वह अपने आप ही फैसला समझा जाएगा। यह लीगली भाषा आपकी समझ में नहीं आएगी।

चौधरी बंसी लाल : सुप्रीम कोर्ट अपने आप फैसला देगी अपने आप तो देगी सुप्रीम कोर्ट (विघ्न) लेकिन लोजिकल कंक्लूजन यह है कि कहने का सुप्रीम कोर्ट का मतलब यह है कि फिर आ कर हम को बता दो कि फैसला आप का हुआ कि नहीं । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : वह तो इम्पलाएड है। यह समझने में फर्क रह गया है।

चौधरी बंसी लाल : हो सकता है कि मेरे समझने में फर्क रह गया हो।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह इनका कसूर नहीं है इस उम्र में इतनी तगड़ी मार पड़ने से याद दाश्त चूक ही जाती है, कोई बात नहीं । परन्तु इस आदमी की हिम्मत की दाद दीजिए कि अब भी कहता है कि मैं मुख्यमन्त्री बनूंगा और चौधरी देवीलाल के बुत तोड़ दूंगा । यह इनका ख्वाब है। न नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी। कभी यह भी ख्वाब पूरा हो सकता है। अगर ये ऐसे ही फन्ने खां थे तो वहां क्यों नहीं गए जहां महात्मा बुद्ध की प्रतिमाएं तोड़ी गयी थीं। ये अफगानों के पास जाकर देखते ।

चौधरी बंसी लाल : वो काम आपका है यहां वाला मैं कर दूंगा.

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी साहब, भजन लाल जी आपसे ज्यादा तगड़ा था क्योंकि इनका दो तिहाई से ज्यादा बहुमत था लेकिन फिर भी जिस हिसार ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी का नाम हमने चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी रखा था उसको ये बदलना चाहते थे लेकिन अब आप इनसे पूछो कि क्या इन्होंने ऐसा कर दिया । बंसी लाल जी, आप आंख उठाकर तो उन बुत की तरफ देखना आपको पता चल जाएगा।

चौधरी भजन लाल : मुख्यमन्त्री जी, जरा आप मेरी बात सुनिए । चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी का नाम आपने रखा लेकिन हम तो उसको बदलने की बात नहीं करते थे। पी० वी० नरसिंहा रावजी ने कहा कि भजन लाल जी मुझसे चौधरी अजीत सिंह मिले हैं। आप चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी का नाम बदलना चाहते हैं मैंने कहा कि वह यूनिवर्सिटी हिसार यूनिवर्सिटी के नाम से ही मशहूर है तो उन्होंने कहा कि नहीं उनका नाम रहने दीजिए इसलिए हमने यह इरादा ही छोड़ दिया। आपके कहने से हमने ऐसा नहीं किया।

चौधरी ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मांगेराम जी जैसे जिम्मेदार आदमी ने एक ऐसी अनर्गल बात कही जिसका कोई सिर पैर नहीं है। उन्होंने कहा की डबवाली से राम प्रकाश सेठी के भतीजे का अपहरण हो गया लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि उसका अपहरण नहीं हुआ बल्कि उस लड़के का मामा उसको ले गया था। डबवाली मेरा क्षेत्र है इसलिए मुझे वहां का ज्ञान है। तीसरी जमात में लिखा है कि पहले जुबान से तोलो और फिर मुंह से बोलो। इनके सामने भी लिखा हुआ है इसलिए इनको उसको ही देख लेना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, यह कहते है कि पैसा कहां से आएगा या और टैक्स लग गये। यह ठीक है कि हमने काफी रियायतें दी हैं और आज इन रियायतों का ही परिणाम है कि दिल्ली के साथ लगती पहले जो मंडियां उजड़ गयी थीं आज उनमें रौनक आ गयी है। हमने फार्म फीस कम की, हमने मार्किट फीस में रियायत दी हमने महसूल चुंगी समाप्त की। उसका ही नतीजा है कि 1998-99 में जहां सैल्ज टैक्स की वृद्धि 3.30 परसैंट थी वहीं 9-7-2000 में यह बढ़कर 22.78 परसैंट हो गयी और 2000-2001 में अक्तूबर के महीने तक 30.41 परसैंट तक यह वृद्धि हो गयी है। इस प्रदेश के किसानों ने, व्यापारियों ने और उद्योगपतियों ने सरकार की दी हुई सुविधाओं के दृष्टिगत ईमानदारी से सरकार के खजाने में टैक्स दाखिल करवाया है जिससे रैवेन्यू बढ़ा और इसी इंक्रीज का परिणाम है कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत हमने लगभग तीस हजार काम अनांउस किये हैं। कोई भी गांव ऐसा नहीं मिलेगा जहां विकास के काम न हुए हों ।

एक-एक गांव का ब्यौरा मैं देने लगूंगा तो फिर रामपाल माजरा जी की तरह मुझे भी कह दोगे कि आप बैठ जाओ। मैं बताना चाहता हूँ कि किसी भी इलाके में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं है। हमारी मंशा लोगों की भूलभूत जरूरतों को पूरा करने की है, पैसा अर्जित करना हमारा ध्येय नहीं है लेकिन प्रशासन को चलाने के लिये कहीं से तो पैसा अर्जित करना ही पड़ेगा। हाउस टैक्स की चर्चा चली थी उस दिन तो स्पीकर साहब ने मेरे ऊपर ही कुल्हाड़ा चला दिया था मुझे बोलने का मौका भी नहीं दिया था। शुक्र है खुदा का कि आप लोगों को अक्ल आ गई वरना तो जो अहम मुद्दा था वह बाकी रह गया था। स्पीकर साहब ने तो मुझे काट दिया था, मुझे बोलने का टाइम ही नहीं दिया था। यह आपके सामने की बात है। अध्यक्ष महोदय, हमने हाउस टैक्स लगाने से पहले बाकायदा उसका प्रोफार्मा मुकर्रर किया था उसमें यह था कि बिल्ट एरिया पर कितना, अनबिल्ट एरिया पर कितना, कॉमर्शियल पर कितना, इंडस्ट्रियल पर कितना, रैजीडैंशियल पर कितना, सड़क पर कितना, इंटीरियर पर कितना, यह सब तय किया था। इन्होंने इसको ठीक से समझा नहीं है। जितना किराएदार से मालिक लेगा वह तो किराए के अनुपात में मकान मालिक ने ही देना है बाकी किराएदार ने देना है। हम भी समझते हैं कि पुराने टाइम के जो किरायेदार बैठे हैं वे किराया बहुत कम देते हैं। डैमोक्रेटिक तरीके से लोगों को छूट दे दी थी। पुराने बकाया रोक दिए थे। उनको सवा साल का समय दिया कि पूरी तरह से गौर करके बता दें। सवा साल के अरसे में सब लोगों ने समझ लिया और जब हमने देखा कि जनता इससे संतुष्ट है तब इस सदन में इस बारे में बिल आया था और उस बिल के वक्त ये सब लोग वाकआउट कर गए थे। हमने कहा भी था कि यह एक अहम मुददा है इसलिए इनको इस मौके पर हाउस में रहना चाहिए, इस पर चर्चा करनी चाहिए। कृष्ण पाल गुर्जर ने इस मुद्दे पर खुलकर अपनी बात कही थी और हमने एक घंटा हाउस को ऐडजर्न भी किया था और यह सोचकर किया था कि शायद एक घंटे बाद ये लोग वापस आ जाएं। लेकिन ये लोग वापस नहीं आये। हैरानी की बात तो यह है कि जो सही मंच है वहां तो ये लोग अपनी बात कहते नहीं हैं बाहर जाकर अखबारों की सुर्खियों में छाना चाहते हैं। चौधरी

[ओम प्रकाश चौटाला]

साहब, लोगों के बीच में जब आपको जाना पड़ेगा तब आपको पता लगेगा। तभी तो आप फेल हो रहे हैं तभी आपका बंद विफल हो गया, लोग आपको समझ गए हैं। (विघ्न)

(इस समय कई माननीय सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो कर बोलने लगे।)

श्री अध्यक्ष : आप सभी लोग बैठ जाइए। (विघ्न)

डा० रघुबीर सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, * * * * * *

श्री अध्यक्ष : रघुबीर कादयान जी जो कुछ कह रहे हैं यह रिकार्ड न किया जाए। आप सभी बैठ जाइए। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप किस किस की बात को कहेंगे कि रिकार्ड न करें। चौधरी भजन लाल सदन में विपक्ष के नेता हैं ये कहते हैं कि इंदिरा जी ने कहा था तब जाकर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का नाम नहीं बदला था। किस-किस की बात को आप रिकार्ड नहीं करेंगे। यह रिकार्ड की बात है। चौधरी भजन लाल जी बताएं कि अजीत सिंह उस समय कहां वजीर थे, चौधरी चरण सिंह कहां थे। इंदिरा जी 1984 में मर ली थी और यह किस्सा 1991 से लेकर 1996 का था जब आप मुख्यमंत्री थे तब चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय का नाम बदलने की बात थी तब इंदिरा गांधी जीवित नहीं थीं, श्रीमान जी।

श्री अध्यक्ष : इंदिरा गांधी 31 अक्टूबर, 1984 को शहीद हुई थीं। उस समय अजीत सिंह राजनीति में नहीं थे और 1991 में इंदिरा गांधी भी इस दुनियां में नहीं थीं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी भजन लाल जी, चौधरी देवी लाल 1987 में चीफ मिनिस्टर बने थे उसके बाद 1991 में आप आए थे, तब आप ने नाम बदलने की कोशिश की थी, इंदिरा गांधी 1984 में शहीद हो ली थीं।

चौधरी भजन लाल : हो सकता है वह बात राजीव गांधी जी ने कही हो। ये बात कही तो किसी कांग्रेसी नेता ने ही थी। और श्री पी. वी. नरसिम्हा राव साहब ने ही कही थी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी भजन लाल जी 1991 और 1996 में राजीव गांधी भी नहीं थे। चौधरी भजन लाल जी 1991 और 1996 में श्री पी. वी. नरसिम्हा राव जी की वजह से झारखंड मुक्ति मोर्चा का मुकदमा बना था। श्री मांगे राम गुप्ता जी आपको सोच समझ कर बात करनी चाहिये आपने कहा कि प्रदेश का रैवेन्यू बढ़ा है।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैंने तो यही कहा है कि सरकार का रैवेन्यू 35 प्रतिशत बढ़ा है फिर भी यह सरकार विकास का ढिंढोरा पीट रही है। उधार लेकर तो कोई भी कोठी बना सकता है। लेकिन सरकार के पास तनख्वाह तक देने के लिए तो पैसा नहीं है।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं श्री मांगे राम गुप्ता जी को बताना चाहूंगा कि हम ने चौधरी बंसी लाल जी के समय की रूकी हुई एक दिन की तनख्वाह भी दी है। आज तनख्वाह एक दिन भी लेट नहीं की जाती।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, श्री मांगेराम जी ने कर्जे का जिक्र किया। हमारी सरकार के समय कर्जा कम हुआ है। पुरानी सरकारों के समय का कर्जा ज्यादा है जो निरन्तर हर वर्ष बढ़ा है। मैं आपको इस बारे में बताना चाहता हूं कि वर्ष 1991-92 में कर्जा 367.31 करोड़ रुपये लिया था। 1992-93 में 390.78 करोड़ रुपये कर्जा लिया था। 1993-94 में 532.46 करोड़ रुपये का कर्जा लिया था। 1994-95 में 634.81 करोड़ रुपये का कर्जा लिया था और 1995-96 में 1064.03 करोड़ रुपये का कर्जा लिया था, 1996-97 में 850 करोड़ रुपये का कर्जा लिया था, 1997-98 में 1273.98 करोड़ रुपये का कर्जा लिया था, 1998-99 में 1537.23 करोड़ रुपये का कर्जा लिया, 1999-2000 में 1947.34 करोड़ रुपये का कर्जा लिया, और पिछले साल 2000-2001 में 1881 करोड़ रुपये का कर्जा लिया। श्री मांगे राम गुप्ता जी कह रहे थे कि सरकार ने 20 हजार करोड़ रुपये का कर्जा लिया है, उनको कम से कम सोच-समझ कर अपनी बात कहनी चाहिये। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि हमने हाउस टैक्स की प्रक्रिया को पूरे सदन के सामने रखा और विपक्ष के साथी तो उस समय हाउस से चले गये थे परन्तु श्री कृष्णपाल गुर्जर जी ने अपने सुझाव दिये और चौधरी बंसी लाल जी ने भी अपने सुझाव दिये मैंने ऑन दि फलौर ऑफ दि हाउस एक बात कही थी कि हम गांधी जी के अनुयायी हैं। गांधी जी जब कोई आन्दोलन किया करते थे तो उसे वापिस लेने में कोई भी संकोच नहीं किया करते थे। मैंने यह कहा था कि अगर कोई चूक हो गई, बिल पास भी हो गया है तो हम उस को वापिस लेने में संकोच नहीं करेंगे। हम उसमें सुधार करेंगे। मैंने इस बिल में सुधार करने की बात कही थी और उसके बाद भी विपक्ष के साथियों ने इस बिल का विरोध किया। कभी बिजली को लेकर मुद्दा बना लेते हैं कभी हाउस टैक्स को बढ़ाने का मुद्दा बनाते हैं। इनको किसी न किसी बात का बहाना तलाश करके जनता के बीच जाना होता है। हमने बाकायदा श्री सुभाष गोयल मंत्री जी को कहा कि आप शहर से जुड़े हुए विधायकों को बुलाकर उनसे परामर्श करें ताकि अगर कहीं कोई गलती हुई हो तो उसको सुधार लिया जाए लेकिन उस मीटिंग में ये कांग्रेस के साथी नहीं आए। मैंने दूसरी बार गोयल साहब को कहा कि एक और अवसर दो और वह अवसर इनके लिए नहीं बल्कि जनता के लिए दो ताकि जनता को लाभ मिल सके। अगर हमसे कोई गलती हुई हो तो हम उसको सुधार सकें लेकिन उस मीटिंग में भी ये लोग नहीं आए। ये लोग सदन में और सदन के बाहर चर्चा जरूर करते हैं लेकिन यहां कोई सुझाव नहीं दे सकते। आज कृष्णपाल जी की बात पर ये कांग्रेस के लोग राजी हो रहे थे। लेकिन ये खुद कोई सुझाव नहीं देते।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी के सदस्य भी उस मीटिंग में नहीं गए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी के सदस्य उस मीटिंग में आए थे। ये खुद तो कोई सुझाव देते नहीं और दूसरा कोई सुझाव दे तो बोलते हैं क्योंकि इनमें खुद में तो बुद्धि है नहीं अगर बुद्धि होती तो इनका अविश्वास का प्रस्ताव फेल कैसे हो जाता। मैं किसी को फिर मोहम्मद तुगलक कह दूंगा तो कुछ लोगों को गुस्सा आएगा। अध्यक्ष महोदय, आज मैं फिर सदन को यह बताना चाहता हूं कि हमसे कोई चूक हुई हो तो हम उसको सुधार देंगे। (शोर) आप तो जनता के दुतकारे हुए हो।

चौधरी भजन लाल : हमें जनता ने चुनकर भेजा है। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी साहब, कभी आप देवराज दीवान को फोन करते हो और कभी अनिल विज को। आप गाय के घी की मन में ले जाइओ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने देवराज दीवान और अनिल विज को फोन नहीं किया अगर मैं फोन करूं तो ये भागे आएंगे। (शोर)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण-

(x) श्री अनिल विज एम. एल. ए. द्वारा-

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। जब नाम आया है तो मैं बताना चाहूंगा कि 2 नवम्बर को जिस दिन कांग्रेस पार्टी बन्द कर रही थी, सुबह 10-11 बजे मेरे पास टेलीफोन आया इन्होंने कहा कि विज जी, सरकार को गिराना है हमारे साथ आ जाओ। (शोर) मैंने कहा चौधरी साहब, मैं बंसी लाल सरकार के साथ था और आखिरी दिन तक उस सरकार के साथ रहा, आपको मुझसे ऐसी बात नहीं करनी चाहिए। इन्होंने कहा कि हमारे साथ आ जाओ मैं आपको पार्टी का टिकट दूंगा तो मैंने इनको कहा कि मैं 2 बार विदआउट पार्टी चल चुका हूं, मुझे बिना टिकट चलने की आदत हो गई है इसलिये मुझे टिकट की जरूरत नहीं है। (शोर और हंसी)

(xi) श्री देवराज दीवान, एम. एल. ए. द्वारा-

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। 2 तारीख को ही मेरे पास फोन आया। चौधरी साहब ने कहा कि दीवान किसके साथ लग रहे हो, आप हमारे पंजाबी भाई हो इसलिए हमारे साथ आ जाओ। मैंने कहा चौधरी साहब, मैं जहां हूं वहीं ठीक हूं और मैंने यह भी कहा था कि चौधरी साहब आप जानते हैं कि मैं अपनी बात और जुबान का पक्का हूं, मैं किसी को धोखा नहीं दे सकता। (शोर)

मंत्रि मंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मन्त्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी भजनलाल जी को एक बात बता दूं। कानून के मुताबिक अगर सत्ता परिवर्तन कर ये सत्ता का सुख भोगने का ख्वाब देख रहे हों तो सबसे पहले इन 48 में से इनको 16 छांटने पड़ेंगे। चौधरी साहब, मैं सदन में एक बार फिर कह देता हूं और ऑन दि प्लोर ऑफ दि हाउस कही बात माननी पड़ती है। मेरे जो साथी आज मेरे साथ बैठे हैं अगर इनमें से कोई एक किसी दिन कह देगा कि मुझे ओम प्रकाश चौटाला पर विश्वास नहीं है तो मैं इस्तीफा देने में एक क्षण देरी नहीं लगाऊंगा। मैं उस बाप का बेटा हूं जिसने प्रधानमंत्री का पद ठुकरा दिया था, मैं उस बाप का बेटा हूं जिसने हरियाणा बनाने के लिए विधान सभा का चुनाव न लड़ने का निर्णय ले लिया था। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो पहले दिन कांग्रेस को गाली दें और दूसरे दिन इंदिरा गांधी की खुशामद करते फिरें। अध्यक्ष महोदय, हम पर लोगों ने विश्वास किया है, हम उनके विश्वास को निभायेंगे और जिस दिन जनता का विश्वास हम से टूट जायेगा उस दिन एक क्षण की देरी किए बगैर ही हम मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, * * * (शोर एवं व्यवधान)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी की कोई भी बात रिकार्ड न की जाये। भजन लाल जी प्लीज आप बैठें। जो अन पार्लियामैंटरी शब्द आया है उसे रिकार्ड न करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी अब स्वर्ग में हैं। मैंने उनसे एक बात कही थी कि वे भजन लाल जी पर विश्वास न करें, इनको अपने मंत्रिमण्डल में न लें। अगर चौधरी देवी लाल जी मेरी यह बात मान लेते और भजन लाल जी को अपने मंत्रिमण्डल में न लेते तो इनका मुख्यमंत्री के पद से क्या मेल था। (विघ्न) ये तो किस्मत और छलकपट से मुख्यमंत्री बन गये। अध्यक्ष महोदय, अब की बार चौधरी भजन लाल जी गाय के घी की मन में ही ले जायेंगे, जब तक जीऊंगा इनको मुख्यमंत्री के पद की तरफ नहीं देखने दूंगा, चाहे ये सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लायें, चाहे कोई प्रिविलेज मोशन लेकर आयें। (शोर एवं व्यवधान) चौधरी भजन लाल जी को जो सदस्य हम से जुडे हुए हैं उनसे सम्पर्क साधने की बजाये, अपने सदस्यों को सम्भालकर रखना चाहिए। हम इनके जैसे काम नहीं करना चाहते, जिस दिन ऐसा करने लग गये उस दिन एक ही दिन में इनकी पार्टी के सभी सदस्यों को अपनी तरफ कर लेंगे लेकिन हम जनतंत्र में विश्वास रखते हैं। (विघ्न) मैं यह कहना चाह रहा था कि हम इनकी तरह नहीं हैं, हम जनता के प्रतिनिधियों की कद्र करते हैं। म्यूनिसिपल कमेटियों के चुने हुए प्रतिनिधियों और व्यापारियों की भी कद्र करते हैं। इनकी तरह सो काल्ड व्यापारी नहीं रखते। इन्होंने बजरंग दास को व्यापारियों का नेता बना दिया जिसके पास इंकम टैक्स और सेल्ज टैक्स की कोई रसीद नहीं थी तथा न ही वह कोई व्यापार करता था। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने लख्मी चंद गुप्ता को व्यापारियों का नेता बना दिया। लख्मी चन्द के पास भी इंकम टैक्स और सेल्ज टैक्स की रसीद नहीं थी। रसीदें तभी होती जब वे इंकम टैक्स देते हों और कोई व्यापार करते हों। लख्मी चंद गुप्ता जी मांगे राम गुप्ता जी के अच्छे जानने वाले हैं ये ही बता दें कि क्या उनके पास इंकम टैक्स या सेल्ज टैक्स की कोई रसीद है ? अध्यक्ष महोदय हम सो काल्ड व्यापारियों को नहीं बल्कि जो इस प्रदेश के सम्मानित व्यापारी हैं उनकी एक मीटिंग बुलायेंगे और उनसे परामर्श करेंगे तथा जो सुझाव वे देंगे हम उन पर गौर करेंगे। हमारी सरकार जनता का हित चाहती है, हम जनता को सभी सुख सुविधाएं प्रदान करने के पक्षधर हैं। हमारा ध्येय पैसा कमाना नहीं है, हमारा ध्येय जनता की मूलभूत आवश्यकताएं पूरा करना है और ऐसी ही हमारी सोच है। अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के भाइयों को भी कहना चाहूंगा कि ये हर रोज अपनी फजीहत कराने की बजाय स्वस्थ प्रजातांत्रिक प्रणाली में हैल्दी क्रिटिसीज़िम करें और रचनात्मक सुझाव दें। इस सदन का कोई भी सम्मानित सदस्य अच्छे सुझाव देगा तो हम उन सुझावों पर अमल करेंगे क्योंकि अच्छे सुझावों पर अमल करना हम अपनी जिम्मेवारी समझते हैं और हम अपनी जिम्मेवारी अच्छी तरह से निभायेंगे। अंत में मैं सभी सदस्यों से खुले दिल से एक बात कहता हूँ कि जो सदस्य हमारी सरकार से संतुष्ट हैं वे हमारी सरकार के पक्ष में वोट दें और जो सदस्य हमारी सरकार से असंतुष्ट हैं वे हमारी सरकार के विरुद्ध वोट दें। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिये समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ।

Mr. Speaker : Question is-

"That this House expresses its want of confidence in the Haryana Ministry headed by Shri Om Parkash Chautala, Chief Minister."

The motion was lost.

ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संख्या 4, 11 (विद नोटिस नं० 1) संबंधी

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, कालिंग अटैंशन मोशंज जो आज के लिए एडमिट किए थे वे अब टेकअप नहीं किए जायेंगे क्योंकि नो कांफिडैंस मोशन पर डिस्कशन के समय इन विषयों पर काफी बहस हो चुकी है इसलिये अब इनकी आवश्यकता नहीं है।

सदन की मेज पर रखे गए कागज-पत्र

15.00 बजे **Mr. Speaker :** Now, a Minister will lay the papers on the Table of House.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to lay on the Table–

The Annual Report of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar for the year 1997-98 as required under Section 39(3) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

The Audit Report of Haryana Labour Welfare Board, for the year 1999-2000 as required under Sub-section (3) of Section 19-A of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971.

The General Administration Department Notification No. S.O. 173/ H.A. 9/79/S. 8/2001 dated the 6th November, 2001 regarding the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Rules, 2001 as required under Section 8(3) of the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Act, 1979.

The 28th Annual Report of the Haryana Tenneries Limited for the year 1999-2000 as required under Section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The 33rd Annual Report of the Haryana State Industrial Development Corporation Limited for the year 1999-2000 as required under Section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The 32nd Annual Report of Haryana State Small Industies and Export Corporation Limited for the year 1998-99 as required under Section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

संविधान (इक्यानवेवां संशोधन) विधेयक, 2000 के अनुसमर्थन करने संबंधी संकल्प

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the Finance Minister will move the official resolution.

Finance Minister : (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move–

That this House, ratifies the amendments to the Constitution of India falling within the purview of clauses (a) and (d) of the provisio to clause (2) of Article 368, proposed to be made by the Constitution (Ninety-first Amendment) Bill, 2001, as passed by the two Houses of Parliament.

Mr. Speaker : Motion moved–

That this House, ratifies the amendments to the Constitution of India falling within the purview of clauses (a) and (d) of the provisio to clause (2) of Article 368, proposed to be made by the Constitution (Ninety-first Amendment) Bill, 2001, as passed by the two Houses of Parliament.

Mr. Speaker : Question is–

That this House, ratifies the amendments to the Constitution of India falling within the purview of clauses (a) and (d) of the provisio to clause (2) of Article 368, proposed to be made by the Constitution (Ninety-first Amendment) Bill, 2001, as passed by the two Houses of Parliament.

The motion was carried.

विधान कार्य-

(i) दि हरियाणा पंचायती राज (अमैंडमैंट) बिल, 2001

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will introduce the Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill, 2001 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to introduce the Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill, 2001.

Sir, I also beg to move—

That the Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Sub Clause (2) of Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Sub Clause (2) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub Clause (1) of Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Sub Clause (1) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(ii) दि पंजाब टाउन इम्प्रूवमैंट (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 2001

Mr. Speaker : Now, the Minister of State for Local Government will introduce the Punjab Town Improvement (Haryana Amendment) Bill, 2001 and will also move the motion for its consideration.

शहरी विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाष गोयल) : अध्यक्ष महोदय, मैं पंजाब नगर सुधार हरियाणा संशोधन विधेयक, 2001 प्रस्तुत करता हूँ।

मैं यह भी प्रस्ताव करता हूं कि-

पंजाब नगर सुधार (हरियाणा संशोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाये।

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Punjab Town Improvement (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Punjab Town Improvement (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Sub Clause (2) of Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Sub Clause (2) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That of Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub Clause 1 of Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Sub Clause (1) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Minister of State for Local Government will move that the Bill the passed.

शहरी विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाष गोयल) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि-

बिल पारित किया जाये।

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(iii) दि पंजाब लेबर वैल्फेयर फण्ड (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 2001

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will introduce the Punjab Labour Welfare Fund (Haryana Amendment) Bill, 2001 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to introduce the Punjab Labour Welfare Fund (Haryana Amendment) Bill, 2001.

Sir, I also beg to move—

That the Punjab Labour Welfare Fund (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Punjab Labour Welfare Fund (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Punjab Labour Welfare Fund (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House stands adjourned *sine-die.*

*15.10 hrs. (The Sabha then *adjourned *sine-die.*)

34539–H.V.S. H.G.P., Chd.